डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 22.07.2024 से 28.07.2024 वर्ष-41 अंक-30 मूल्य ₹ 10.00

संक्षिप्त खबर

अंतर्विभागीय राज्य स्तरीय समिति का गठन

भोपाल, राज्य शासन द्वारा मध्यप्रदेश के राष्ट्रीय उद्यानों एवं वन्यजीव अभयारण्यों के अधिसूचित इको सेंसेटिव जोन्स का जोनल मास्टर प्लान मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा बनाया जा रहा है। जोन मास्टर प्लान के गजट नोटिफिकेशन से पूर्व परीक्षण एवं स्पष्ट अनुशंसा के लिये अंतर्विभागीय राज्य स्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति के अध्यक्ष अपर मुख्य सचिव, वन विभाग होंगे। समिति में सदस्य के रूप में अपर मुख्य सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विभाग, प्रमुख सचिव, पर्यावरण विभाग, प्रमुख सचिव, नगरीय विकास एवं आवास विभाग और समिति के सदस्य सचिव के रूप में प्रमुख सचिव, पर्यटन विभाग होंगे।

सिनेमा हॉल निवेशकों को मिलेगा 75 लाख रुपये तक का अनुदान

भोपाल, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा बनाई गई फिल्म पर्यटन नीति, निवेशकों को सिनेमा में निवेश के लिए प्रोत्साहित कर रही है। मल्टीप्लेक्स और सिनेमा हॉल निर्माण, नवीनीकरण और उन्नयन के लिये फिल्म पर्यटन फिल्म नीति 2020, अंतर्गत निवेशकों को 75 लाख रुपये तक का अनुदान दिया जा रहा है। सिंगल स्क्रीन सिनेमा हॉल की स्थापना के लिए 50 लाख रुपये, मौजूदा सिनेमाघर के उन्नयन के लिए 75 लाख रुपये और मल्टीप्लेक्स की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिये 75 लाख रुपये तक का अनुदान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश को फिल्म शूटिंग हब के रूप में स्थापित किया जा रहा है। साथ ही फिल्म से जुड़ी आधारभूत संरचनाएं विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने की मध्यप्रदेश में निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा

नई दिल्ली, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने नई दिल्ली में बैठक लेकर मध्यप्रदेश में 100 करोड़ से अधिक लागत वाली सभी निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री मध्यप्रदेश श्री राकेश सिंह भी उपस्थित रहे। मंत्री श्री राकेश सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में किए जा रहे निर्माण कार्यों की जानकारी दी। बैठक में केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के मध्यप्रदेश में 18 हजार करोड़ रुपये की लागत के 28 प्रोजेक्ट्स की प्रगति की समीक्षा की।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मध्यप्रदेश को 'स्पार्क अवॉर्ड सेरेमनी' में मिले कुल 11 पुरस्कार

भोपाल, मध्यप्रदेश को नई दिल्ली में 'उत्कृष्टता की ओर बढ़ते कदम' कार्यक्रम में सिस्टमेटिक प्रोग्रेसिव एनेलेटिकल रियल टाइम रैंकिंग अवॉर्ड (स्पार्क) सेरेमनी में विभिन्न श्रेणियों में 11 पुरस्कार प्राप्त हुए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग की पूरी टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि हम सभी प्रदेश के विकास में अनवरत समन्वित प्रयास से इसी तरह की उपलब्धियाँ हासिल करेंगे। यह पुरस्कार केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर एवं केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्यमंत्री श्री तोखन साहू ने प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री नीरज मण्डलोई को दिया। साथ ही प्रदेश को 4 अवॉर्ड संपूर्ण भारत में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये और 7 अन्य निकायों को विभिन्न श्रेणियों में प्राप्त हुए हैं। मध्यप्रदेश को पी.एम. स्वनिधि योजना में बेस्ट परफार्मिंग स्टेट (लोन परफार्मेंस-लार्ज स्टेट) और बेस्ट परफार्मिंग स्टेट (इनोवेशन एण्ड बेस्ट प्रेक्टिसेस) दोनों ही श्रेणियों में प्रथम स्थान मिला है। इसी प्रकार डे-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन योजना में मध्यप्रदेश दो श्रेणियों में प्रथम स्थान पर है। इनमें 'बेस्ट परफार्मिंग स्टेट अंडर बेस्ट इनोवेशन एण्ड टेक्नोलॉजी' और 'बेस्ट सोशल इन्फ्रास्ट्रक्चर' श्रेणी शामिल है। मध्यप्रदेश ने पीएम स्ट्रीट वेंडर योजना में देशभर में 11 लाख 95 हजार से अधिक ऋण वितरित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

मुख्यमंत्री ने मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित 'स्वर मेघ' कार्यक्रम को किया संबोधित

मध्यप्रदेश पुलिस को सशक्त बनाने के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित स्वर-मेघ कार्यक्रम को संबोधित किया

भोपाल, मध्यप्रदेश पुलिस को सशक्त बनाने के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। इसके लिए बजट में साढ़े दस हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। प्रदेश में पुलिस कर्मियों के लिए 25 हजार आवास इस वर्ष बनाने का लक्ष्य है जिनमें से 12 हजार आवास बना लिए गए हैं। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित स्वर-मेघ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के हर जिले में स्वतंत्र रूप से पुलिस बैंड दल कार्य करेगा। स्वर मेघ के अंतर्गत नव-गठित पुलिस बैंड के सहभागी प्रत्येक सदस्य को 11-11 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि मिलेगी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में करीब 330 पुलिसकर्मी पुलिस बैंड के सदस्य के रूप में प्रशिक्षित हुए हैं। ये स्वतंत्रता दिवस पर विभिन्न जिलों में प्रस्तुति देंगे।

इच्छाशक्ति से यह कार्य सफल हुआ

मुख्यमंत्री ने पुलिस मुख्यालय में पहली मीटिंग में निर्देश दिये कि सभी जिलों के पुलिस बैंड का गठन किया जाए। प्रत्येक जिले में पुलिस बैंड की स्थापना बहुत कठिन और चुनौतीपूर्ण कार्य था, लेकिन पुलिस की इच्छाशक्ति से यह कार्य सफल हुआ है। उन्होंने कहा कि हमने प्रयास किया कि 15 अगस्त 2024 तक हर जिले में पुलिस बैंड प्रस्तुति दे। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि पुलिस ने उस चुनौती को स्वीकार ही नहीं किया बल्कि उसे साकार कर दिखाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस के गौरवशाली इतिहास में यह दिन स्वर्ण अक्षरों से लिखा जाएगा।

सरकार ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए

मुख्यमंत्री ने कहा कि म.प्र. पुलिस के आधुनिकीकरण एवं सशक्तिकरण के लिए सरकार ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। पुलिस में 7500 पदों पर भर्तियां, भोपाल में 50 बिस्तर क्षमता के पुलिस अस्पताल का लोकार्पण, पुलिस जवान के शहीद होने पर 1 करोड़ रुपये की राशि में से 50 प्रतिशत राशि पत्नी और 50 प्रतिशत की राशि माता-पिता को प्रदान करने का निर्णय लिया है।

पुलिस बैंड की स्थापना

डीजीपी श्री सुधीर कुमार सक्सेना ने कहा कि मुख्यमंत्री की पुलिस बैंड के उत्थान की परिकल्पना ने पुलिस बल के प्रदर्शन को मजबूती दी है। इस पहल से पुलिस और जनता के बीच निकटता के साथ उनमें उत्साह का संचार भी हो रहा है। उल्लेखनीय है कि 10 जनवरी 2024 से प्रारंभ 90 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मध्यप्रदेश विशेष सशस्त्र बल के ट्रेनिंग सेंटर सातवीं वाहिनी भोपाल में 100, प्रथम वाहिनी इंदौर में 107 तथा छठी वाहिनी जबलपुर में 123 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को बैंड वादन तथा वाद्ययंत्रों का प्रशिक्षण दिया गया। इन 330 प्रशिक्षुओं में प्रदेश की सभी बटालियनों के पुलिसकर्मियों को सम्मिलित किया गया ताकि सभी इकाइयों में बैंड स्थापना के लक्ष्य को शीघ्र पूरा किया जा सके।

मुख्यमंत्री की कार्यशैली से देश के उद्योगपति प्रभावित

मुंबई, व्यापार और व्यवसाय के प्रति दृष्टिकोण की देश के ख्यातनाम उद्योगपतियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की कार्यशैली की प्रशंसा की है। देश के प्रसिद्ध उद्योगपतियों ने मुंबई में संपन्न हुए एमपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की स्पष्टवादिता और दृढ़ता की प्रशंसा की है। मुख्यमंत्री की पहल पर उद्योगपतियों के साथ संपर्क और संवाद, निवेशकों के साथ चर्चा के विभिन्न सत्रों का आयोजन किया गया। समिट में गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड की एक्जीक्यूटिव चेयरपर्सन सुश्री निसाबा गोदरेज ने कहा कि राज्य सरकार के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर प्रदेश में उपभोक्ता उत्पादों का एकीकृत प्लांट स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं, प्लांट में 400 से 500 करोड़ रुपये का निवेश होगा।

निर्माण कार्यों के प्रस्तावों पर चर्चा

हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कम्पनी के सीएमडी श्री अजीत गुलाबचंद ने जैव-विविधता से छेड़-छाड़ किए बिना आधुनिकतम तकनीक के साथ निर्माण कार्यों के प्रस्तावों पर चर्चा की। लार्सन एण्ड टूर्बो के सीएमडी एस.एन. सुब्रमण्यम ने इंडोर आईटी कॉम्प्लेक्स एवं डाटा सेंटर में निवेश और पारले एग्रो की सीईओ सुश्री शोना चौहान ने प्रदेश में बेवरेज और डेयरी प्रॉडक्ट्स के उत्पादन में निवेश के प्रस्ताव प्रस्तुत किए। सी.आई.आई. के उपाध्यक्ष श्री मुकंदन ने निवेश के प्रस्तावों की जानकारी दी। वन-टू-वन चर्चा के दौरान रिलायन्स अनिल धीरू भाई अंबानी ग्रुप चेयरमैन श्री अनिल अंबानी, जे.एस.डब्ल्यू. सीमेंट एंड पेन्ट के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री पार्थ जिंदल सहित अनेक उद्योगपतियों और निवेशकों ने चर्चा की।

राजस्व महाअभियान

प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिये प्रदेश में चलेगा विशेष अभियान

भोपाल, राजस्व महाअभियान के प्रथम चरण की सफलता के बाद अब राज्य में दूसरे चरण का आगाज हो रहा है। इसके तहत 18 जुलाई से 31 अगस्त तक राजस्व महाअभियान-2 के तहत राजस्व प्रकरणों का त्वरित निराकरण और राजस्व अभिलेख त्रुटियों को ठीक किया जायेगा। अभियान के दौरान सभी संभाग आयुक्त और कलेक्टर अपने क्षेत्रों का निरंतर निरीक्षण करेंगे। यह निर्देश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्व महाअभियान के संचालन संबंधी बैठक में उपस्थित अधिकारियों को दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले राजस्व अधिकारियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य राजस्व न्यायालय में समय सीमा पर लंबित प्रकरणों का निराकरण, नए राजस्व प्रकरणों को आरसीएमएस पर दर्ज कराना, नक्शे पर तरमीम,

पीएम किसान योजना का सभी पात्र किसानों को लाभ देना, समग्र का आधार ई-केवाईसी और खसरे की समग्र, आधार से लिंकिंग एवं फार्मर रजिस्ट्री का क्रियान्वयन है। डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण एक अगस्त से 15 सितम्बर तक होगा।

पटवारी रहें मुख्यालय पर

मुख्यमंत्री ने कहा कि पटवारी मुख्यालय पर रहें। अभियान की हर दिन समीक्षा की जाए, साफ-सुथरा कार्य हो, अच्छा कार्य करने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा। गलती होने पर माफ नहीं किया जाएगा। कमिश्नर अपना 45 दिन का दौरा कार्यक्रम बनाएं, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाशत नहीं की जाएगी। अभियान में नक्शा दुरुस्तीकरण का कार्य अच्छा हो।

पटवारी ई-डायरी बनायें

मुख्यमंत्री ने कहा कि पटवारी डायरी डिजिटल की जाए। मैन्युअल डायरी प्रथा समाप्त की जाए। पीएम किसान सम्मान निधि के लाभ के लंबित प्रकरणों में ई-केवाईसी करें और अच्छा वातावरण निर्मित करें। गौ-शालाओं की क्षमता अनुसार गौ-वंश रखें, वह सड़कों पर न दिखें। राज्य सरकार द्वारा गौ-शालाओं को दिये जाने वाले अनुदान को दोगुना कर दिया गया है।

13 जुलाई

रांची में दिव्यांगों के लिए खुलेगा पूर्वी भारत का पहला विश्वविद्यालय

● झारखंड के रांची में दिव्यांग छात्रों के लिए पूर्वी भारत का पहला विश्वविद्यालय खोला जाएगा। झारखंड के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग ने बताया कि इस विश्वविद्यालय में छात्रों के लिए विशेष पाठ्यक्रम और शैक्षिक उपकरणों की व्यवस्था की जाएगी, उन्हें उनकी जरूरतों के अनुसार शिक्षा प्रदान की जाएगी। विभाग ने इसके लिए एक 'नवोत्थान छात्रवृत्ति योजना' का भी प्रस्ताव रखा, जिसके तहत सरकार राज्य के मेधावी अनाथ और दिव्यांग छात्रों की पूरी कोर्स फीस की प्रतिपूर्ति करेगी। इसके अलावा, इन छात्रों को रहने और खाने की व्यवस्था के लिए प्रति वर्ष 48 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी।

● संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी अबू धाबी में एक सड़क का नाम भारतीय मूल के 84 वर्षीय चिकित्सक डॉ. जार्ज मैथ्यू के नाम पर रखा गया है। डॉ. मैथ्यू को देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए यह श्रद्धांजलि दी गई है। यह अबू धाबी के नगर पालिका और परिवहन विभाग (डीएमटी) द्वारा 'यूएई के दूरदर्शी लोगों का सम्मान : स्मारक सड़कें' परियोजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य उन व्यक्तियों को सराहना है, जिन्होंने देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उल्लेखनीय है कि डॉ. जार्ज मैथ्यू ने वर्ष 1972 में अल ऐन क्षेत्र के चिकित्सा निदेशक और वर्ष 2001 में स्वास्थ्य प्राधिकरण सलाहकार सहित कई प्रमुख पदों पर कार्य किया।

14 जुलाई

गगनयान मिशन के 2 अंतरिक्ष यात्री नासा में प्रशिक्षण लेंगे

● भारत के गगनयान मिशन के लिए चुने गए चार अंतरिक्ष यात्रियों में से दो का प्रशिक्षण नासा में अगस्त से शुरू होगा। यह जानकारी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ ने दी। डॉ. सोमनाथ ने बताया कि भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों का प्रशिक्षण टेक्सास में नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर में होगा। प्रशिक्षण के बाद दोनों भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों में से एक अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए भारत-अमेरिका मिशन पर उड़ान भरेगा। उल्लेखनीय है कि गगनयान मिशन का उद्देश्य अंतरिक्ष यात्री-वाहक कैप्सूल को पृथ्वी की सतह से 400 किलोमीटर ऊपर तक उड़ाना और सुरक्षित समुद्र में स्पलैशडाउन लैंडिंग के लिए वापस लाना है। इसके लिए वायु सेना के ग्रुप कैप्टन अजीत कृष्णन, ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर, ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप और विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला को चुना गया है।

● भारत धीरे-धीरे कैशलेस इकोनॉमी की ओर बढ़ने लगा है। केर्नी और अमेजन पे की संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार पिछले 6 वर्षों में देश में खुदरा डिजिटल पेमेंट में 100 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखी गई है। अगले 6 वर्षों में देश में डिजिटल खुदरा पेमेंट में फिर 100 फीसदी की बढ़त आ सकती है। वर्ष 2030 तक भारत में खुदरा डिजिटल पेमेंट मौजूदा स्तर की तुलना में दोगुना होकर 7 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2017-18 में भारत में 300 बिलियन डॉलर के खुदरा भुगतान डिजिटल तरीके से किए जा रहे थे उनका मूल्य बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 3.6 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया है।

15 जुलाई

देश के सीमावर्ती गांवों में दिसंबर तक पहुंचेगा 4जी नेटवर्क

● गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने नई दिल्ली में एक उच्चस्तरीय बैठक में

वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम की समीक्षा बैठक कर सीमांत गांवों से पलायन रोकने, लोगों को रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराने और गांवों के साथ संपर्क बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के अंत तक 'वाइब्रेंट विलेज' योजना के तहत आने वाले सीमावर्ती गांव 4जी नेटवर्क से जुड़ जाएंगे। इसके साथ ही 136 सीमांत गांवों को बारहमासी सड़कों से जोड़ने का काम भी तेजी से चल रहा है। उन्होंने सीमांत गांवों के आस-पास तैनात केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और सेना को सहकारिता के माध्यम से स्थानीय कृषि और हस्तशिल्प उत्पादों की खरीद को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

● इजरायल की ओर से दक्षिणी गाजा पट्टी में किए गए हमले में 40 लोग मारे गए। इजरायली अधिकारियों ने कहा है कि हमास का कमांडर मोहम्मद दीफ निशाने पर था। दीफ को सात अक्टूबर के हमले का मुख्य साजिशकर्ता माना जाता है, जिसमें दक्षिणी इजरायल में 1,200 लोग मारे गए थे। दीफ वर्षों से इजरायल की वांछित सूची में शीर्ष पर है। इससे पहले इजरायली हमलों में वह हर बार बच निकला है। दीफ के मारे जाने पर संघर्ष विराम वार्ता के पटरी से उतरने का खतरा है। वहीं, हमास ने एक बयान में कहा कि 'ये झूठे दावे भयावह नरसंहार को छिपाने के लिए किए जा रहे हैं।' मरने वालों में सभी आम नागरिक हैं। इस हमले में 300 लोग घायल हुए हैं।

16 जुलाई

भारतीय स्टेट बैंक ने ब्याज दरों में की बढ़ोत्तरी

● देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से ऋण लेना महंगा हो गया है। इसका कारण यह है कि बैंक ने मार्जिनल कास्ट ऑफ फंड्स, पर आधारित कर्ज पर ब्याज की दरों (एमसीएलआर) में पांच से 10 आधार अंक की बढ़ोतरी कर दी है। नई दरें 15 जुलाई से प्रभावी हो गई हैं। एक महीने के कर्ज पर ब्याज 'पांच आधार अंक बढ़कर 8.35 प्रतिशत और तीन महीने की अवधि पर 10 आधार अंक बढ़कर 8.40 प्रतिशत हो गया है। इसी तरह, छह महीने, एक वर्ष और दो वर्ष की अवधि के कर्ज में 10 आधार अंक की वृद्धि की गई है।

● पाकिस्तान में शहबाज शरीफ की सरकार पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पर बैन लगाने जा रही है। शहबाज सरकार में आईटी मंत्री अताउल्लाह तरार ने बैन की घोषणा करते हुए कहा कि सरकार ने देशद्रोही गतिविधियों में शामिल होने के चलते पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ को बैन करने का फैसला किया है। सरकार ने यह फैसला उस वक्त किया किया है जब पीटीआई के फाहर और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान एक साल से जेल में हैं। दो दिन पहले इमरान खान इद्दत मामले में बरी होने के बाद सभी मामलों में रिहा हो गए थे। लेकिन, वे जेल से बाहर आ पाते इसके पहले ही एंटी करप्शन एजेंसी (एनएबी) की टीम ने उन्हें एक और मामले में जेल से गिरफ्तार कर लिया। इमरान खान पर 100 से ज्यादा मामले चल रहे हैं।

17 जुलाई

केन्द्र सरकार ने किया नीति आयोग का पुनर्गठन

● केंद्र सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी नीति आयोग के अध्यक्ष हैं। जबकि श्री सुमन के. बेरी आयोग के उपाध्यक्ष होंगे। आयोग में डॉ. वीके सारस्वत, प्रो. रमेश चंद्र, डॉ. वीके पॉल और अरविंद वीरमानी पूर्णकालिक सदस्य बने हैं। आयोग में रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री श्री अमित शाह, कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन को पदेन सदस्य नामित किया गया है। नीति आयोग में केंद्रीय मंत्री श्री ललन सिंह, श्री राममोहन नायडू, श्री जीतन राम मांझी और श्री चिराग पासवान को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। राष्ट्रपति भवन ने नीति आयोग में नए संशोधन को अपनी सहमति दे दी है। इस संबंध में एक अधिसूचना भी जारी की गई है।

● केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने अगले पांच वर्षों में भारतीय भाषाओं में 22,000 पुस्तकें तैयार करने के लिए 'अस्मिता' परियोजना शुरू की है। इस परियोजना को पांच वर्षों में पूरा किया जाएगा। अस्मिता (अनुवाद और अकादमिक लेखन के जरिये भारतीय भाषाओं में अध्ययन सामग्री का संवर्धन) नामक परियोजना की शुरुआत उच्चतर शिक्षा सचिव संजय मूर्ति ने की। शिक्षा में भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए यह यूजीसी और भारतीय भाषा समिति की एक सहयोगात्मक कोशिश है। इस परियोजना का लक्ष्य पांच वर्षों के भीतर 22 भाषाओं में एक-एक हजार पुस्तकें तैयार करना है। परियोजना का नेतृत्व करने के लिए 13 नोडल विश्वविद्यालयों को चिह्नित किया गया है। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों से सदस्य विश्वविद्यालय भी इसमें शामिल हैं।

● केंद्रीय मंत्री श्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए फेम-3 योजना पर काम कर रही है और बजट के बाद इसे लागू किया जाएगा। भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री ने मोटर वाहन उद्योग संगठन सियाम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में पत्रकारों से कहा कि हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने एवं मेन्यूफैक्चरिंग (फेम) योजना के तीसरे चरण को आगामी केंद्रीय बजट में शामिल नहीं किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए फास्टर एडाप्शन एंड मेन्यूफैक्चरिंग ऑफ हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (फेम) योजना का पहला चरण एक अप्रैल, वर्ष 2015 को दो साल के लिए शुरू किया गया था।

18 जुलाई

विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के खाली पदों को लेकर यूजीसी सख्त

● नए शैक्षणिक सत्र शुरू होने से पहले विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने देश भर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षकों के खाली पदों को भरने को लेकर सख्ती दिखाई है। साथ ही सभी विश्वविद्यालयों से पूछा है कि वह बताएं कि खाली पदों को भरने के लिए उन्होंने क्या कदम उठाए हैं। यूजीसी ने सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों से 31 जुलाई तक शिक्षकों के स्वीकृत और रिक्त पदों, दोनों का ही ब्यौरा देने को कहा है। यूजीसी ने यह कदम केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के लंबे समय से खाली पड़े करीब सात हजार पदों को भरने में मिली सफलता के बाद उठाया है। ऐसे में यूजीसी ने अब राज्य विश्वविद्यालयों, मानद विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षकों के खाली पदों को भरने के लिए अभियान चलाया है।

● 'चेग डॉट ओआरजी ग्लोबल स्टूडेंट प्राइज' 2024 पुरस्कार के लिए शीर्ष 50 उम्मीदवारों में तीन भारतीय छात्रों ने जगह बनाई है। यह एक वार्षिक पुरस्कार है जो शिक्षा और समाज पर वास्तविक प्रभाव डालने वाले असाधारण छात्र को दिया जाता है। इस पुरस्कार के लिए बेंगलुरु के 17 वर्षीय छात्र प्रज्वल नवीन हलाले, बेंगलुरु की ही 16 वर्षीय छात्रा दिवा उत्कर्ष और जयपुर के 17 वर्षीय छात्र कविन शर्मा शामिल हैं। इस पुरस्कार के विजेता को पुरस्कार स्वरूप एक लाख अमेरिकी डॉलर की राशि दी जाती है।

19 जुलाई

प्रधानमंत्री संयुक्त राष्ट्र महासभा को कर सकते हैं संबोधित

● प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तीन वर्ष बाद फिर संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित कर सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र की ओर से इस संदर्भ में अनंतिम सूची जारी की गई है। महासभा के 79वें सत्र में यह उच्च स्तरीय चर्चा 24 से 30 सितंबर तक चलेगी। संयुक्त राष्ट्र ने महासभा की उच्च स्तरीय चर्चा में भाग लेने वाले वक्ताओं की सूची जारी की है। इसके अनुसार भारत के प्रधानमंत्री श्री मोदी न्यूयार्क में स्थानीय समयानुसार 26 सितंबर को अपराह्न तीन से छह बजे के बीच महासभा को संबोधित करेंगे। हालांकि अभी सूची को अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

● ओमान के समुद्री तट पर एक तेल टैंकर डूब जाने के बाद 16 सदस्यीय चालक दल में से कम से कम नौ लोगों को बचा लिया गया है, जबकि एक सदस्य की मौत हो गई है। बचाए गए लोगों में आठ भारतीय हैं। कोमोरोस का झंडा लगा यह तेल टैंकर दुबई के हमरिया से यमन के बंदरगाह शहर अदन के लिए जा रहा था। तेल टैंकर की पहचान प्रेस्टीज फाल्कन के रूप में हुई है। खोज एवं बचाव अभियान जारी है। इसमें भारतीय नौसेना भी मदद कर रही है। चालक दल में 13 भारतीय हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

ORIENTAL GROUP OF INSTITUTES
BHOPAL | INDORE | JABALPUR
Approved by AICTE New Delhi, PCI, Govt. of M.P., Affiliated to RGPV & B.U., Bhopal
(A Premier Group of Professional & Technical Institutes - Estd. 1995)
30 YEARS OF EXCELLENCE

WORKING PROFESSIONALS
Upgrade your Skills & Get Ready for Higher Positions with Attractive Perks

> B.Tech - (3yrs)
• ELECTRICAL & ELECTRONICS ENGINEERING
• MECHANICAL ENGINEERING
• CIVIL ENGINEERING

> M.Tech - (2yrs)
• POWER SYSTEM
• COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING
• CONSTRUCTION TECHNOLOGY & MANAGEMENT

Classes In Evening Hours | Special Consideration In Fees
Approved By AICTE

Courses Offered
B.Tech. | M.Tech. | MCA | MBA
D.Pharm | B.Pharm. | M.Pharm

Our Institutes @ Bhopal Campus:
Oriental Institute of Science & Technology
Oriental College of Technology
Oriental College of Management
Oriental College of Pharmacy
Oriental Institute of Pharmacy & Research

Apply Now

Rank 1st in MP
Awarded by CSR Engineering College Survey 2024
Ranked Among Top Engineering College of Eminence
Awarded by CSR
Most Preferred Engineering Institute in Central India
Awarded by ASSOCHAM

72250 26861 / 62 / 63 / 64
Opp. Patel Nagar, Raisen Road, Bhopal (MP) - 462022

ATUL
R-498339/2024

वर्ष 41, अंक 30 22.07.2024 से 28.07.2024
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - संदीप यादव
- सम्पादक - रंजना चितले
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
- आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अशेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

जनजातीय समाज के समग्र विकास का संकल्प पीएम जनमन योजना

जनजातीय समाज का समग्र विकास प्रदेश सरकार की प्राथमिकता में है। इसी ध्येय के साथ और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जनजातीय समाज के लोगों के विकास से जुड़े कार्य निरंतर किये जा रहे हैं। 15 नवंबर 2023 को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर अंतिम छोर के अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति को सशक्त बनाने के लिए सघन अभियान शुरू किया गया। अंत्योदय की इसी कड़ी में कमजोर जनजातीय समूहों के सामाजिक-आर्थिक कल्याण के लिए जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) का शुभारम्भ किया था। पीएम जनमन के तहत मध्यप्रदेश के चिन्हित 24 जिलों में निवासरत बैगा, भारिया एवं सहरिया विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग की 11 लाख 85 हजार 374 आबादी को विभिन्न प्रकार की सहायता तथा रोज़गारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण देकर इन्हें विकास की नई राह से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। भारत सरकार के 9 मंत्रालयों की 11 चिन्हित अधोसंरचना विकासमूलक गतिविधियों एवं 7 हितग्राहीमूलक योजनाओं के घर पहुंच लाभ प्रदाय पर केन्द्रित इस महा अभियान के तहत मध्यप्रदेश में करीब 7 हजार 300 करोड़ रुपये व्यय कर इन 3 विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र कल्याण के लिये तेजी से प्रयास किये जा रहे हैं।

पीएम जनमन योजना में अब तक हितग्राहीमूलक योजना में 11 लाख 74 हजार 780 आधार कार्ड, 5 लाख 46 हजार 620 जनधन बैंक खाते, 6 लाख 33 हजार 15 आयुष्मान कार्ड, 10 लाख 37 हजार 538 जाति प्रमाण-पत्र, 65 हजार 25 किसान क्रेडिट कार्ड, 86 हजार 667 पीएम किसान सम्मान निधि प्रकरण एवं 2 लाख 97 हजार 454 राशन कार्ड बनाये गये हैं।

अधोसंरचनात्मक विकासमूलक योजना में अस्थायी रूप से 75 मोबाइल मेडिकल यूनिट्स शुरू कर दी गई हैं। सितम्बर 2024 तक 66 मोबाइल मेडिकल यूनिट स्थायी रूप से प्रारंभ होकर कार्य करने लगेंगी। आवास योजना में 99 हजार 780 हितग्राहियों को आवास स्वीकृत किये गये हैं। करीब 79 हजार 706 हितग्राहियों को उनकी पात्रतानुसार राशि देकर 12 हजार 954 आवास तैयार कर हितग्राहियों को दे दिये गये हैं। पीएम जनमन योजना के पहले चरण में 146 बसाहटों में 294 किलोमीटर लंबाई की 125 सड़कें मंजूर की गई हैं। दूसरे चरण में 51 बसाहटों में 180.29 किलोमीटर लंबाई की 40 सड़कों की स्वीकृति भारत सरकार से मिल चुकी है। हर घर नल से जल योजना में 3 लाख 15 हजार 83 परिवारों में से 1 लाख 46 हजार 666 परिवारों को नल कनेक्शन दिये गये हैं। लक्षित अंचलों के समग्र विकास की मंशा से 125 बहुउद्देशीय केन्द्रों के निर्माण के लिये भारत सरकार द्वारा 7500 लाख रुपये मंजूर किये गये, जिसमें से 2598.75 लाख रुपये जारी भी कर दिये गये हैं।

पीएम जनमन योजना के अधीन ऊर्जा विभाग की हर घर बिजली प्रदाय योजना में करीब 149.88 लाख रुपये की लागत से दो चरणों में 27 हजार 356 लक्षित परिवारों को घरेलू बिजली कनेक्शन दिये जायेंगे। पहले चरण में 10 हजार 952 परिवारों को बिजली कनेक्शन देने का काम 15 अगस्त 2024 तक पूरा कर लिया जाएगा। दूसरे चरण में 16 हजार 404 परिवारों को बिजली कनेक्शन देने का काम 31 दिसम्बर 2024 तक पूरा कर लेने का लक्ष्य रखा गया है।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश के 11 जिलों डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, उमरिया, अनूपपुर, शहडोल, जबलपुर, कटनी, मैहर, सीधी एवं सिंगरौली में 2 हजार 569 ग्रामों एवं बसाहटों में करीब 4 लाख 53 हजार 320 बैगा, 10 जिलों श्योपुर, शिवपुरी, ग्वालियर, गुना, मुरैना, दतिया, अशोकनगर, विदिशा, रायसेन एवं भिण्ड में 2 हजार 617 ग्रामों एवं बसाहटों में 6 लाख 86 हजार 986 सहरिया तथा 3 जिलों छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर एवं सिवनी में 315 ग्रामों एवं बसाहटों में 45 हजार 68 भारिया वर्ग के जनजातीय बंधु निवास करते हैं।

यूनिसेफ और डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट : 27 लाख से अधिक बच्चों का नहीं हुआ टीकाकरण

विश्व भर में बच्चों की प्रतिरक्षण कवरेज वर्ष 2023 में अवरुद्ध हो गई है, जिसके कारण बड़ी संख्या में बच्चे जीवनरक्षा कवच के दायरे से बाहर हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के विश्लेषण के अनुसार कोविड-19 के कारण 27 लाख से अधिक बच्चों का टीकाकरण नहीं हो पाया है या फिर उनकी वैक्सीन खुराकें पूरी नहीं हो पाई हैं। यह जानकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने 14 बीमारियों के विरुद्ध टीकाकरण के रुझानों के निष्कर्ष पर अपनी रिपोर्ट में दी। यूनीसेफ की कार्यकारी निदेशक कैथरीन रसैल के अनुसार कई देशों में अब भी बहुत से बच्चे टीकाकरण से छूटते जा रहे हैं। टीकाकरण के इस अभियान में आई रुकावट सरकार, साझेदारों और स्थानीय नेताओं की सहभागिता से दूर हो सकेगी। हर बच्चे का टीकाकरण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए जरूरी है। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में डिप्थीरिया, टिटनेस और पर्टूसिस से बचाव के लिए वैक्सीन की तीन खुराक पाने वाले बच्चों की संख्या 10 करोड़ 80 लाख पर रुक गई। जिन बच्चों को वैक्सीन की एक भी खुराक नहीं मिल पाई उनकी संख्या वर्ष 2022 में एक करोड़ 39 लाख थी, मगर 2023 में यह बढ़कर एक करोड़ 45 लाख पर पहुंच गई। जिन बच्चों का टीकाकरण नहीं हो पाया है उनमें से 50 प्रतिशत से अधिक उन 31 देशों में रहते हैं जो हिंसक टकराव से प्रभावित हैं या फिर संवेदनशील हालात से जूझ रहे हैं। ऐसे देशों में बच्चों पर उन बीमारियों की चपेट में आने का खतरा है जिन्हें आसानी से रोका जा सकता है।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं।)

मध्यप्रदेश में उत्कृष्ट शिक्षा की पहल प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस

शिक्षा व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और विश्व निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है। शिक्षा और ज्ञान से जहां व्यक्ति का निर्माण होता है, वहीं प्रत्येक व्यक्ति का निर्माण समाज विकास का आधार बनता है। यदि शिक्षा उत्कृष्ट होगी तो उत्कृष्ट पीढ़ी का निर्माण होगा। इसलिए मध्यप्रदेश में उत्कृष्ट गुणवत्ता परक, समग्र, समावेशी और रोजगारोन्मुखी शिक्षा के लिए 55 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस की शुरुआत की गयी। प्रदेश के 55 जिलों के महाविद्यालयों को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के रूप में परिवर्तित किया जा रहा है।

यह मध्यप्रदेश में शिक्षा के पुनर्निर्माण का अवसर है। उत्कृष्ट शिक्षा की वर्तमान व्यवस्था की शुरुआत के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तैयार की गयी। इस शिक्षा नीति में ज्ञान, कौशल और संस्कार सभी को समाहित किया गया है। इसमें भारतीय ज्ञान, दर्शन, संस्कृति और परम्परा को शिक्षा के साथ जोड़ा गया है। मध्यप्रदेश ने सबसे पहले राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू किया और देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और आत्मनिर्भर बनाने में सहयोगी रहेगी। प्रदेश के विद्यार्थी इससे लाभांवित हो रहे हैं। इसी कड़ी में प्रदेश में 55 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस की शुरुआत होना प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए सुखद अवसर है।

नई शिक्षा नीति और उत्कृष्ट शिक्षा की आवश्यकता

एक समय था जब हमारा देश शिक्षा, ज्ञान, संस्कृति और वैभव सम्पन्न था और दुनिया भर में सर्वश्रेष्ठ था। लम्बे पराधीन काल के दौरान भारत का वैभव और ज्ञान परम्परा विखण्डित हो गयी। अंग्रेजी राज में पुरातन शिक्षा व्यवस्था को योजनाबद्ध तरीके से समाप्त किया गया। इसे लेकर सुप्रसिद्ध लेखक और चिंतक श्री धर्मपाल जी ने अपनी पुस्तक रमणीय वृक्ष में 18वीं शताब्दी के भारत की शिक्षा को लेकर लिखा है कि पहले हर गांव में पाठशाला, चार सौ लोगों पर एक विद्यालय और लाखों की संख्या में प्राथमिक विद्यालय थे। तब राजस्व के खर्च में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता दी जाती थी।

पाठशाला में ही बच्चों को भाषा, व्याकरण, गणित, अर्थशास्त्र, रामायण, महाभारत, गीता, पुराण आदि की शिक्षा से ज्ञान, विचार और व्यवहार का आरंभिक पौधा रौपा जाता था। उच्च शिक्षा में वेद, महाकाव्य, शास्त्र, संस्कृत, ज्योतिष, तर्क, आयुर्वेद तथा अन्य शिक्षा से विशेषज्ञता प्रदान की जाती थी। भारतीय शिक्षा पद्धति के स्थान पर लादी गई विदेशी शिक्षा पद्धति का भारत में विचित्र असर हुआ। साक्षरता समाप्त होने के साथ सामाजिक संतुलन का भी अंत हो गया।

इस विसंगति की शुरुआत मैकाले ने अपनी शिक्षा पद्धति को लागू करके की थी। मैकाले की शिक्षा पद्धति के उद्देश्य को ट्रेवेलियन ने 1853 की पार्लियामेंट कमेटी में प्रस्तुत किया है जिसे पंडित सुंदरलाल जी ने ''भारत में अंगरेजी राज'' पुस्तक में लिखा है- भारतवासियों को अंग्रेजी शिक्षा देना इस देश में अंग्रेजी साम्राज्य को चिर स्थाई बनाने के लिये जरूरी है। यही एक

मात्र उपाय है जिससे यहां के लोगों के मन में पाश्चात्य विचार पैदा कर दिये जाएं। इससे वे हमें अपना मित्र, मददगार, बलवान और उपकारी समझने लगेंगे। इस शिक्षा का ही परिणाम है कि विश्व में शिक्षा और समृद्धि में श्रेष्ठ भारत अशिक्षित होता चला गया।

इस बात को स्पष्ट करते हुए गांधी जी ने 'भारत का भविष्य' विषय पर अपने वक्तव्य में कहा था कि- अंग्रेजों ने योजनाबद्ध तरीके से परंपरागत भारतीय शिक्षा पद्धति को नष्ट करके भारत की साक्षरता का भी विनाश किया। इस तरह अशिक्षा बढ़ी, गरीबी बढ़ी और भारतीय मानस पराधीन होता चला गया। भारत आर्थिक रूप से गुलाम होने के साथ मानसिक रूप से भी गुलाम होता चला गया। जब मनुष्य मानसिक रूप से पराधीन हो जाता है तो उसे आत्मसम्मान का बोध नहीं रहता और वह शोषक के कार्य-व्यवहार को स्वीकार करने लगता है। भारत को मानसिक रूप से पराधीन करने की अंग्रेजों की यह साजिश शिक्षा पद्धति में बदलाव के साथ फलीभूत होती गयी।

इस तरह भारत को पराधीन करने के साथ मूल शिक्षा से वंचित कर दिया गया। लगभग 200 साल के संघर्ष के बाद स्वतंत्रता तो मिली लेकिन शिक्षा से आत्मनिर्भरता और समाज निर्माण की श्रृंखला टूट गयी। इसीलिए यह आवश्यक था कि शिक्षा पद्धति में भारतीय समाज, भारतीय मानस और वर्तमान आवश्यकता के अनुसार ज्ञान आधारित शिक्षा पद्धति का पुनर्निर्माण किया जाये। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शिक्षा की पूर्व में टूटी हुई कड़ी को जोड़ने का प्रयास है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस द्वारा मध्यप्रदेश में शिक्षा के पुनर्निर्माण हेतु प्रयास

मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस को बहुसंकायी बनाने एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के संचालन के लिये सात महाविद्यालयों में स्नातक स्तर पर नवीन संकाय तथा 55 महाविद्यालयों में स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर संस्कृत, बायो-टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस जैसे नवीन विषय शामिल किये गए हैं। साथ ही 55 महाविद्यालयों में पृथक-पृथक 27 विषयों में स्नातकोत्तर की कक्षाएं प्रारंभ की गई हैं।

प्रदेश में कुल 105 महाविद्यालयों में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के 6 सेक्टर स्किल काउंसिल के सहयोग से 8 एप्रेन्टिशिप एम्बेडेड (स्किल आधारित) स्नातक पाठ्यक्रम शुरू किये गये हैं। इनमें 55 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस तथा 50 अन्य महाविद्यालय भी सम्मिलित हैं। स्किल आधारित 8 पाठ्यक्रम बी. कॉम लॉजिस्टिक, बी. कॉम. ई-कॉम ऑपरेशन, बी. कॉम इन रिटेल ऑपरेशन, बी.कॉम. वी.एफ.एस. आई, बी.एससी इन हेल्थकेयर मैनेजमेंट, बी.एससी मार्केटिंग एण्ड सेल्स (फार्मा एण्ड मेड टेक), बी.एससी फार्मास्युटिकल मैन्युफैक्चरिंग एण्ड क्वालिटी और बी. कॉम ह्यूमन रिसोर्स, ऑपरेशन फॉर एम.ई.पी.एस.सी. शामिल किये गये हैं। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में आई.आई.टी. दिल्ली में एमओयू आधार पर आई.टी. के दो सर्टिफिकेट कोर्स (90 घंटे के ऑनलाइन) आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस तथा फिनटेक विथ एआई संचालित किए जायेंगे।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में एविएशन सेक्टर स्किल काउंसिल के माध्यम से तीन से चार माह के सात सर्टिफिकेट कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। इनमें एयरपोर्ट वेयरहाउस को-ऑर्डिनेटर, एयरपोर्ट सेफ्टी क्रू, एयरलाइन्स फ्लाइट लोड को-ऑर्डिनेटर, एयरलाइन कैबिन क्रू, फ्लाइट डिस्पेचर, एयरलाइन रिजर्वेशन एजेंट और एयरलाइन कस्टमर सर्विस एक्जीक्यूटिव शामिल हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आधार पर नवनिर्मित स्नातक पाठ्यक्रमों के आधार पर लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम से विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है।

महाविद्यालयों में "भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ" की स्थापना की जा रही है। इसमें समस्त विषयों की भारतीय ज्ञान परम्परा से संबंधित पुस्तकें, वेद, पुराण, उपनिषद आदि शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं आमजन के लिए उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके साथ ही भारतीय ज्ञान परम्परा से संबंधित वीडियो के प्रदर्शन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

सभी प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करते हुए उत्कृष्ट, गुणवत्तापरक और रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करने के समुचित प्रबंध किये गये हैं।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में खेलकूद, युवा उत्सव तथा शैक्षणेत्तर गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों की बहुमुखी प्रतिभा को विकसित करते हुए राष्ट्रीय स्तर की विविध प्रतियोगिताओं में सहभागिता के लिए विशेष रूप से प्रोत्साहन मिलेगा।

प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता और श्रेष्ठता के लिए किये जा रहे यह प्रयास उत्कृष्ट शिक्षा के क्षेत्र में होने वाले प्रयासों की दूसरी कड़ी है। इससे पूर्व मध्यप्रदेश ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को अमल में लाने के साथ ही प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा की हिन्दी में शुरुआत की थी। मध्यप्रदेश ने ही देश में पहली बार एम.बी.बी.एस. की शिक्षा को हिन्दी में संभव किया है। यह सुखद संयोग है कि चिकित्सा और तकनीकी शिक्षा को मातृभाषा में संभव करने वाले मध्यप्रदेश ने अब विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा के सभी क्षेत्रों को समग्र रूप से प्रदान करने का नवाचार किया है।

मध्यप्रदेश में शुरू किये गये 55 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा, भारतीय ज्ञान परम्परा, संस्कृति से परिचित कराने के साथ आत्मनिर्भर बनाने में सहयोगी होंगे। निश्चित ही यह महाविद्यालय प्रदेश को एक नई दिशा प्रदान करेंगे।

- हितेश शर्मा

(लेखक, समसामयिक विषयों पर लेखन करते हैं।)

स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड

(भारत सरकार का एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम)

सेल SAIL

Great Place To Work. Certified

गेट–2024 के माध्यम से सेल में 249 प्रबंधन प्रशिक्षुओं (तकनीकी) की भर्ती

सेल, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का एक **महारत्न उपक्रम** और एक उच्च प्रभाव राष्ट्र–निर्माता है, जिसने वित्त वर्ष 2023–24 में 01 लाख करोड़ रुपये से अधिक का वार्षिक कारोबार किया है। अपने इस्पात संयंत्रों/इकाइयों और खानों में महत्वपूर्ण अग्रणी पदों पर काम करने के लिए, सेल को भारत भर में अपने संयंत्रों/इकाइयों और खानों के संचालन के लिए विभिन्न इंजीनियरिंग विषयों में **ई–1** ग्रेड में 249 प्रबंधन प्रशिक्षु (तकनीकी) के रूप में शामिल होने के लिए युवा, ऊर्जावान, परिणामोन्मुख, होनहार तथा प्रतिभावान लोगों की आवश्यकता है।

पदों की संख्या (संभावित):

प्रबंधन प्रशिक्षु (तकनीकी) – एमटीटी: 249

इंजीनियरिंग विषय	संगत गेट परीक्षा	पदों की संख्या	इंजीनियरिंग विषय	संगत गेट परीक्षा	पदों की संख्या
केमिकल	सीएच	10	इलेक्ट्रोनिक्स	ईसी	05
सिविल	सीई	21	इन्स्ट्रूमेंटेशन	आईएन	11
कंप्यूटर	सीएस	09	मैकेनिकल	एमई	69
इलैक्ट्रिकल	ईई	61	मैटलर्जिकल	एमटी	63

आरक्षण:

अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व. (एनसीएल)/दिव्यांग/ईडब्ल्यूएस श्रेणियों के लिए पद राष्ट्रपति के निर्देशों के अनुसार होंगे और निम्नानुसार आरक्षित होंगे:

पद	अनारक्षित	अ.पि.व. एनसीएल	अ.जा.	अ.ज.जा.	ईडब्ल्यूएस
249	103	67	37	18	24

दिव्यांग व्यक्तियों के लिए क्षैतिज आधार पर सभी विषयों में 4% पद आरक्षित हैं।

पात्रता मापदंड:

अधिकतम आयु सीमा: 25.07.2024 के अनुसार 28 वर्ष, अर्थात् जिनका जन्म 25.07.1996 से पहले न हुआ हो।

आयु सीमा में छूट:

25.07.2024 (ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तारीख) के अनुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट:

अ.जा./ अ.ज.जा.	अ.पि.व. एनसीएल	दिव्यांग	विभागीय उम्मीदवार अधिकतम आयु सीमा
5 वर्ष	3 वर्ष	सामान्य वर्ग के लिए 10 वर्ष, अ.जा./अ.ज.जा. के लिए 15 वर्ष और अ.पि.व. (एनसीएल) के लिए 13 वर्ष	उम्मीदवारों की जाति/ श्रेणी पर ध्यान दिए बिना 45 वर्ष

न्यूनतम योग्यता: केमिकल, सिविल, कंप्यूटर, इलैक्ट्रिकल, इलेक्ट्रोनिक्स, इन्स्ट्रूमेंटेशन, मैकेनिकल, मैटलर्जिकल के आठ (8) इंजीनियरिंग विषयों में से किसी में 65% अंकों के साथ इंजीनियरिंग में डिग्री(संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा किसी वर्ष विशेष में दिए गए वैटेज पर ध्यान दिए बिना सभी सत्रों का औसत)।

सेल में प्रबंधन प्रशिक्षु (तकनीकी) के लिए आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवारों के पास नीचे यथा–प्रदत्त संबंधित विषयों के तहत आवेदन करने के लिए पात्र होने के लिए नीचे दिए गए संबंधित विषय में इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी की डिग्री होनी चाहिए:

विज्ञापित इंजीनियरिंग विषय	इंजीनियरिंग विषय जो पात्र है
मैकेनिकल	मैकेनिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल और ऑटोमेशन इंजीनियरिंग, उत्पादन और औद्योगिक इंजीनियरिंग, उत्पादन इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी, मैकेनिकल उत्पादन और टूल इंजीनियरिंग, औद्योगिक इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी, थर्मल इंजीनियरिंग, विनिर्माण प्रक्रिया और ऑटोमेशन, मैकेट्रोनिक्स, विनिर्माण इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी, विनिर्माण विज्ञान और इंजीनियरिंग, ऊर्जा इंजीनियरिंग, मशीन इंजीनियरिंग, मैकेट्रोनिक्स और ऑटोमेशन इंजीनियरिंग।
इलैक्ट्रिकल	इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रिकल मशीन, विद्युत प्रणाली और हाई वोल्टेज इंजीनियरिंग, विद्युत संयंत्र इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रोनिक्स और विद्युत इंजीनियरिंग, विद्युत इलैक्ट्रोनिक्स/इंजीनियरिंग, विद्युत इन्स्ट्रूमेंटेशन और नियंत्रण इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रिकल और इन्स्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रिकल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग, विद्युत इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रिकल और विद्युत इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रिकल और इलैक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग।
इन्स्ट्रूमेंटेशन	इलैक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रोनिक्स और इन्स्ट्रूमेंटेशन, इलैक्ट्रोनिक्स और संचार, इलैक्ट्रोनिक्स और दूरसंचार, इलैक्ट्रोनिक्स और नियंत्रण, औद्योगिक इलैक्ट्रोनिक्स, अपलाइड इलैक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी, इलैक्ट्रोनिक्स डिजाइन और प्रौद्योगिकी, मैकेट्रोनिक्स, इलेक्ट्रोनिक्स और इलैक्ट्रिकल, इलेक्ट्रोनिक्स और विद्युत, इलैक्ट्रोनिक्स संचार और इन्स्ट्रूमेंटशन, इंस्ट्रूमेंटशन इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी, इन्स्ट्रूमेंटेशन और नियंत्रण/इंजीनियरिंग, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन/ऑटोमेशन और रोबोटिक्स, संचार इंजीनियरिंग, नियंत्रण और इन्स्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग।
मैटलर्जिकल	मैटलर्जिकल इंजीनियरिंग, मटेरियल साइंसेज और इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी, औद्योगिक मैटलर्जी।
इलेक्ट्रोनिक्स	इलैक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रोनिक्स और इन्स्ट्रूमेंटेशन, इलैक्ट्रोनिक्स और संचार, इलैक्ट्रोनिक्स और दूरसंचार।
केमिकल	केमिकल इंजीनियरिंग/टेक्नोलॉजी, इलैक्ट्रो केमिकल इंजीनियरिंग।
सिविल	सिविल इंजीनियरिंग।
कंप्यूटर	कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर एप्लीकेशन में 3 साल की मास्टर डिग्री (एमसीए)।

अपेक्षित योग्यता केन्द्र/राज्य सरकार द्वारा स्थापित यूजीसी/एआईसीटीई आदि जैसी परिषदों/निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त/प्रत्यायित विश्वविद्यालयों/संस्थानों से प्राप्त की गई होनी चाहिए।

योग्यता में छूट: अपेक्षित विषय में 55% अंकों के साथ (सभी सत्रों का औसत) इंजीनियरिंग की डिग्री वाले अ.जा./अ.ज.जा./दिव्यांग तथा विभागीय उम्मीदवार आवेदन करने के लिए पात्र होंगे।

'क्रीमी लेयर' वाले अ.पि.व. उम्मीदवार, अन्य अ.पि.व. आरक्षण के पात्र नहीं हैं और ऐसे उम्मीदवारों को अपनी श्रेणी सामान्य दर्शानी होगी। अ.पि.व.(एनसीएल), और ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों के लिए साक्षात्कार के समय **01/04/2024** को या उसके बाद सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी केन्द्र सरकार के अधीन रोजगार हेतु यथा–लागू विहित प्रपत्र में अपेक्षित प्रमाण–पत्र [अ.पि.व.(एनसीएल) और ईडब्ल्यूएस–आय और संपत्ति प्रमाण–पत्र, प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। यह नोट किया जाए कि प्रबंधन प्रशिक्षुओं (तकनीकी) का पद 40% या उससे अधिक दिव्यांगता वाले अस्थि दिव्यांग उम्मीदवारों (ओए/ओल/ओएएल) और केवल बौनापन (डीडब्ल्यू) के लिए खुला है। पीडब्ल्यूडी उम्मीदवारों के लिए विहित प्रपत्र में सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी दिव्यांगता प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

ऑनलाइन आवेदन–पत्र में एक बार भरी गई श्रेणी (अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व.(एनसीएल) /ईडब्ल्यूएस/दिव्यांग) में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं होगी और बाद में अन्य श्रेणी का कोई लाभ स्वीकार्य नहीं होगा।

चिकित्सा मानक :

उम्मीदवारों को किसी शारीरिक दोष के बिना, शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। चिकित्सा मानकों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाएं वजन 45 कि.ग्रा.; लंबाई 155 से.मी. है; मायोपिया और हाइपरमेट्रोपिया, यदि कोई हों, प्रत्येक आंख में ± 4.00 से अधिक नहीं होना चाहिए और कोई भैंगापन या आंशिक अथवा पूर्ण कलर ब्लाइंडनेस नहीं होनी चाहिए। महिला उम्मीदवारों को ऊंचाई और भार में उपयुक्त छूट दी जाएगी। दिव्यांग व्यक्ति के मामले में केवल ओए/ओल/ओएल/डीडब्ल्यू दिव्यांगता वाले न्यूनतम 40% दिव्यांग अस्थि दिव्यांग उम्मीदवार ही आवेदन कर सकते हैं।

नोट: ऊपर दर्शाए गए चिकित्सा मानक न्यूनतम पूर्व–अपेक्षाएं हैं। तथापि, चयनित उम्मीदवारों की नियुक्ति सेल की चिकित्सा और स्वास्थ्य नियमावली पुस्तिका के अन्तर्गत निर्धारित मानकों के अनुसार कंपनी की चिकित्सा जांच में उनके उत्तीर्ण करने के अधीन होगी।

चयन प्रक्रिया:

सेल गेट 2024 के अंकों का उपयोग करके ऊपर यथा–उल्लिखित इंजीनियरिंग के आठ विषयों में प्रबंधन प्रशिक्षुओं (तकनीकी) की भर्ती करेगा। इसके लिए, सेल गेट 2024 की आठ इंजीनियरिंग परीक्षाओं अर्थात् मैकेनिकल (एमई), मैटलर्जिकल (एमटी), इलैक्ट्रिकल (ईई), इलेक्ट्रोनिक्स (ईसी) इनस्ट्रूमेंटेशन (आईएन), केमिकल (सीएच), सिविल (सीई), कंप्यूटर (सीएस) में प्राप्त अंकों का उपयोग करेगा। ग्रेजुएट एप्टीट्युट टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) 2024 परीक्षा में भाग लेने वाले उम्मीदवार आवेदन के लिए पात्र हैं।

सेल के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को संबंधित GATE 2024 परीक्षा पेपर में उनके प्रदर्शन और कंपनी की आवश्यकता के आधार पर शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। समूह चर्चा और साक्षात्कार के लिए उपस्थित होने के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को सेल की करियर पेज वेबसाइट/ईमेल/फोन नंबर के माध्यम से सूचित किया जाएगा। अंतिम चयन के लिए, GATE–2024, जीडी और साक्षात्कार के अंकों/अंकों को 75:10:15 के वेटेज के साथ उसी क्रम में मिलाकर मेरिट सूची तैयार की जाएगी।

गेट 2024 निर्देश:

कंपनी प्रबंधन प्रशिक्षु (तकनीकी) के रूप में भर्ती हेतु मैकेनिकल (एमई), मैटलर्जिकल(एमटी), इलैक्ट्रिकल (ईई), इलेक्ट्रोनिक्स (ईसी) इनस्ट्रूमेंटेशन (आईएन), केमिकल (सीएच), सिविल(सीई), कंप्यूटर (सीएस) की आठ इंजीनियरिंग विषय परीक्षाओं में गेट 2024 में भाग लेने वाले उम्मीदवारों पर विचार करने का प्रस्ताव करती है।

अन्य इंजीनियरिंग विषयों की गेट परीक्षा में भाग लेने वाले उम्मीदवारों (उनके पात्रता इंजीनियरिंग विषय से इतर) पर आगे की चयन प्रक्रिया में विचार नहीं किया जाएगा। उदाहरण के लिए यदि कोई उम्मीदवार केमिकल इंजीनियरिंग में बीई/बी.टेक की डिग्री रखता है और उसने गेट 2024 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग की परीक्षा में भाग लिया है तो आगे के चयन के लिए उसकी उम्मीदवारी पर विचार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों को सेल में आवेदन करने के लिए उनकी गेट 2024 पंजीकरण संख्या की आवश्यकता होगी। यह पंजीकरण संख्या गेट 2024 प्रवेश–पत्र में उल्लिखित है। सेल में आवेदन करते समय किसी अन्य संख्या (उदाहरण के लिए गेट 2024 आवेदन/ऑनलाइन फार्म सं. आदि) को दर्ज नहीं किया जाना चाहिए।

सेल एमटीटी के लिए आवेदन करने हेतु लिंक **www.sail.co.in or www.sailcareers.com** में नीचे उल्लिखित तारीखों के अनुसार उपलब्ध होगा। यदि किसी उम्मीदवार को आगे की चयन प्रक्रिया हेतु बुलाया जाता है तो उसकी पहचान गेट 2024 प्रवेश–पत्र और गेट 2024 आधिकारिक स्कोर कार्ड से सत्यापित की जाएगी। सेल केवल गेट–2024 के अंकों पर विचार करेगा। गेट–2023 या उसके पहले के अंकों पर विचार नहीं किया जाएगा। अतः उम्मीदवारों को सेल हेतु आवेदन करते समय बिल्कुल सही गेट 2024 पंजीकरण संख्या प्रदान करनी चाहिए।

समूह चर्चा और साक्षात्कार:

गेट–2024 परीक्षा में पात्र उम्मीदवारों में से प्रत्येक विषय के लिए मैरिट के क्रम में श्रेणीवार 1:12 के अनुपात में समूह चर्चा (जीडी) और साक्षात्कार के लिए उम्मीदवारों को चुना जाएगा। जीडी और साक्षात्कार अल्पकालिक सूचना पर आयोजित हो सकते हैं, जिनके लिए बुलावा–पत्र सेल की वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे और उम्मीदवारों को उनके ई–मेल के माध्यम से भी सूचित किया जाएगा। इस प्रयोजनार्थ, उम्मीदवारों को कोई अन्य पत्र नहीं भेजा जाएगा।

यदि दो या उससे अधिक उम्मीदवार अंतिम मैरिट सूची में समान कट–ऑफ बिंदु पर आते हैं तो लिखित परीक्षा में अधिक अंक लाने वाले उम्मीदवार को ऑफर लैटर जारी किया जाएगा। यदि लिखित परीक्षा के अंक भी बराबर होते हैं तो पात्रता योग्यता अर्थात् बीई/बी–टेक डिग्री में उच्चतर अंकों वाले उम्मीदवार का चयन किया जाएगा।

जीडी/साक्षात्कार कॉल के लिए पात्र होने के लिए, उम्मीदवार को यूआर/ईडब्ल्यूएस पदों के लिए न्यूनतम 50 परसेंटाइल स्कोर और एससी/एसटी/ओबीसी (एनसीएल)/पीडब्ल्यूबीडी के लिए 40 परसेंटाइल स्कोर प्राप्त करके पद के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के बीच संबंधित अनुशासन में अर्हता प्राप्त करनी होगी।

बायोमैट्रिक उपस्थिति प्रणाली:

सेल, विभिन्न चरणों में, बायोमेट्रिक सत्यापन के लिए डिजिटल प्रारूप में उम्मीदवारों की फोटो/अंगूठे का निशान ले सकता है। उम्मीदवार यह सुनिश्चित करेगा कि सही धारणा प्राप्त की गई है और किसी भी विसंगति के कारण उम्मीदवारी अस्वीकार कर दी जाएगी। यदि कोई अभ्यर्थी असली नहीं पाया गया तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के अलावा उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी। ऐसे में उन्हें सलाह दी जाती है कि वे अपने हाथों पर कोई भी बाहरी पदार्थ जैसे मेहंदी, स्याही, रसायन आदि न लगाएं।

(शेष अगले पृष्ठ पर)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

प्रशिक्षण और परिवीक्षा:

प्रबंधन प्रशिक्षुओं (तकनीकी) के रूप में चयनित उम्मीदवारों को एक वर्ष के लिए प्रशिक्षण में रखा जाएगा। प्रबंधन प्रशिक्षुओं (तकनीकी) को प्रशिक्षु अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अंतर्गत प्रशिक्षु के रूप में दर्ज किया जाएगा। प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उम्मीदवार को एक वर्ष के लिए परिवीक्षा के अधीन रखा जाएगा।

परिलब्धियां:

प्रबंधन प्रशिक्षुओं (तकनीकी) को 50000–1,60000/– रु. के वेतनमान में 50,000/– रु. प्रति माह का मूल वेतन दिया जाएगा। एक वर्ष का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर प्रबंधन प्रशिक्षुओं (तकनीकी) को सहायक प्रबंधक के रूप में पदनामित किया जाएगा और 60,000–1,80,000/– रु. के वेतनमान में रखा जाएगा।

मूल वेतन के अलावा, प्रबंधन प्रशिक्षुओं (तकनीकी) को महंगाई भत्ते का भुगतान भी किया जाएगा। वे कैफेटेरिया नीति और कंपनी के नियमों के अनुसार पीएफ, ग्रेच्युटी और अन्य भत्तों के हकदार होंगे। इसके अलावा, कंपनी अपने नियमों के अनुसार छुट्टी नकदीकरण, आवास/एचआरए और स्वयं और आश्रितों के लिए निःशुल्क चिकित्सा सुविधा जैसे लाभ प्रदान करती है। सीटीसी, ई–1 के न्यूनतम ग्रेड पर लगभग 16–17 लाख रु. प्रति वर्ष होगा (पीआरपी, स्थान आधारित भत्तों आदि को छोड़कर)। आरंभिक मूल वेतन पर सीधी भर्ती होने से कंपनी पूर्ववर्ती रोजगार, यदि कोई हो, के वेतन/छुट्टी वेतन/पेंशन अंशदान आदि के लिए किसी देयता का वहन नहीं करेगी।

तैनाती:

चयन होने पर उम्मीदवार को कंपनी के किसी संयंत्र/इकाई/खदान के स्थान पर तैनात किया जा सकता है। उम्मीदवार को सेवा के आरंभिक चार वर्षों के लिए कंपनी के किसी अन्य संयंत्र/इकाई/खदान स्थान में स्थानांतरण के लिए मांग/आवेदन करने की अनुमति नहीं होगी। विभागीय उम्मीदवारों के लिए यह प्रतिबंध आरंभिक दो वर्षों के लिए होगा।

सेल एमटीटी के लिए आवेदन कैसे करें:

पात्र और इच्छुक उम्मीदवारों को सेल की वेबसाइट **www.sail.co.in** पर सेल के कैरियर पेज के माध्यम से केवल ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य है। **आवेदन का कोई अन्य साधन/पद्धति स्वीकार नहीं की जाएगी।** आवेदन से पहले उम्मीदवारों को सुनिश्चित करना चाहिए कि वे सभी पात्रता मानकों को पूरा करते हैं। सेल में उनका पंजीकरण अनंतिम होगा क्योंकि उनकी पात्रता को केवल साक्षात्कार के समय सत्यापित किया जाएगा। केवल प्रवेश–पत्र/साक्षात्कार बुलावा–पत्र जारी होने का अर्थ उम्मीदवारी की स्वीकृति नहीं होगा। यदि उम्मीदवार द्वारा प्रदत्त कोई सूचना किसी स्तर पर गलत या पात्रता मापदंडों के अनुपालन में नहीं पाई जाती है तो पंजीकृत उम्मीदवार की उम्मीदवारी को भर्ती प्रक्रिया के किसी स्तर या कार्य–ग्रहण करने पर भी रद्द किया जा सकता है।

वेबसाइट पर अपना आवेदन दर्ज करने से पहले उम्मीदवार के पास निम्नलिखित होने चाहिए:

क) वैध **ई–मेल आईडी** और **मोबाईल नंबर,** जो कम से कम एक वर्ष तक वैध रहने चाहिए।

ख) गेट–2024 की पंजीकरण संख्या।

ग) उम्मीदवार के पास नवीनतम पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ (केवल 50 केबी तक जेपीजी या जेपीईजी फाइल) और डिजिटल रूप में हस्ताक्षर का फोटोग्राफ (केवल 20 केबी तक जेपीजी या जेपीईजी फाइल) आवेदन–पत्र के साथ अपलोड करने के लिए होने चाहिए।

घ) सामान्य, अ.पि.व. (एनसीएल)/ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों के लिए 700/–रु. का आवेदन शुल्क (प्रक्रिया शुल्क सहित) या अ.जा./अ.ज.जा./दिव्यांग/विभागीय उम्मीदवारों के लिए प्रक्रिया शुल्क के रूप में 200/– रु. के भुगतान का प्रावधान है। उम्मीदवार नेट–बैंकिंग/क्रेडिट कार्ड/एटीएम–सह–डेबिट कार्ड के जरिए ऑनलाइन या सिस्टम जनरेटेड चालान फॉर्म बनवाकर बैंक के माध्यम से आवेदन शुल्क का भुगतान कर सकते हैं। उम्मीदवारों को लागू आवेदन–शुल्क/प्रक्रिया प्रभार के अलावा बैंक प्रभारों का भी वहन करना होगा।

ङ) ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करते समय उम्मीदवार को निम्नलिखित पर ध्यान देना चाहिए:

i) आवेदन के समय सेल पात्रता और अन्य पहलुओं के लिए आवेदनों की विस्तृत जांच नहीं करेगा और इसलिए उम्मीदवारी केवल प्रोविजनल रूप से स्वीकृत है।

ii) उम्मीदवारों को आवेदन ऑनलाइन प्रस्तुत करने के लिए अनुदेशों को सावधानीपूर्वक पढ़ना चाहिए, जो वेबसाइट पर ही उपलब्ध होंगे।

iii) उम्मीदवार को मैट्रिकुलेशन प्रमाण–पत्र या समकक्ष परीक्षा में दिए गए नाम के अनुसार ही अपना नाम दर्ज करना चाहिए।

iv) ऑनलाइन आवेदन में एक बार दी गई श्रेणी (सामान्य/अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व. (एनसीएल) / ईडब्लयूएस/दिव्यांग/ईएसएम) को बदला नहीं जा सकता है और तत्पश्चात् किसी अन्य श्रेणी का कोई लाभ स्वीकार्य नहीं होगा। उम्मीदवार के पास श्रेणी का वैध प्रमाण–पत्र अनिवार्य है।

v) जहां सीजीपीए/ओजीपीए या लैटर ग्रेड में डिग्री दी जाती है: वहां विश्वविद्यालय/संस्थान द्वारा अपनाए गए मानकों के अनुसार ऑनलाइन आवेदन–पत्र में समकक्ष प्रतिशत अंक दर्शाए जाने चाहिएं। जहां कोई मानक विर्निदिष्ट नहीं हों, वहां सीजीपीए/ओजीपीए को 10 अंकीय स्तर पर दिया गया माना जाएगा। उम्मीदवारों को जीडी/साक्षात्कार के समय उनके विश्वविद्यालय/संस्थान के संबंध में इन मानकों की एक प्रति प्रस्तुत करनी होगी।

vi) जीडी/साक्षात्कार में उपस्थित होने वाले चयनित उम्मीदवारों को जीडी/साक्षात्कार के समय यथा–लागू जन्म तिथि, जाति/श्रेणी, योग्यता अनुभव, पीडब्ल्यूडी/ईएसएम स्थिति, स्थिति के संबंध में मूल प्रमाण–पत्र/दस्तावेज, पंजीकरण पर्ची, आवेदन शुल्क की ई–रिसिप्ट, वर्तमान एम्प्लायर से एनओसी आदि प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

च) आवेदन–पत्र जमा करने की प्रक्रिया:

i) आवेदन को केवल सेल की वेबसाइट **www.sail.co.in** में 'कैरियर पेज' या **www.sailcareers.com** के जरिए ऑनलाइन जमा करें।

ii) अपनी पात्रता के बारे में सुनिश्चित होने के लिए विज्ञापन को सावधानी पूर्वक पढ़ें।

iii) साइट पर उपलब्ध यूजर मैनुअल को पढ़ें और उसमें उल्लिखित चरणों का पालन करें।

iv) 'लॉगिन' पर क्लिक करें।

v) यदि पहले से पंजीकृत हैं, तो रजिस्टर्ड यूजर पर क्लिक करें और यूजर आईडी तथा पासवर्ड द्वारा आगे बढ़ें।

vi) "न्यू यूजर" को वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) पहले पूरा करना होगा और उसके बाद 'रजिस्टर्ड यूजर' पर क्लिक करके और यूजर आईडी तथा पासवर्ड के प्रयोग द्वारा आगे की प्रक्रिया करनी होगी।

vii) अपेक्षित सूचना तथा अपेक्षित दस्तावेज को अपलोड करें और ऑनलाइन या चालान के जरिए बैंक में भुगतान करके आवेदन जमा करने की प्रक्रिया को चरणबद्ध ढंग से पूरा करें।

viii) भुगतान की पुष्टि होने के बाद आपकी रजिस्ट्रेशन स्लिप भुगतान की स्थिति को 'कन्फर्मड दर्शाएगी और यह पंजीकरण प्रक्रिया पूरी होने की पुष्टि है। भुगतान की पुष्टि के बिना पंजीकरण पूरा नहीं होगा।

ix) सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद आवेदन जमा करें और यूनीक रजिस्ट्रेशन आईडी वाले पूर्ण आवेदन का प्रिंट आउट लें। सिस्टम जनरेटेड प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन स्लिप डाउनलोड करना सुनिश्चित करें।

x) गलत सब्मीशन के मामले में आवेदन के ब्यौरे में सुधार करने के किसी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा और उम्मीदवारी रद्द हो जाएगी।

ऑनलाइन आवेदन के बाद, उम्मीदवार को यूनीक रजिस्ट्रेशन आईडी/संख्या सहित सिस्टम जनरेटेड पंजीकरण स्लिप/आवेदन–पत्र को डाउनलोड करना आवश्यक है।

नोट: ऑनलाइन आवेदन जमा करते समय उम्मीदवार को सभी चरणों का सावधानीपूर्वक पालन करना चाहिए। अधूरा आवेदन, फोटोग्राफ और हस्ताक्षर के बिना आवेदन/आवेदन शुल्क के बिना आवेदन/पात्रता मापदंडों को पूरा नहीं करने वाला आवेदन तत्काल अस्वीकृत कर दिया जाएगा। इस संबंध में आवेदक से किसी पत्राचार पर विचार नहीं किया जाएगा। पात्रता, आवेदन की स्वीकृति, अस्वीकृति, बुलावा–पत्र जारी करने से संबंधित सभी मामलों में सेल का निर्णय अंतिम और सभी उम्मीदवारों पर बाध्यकारी होगा और इस संबंध में पूछताछ या पत्राचार नहीं किया जाएगा।

छ) महत्वपूर्ण: उम्मीदवारों के साथ समस्त पत्राचार केवल ईमेल/एसएमएस/सेल की कैरियर वेबसाइट के माध्यम से किया जाएगा। जीडी/इंटरव्यू और बुलावा–पत्र आदि के लिए चयन संबंधि समस्त सूचना ईमेल/एसएमएस/सेल की वेबसाइट पर अपलोडिंग के माध्यम से प्रदान की जाएगी। चुने गए उम्मीदवार सेल की वेबसाइट पर उपलब्ध होने पर बुलावा–पत्र को डाउनलोड कर पाएंगे। सेल उम्मीदवार द्वारा प्रदत्त अवैध या गलत ईमेल आईडी/मोबाइल नंबर के कारण भेजे गए ईमेल/एसएमएस के प्राप्त नहीं होने या सूचना की प्राप्ति में देरी या प्राप्त नहीं होने के लिए नेटवर्क संबंधित किसी समस्या के कारण यदि कोई उम्मीदवार समय पर अपने ईमेल/मोबाइल को देखने में विफल रहता है/रहती है, के लिए सेल उत्तरदायी नहीं होगा। चुने गए उम्मीदवारों को केवल तभी जीडी/इंटरव्यू में उपस्थित होने की अनुमति होगी, यदि उनके पास वैध बुलावा–पत्र होगा। बुलावा–पत्र प्राप्त करने, डाउनलोड और मुद्रण करने तथा इससे समबधित किसी अन्य सूचना का उत्तरदायित्व उम्मीदवार का होगा।

ज) सामान्य:

i) केवल भारतीय नागरिक आवेदन करने के लिए पात्र हैं।

ii) सेल में नियमित आधार पर रोजगार की न्यूनतम आयु 18 वर्ष है।

iii) यूजीसी/एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित/मान्यता प्राप्त संस्थानों/विश्वविद्यालयों से डिग्री कोर्स करने वाले उम्मीदवार ही आवेदन करने के पात्र होंगे।

iv) केंद्रीय/राज्य सरकार द्वारा स्थापित परिषदों/निकायों जैसे यूजीसी/एआईसीटीई आदि द्वारा मान्यता प्राप्त/मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों/संस्थानों से योग्यता डिग्री पाठ्यक्रम प्राप्त करने वाले विभागीय उम्मीदवार और जो प्रासंगिक गेट पेपर में बैठने के लिए पात्र हैं, सेल एमटीटी के लिए आवेदन कर सकते हैं। विभागीय उम्मीदवारों का अर्थ ऐसे उम्मीदवार हैं जो स्थायी कर्मचारियों के रूप में वर्तमान में सेल में कार्यरत हैं और सेल कर्मचारियों के आश्रित नहीं हैं।

v) आवेदन करते समय उम्मीदवारों को अपना पूर्ण नाम दर्ज करना चाहिए, जैसा मैट्रिकुलेशन प्रमाण–पत्र में दर्ज है।

vi) जहां सीजीपीए/ओजीपीए या लैटर ग्रेड में डिग्री दी जाती है: वहां विश्वविद्यालय/संस्थान द्वारा अपनाए गए मानकों के अनुसार ऑनलाइन आवेदन–पत्र में समकक्ष प्रतिशत अंक दर्शाए जाने चाहिएं। जहां कोई मानक विर्निदिष्ट नहीं हों, वहां सीजीपीए/ओजीपीए को 10 अंकीय स्तर पर दिया गया माना जाएगा। उम्मीदवारों को साक्षात्कार के समय उनके विश्वविद्यालय/संस्थान के संबंध में इन परिवर्तन मानकों/मान नहीं होने की एक प्रति प्रस्तुत करनी होगी।

vii) सरकारी विभागों/पीएसयू/स्वायत्त निकायों में नियोजित उम्मीदवारों के लिए साक्षात्कार के समय एनओसी प्रस्तुत करना आवश्यक है। चयन की स्थिति में उम्मीदवारों के लिए नियुक्ति लेते समय नियोजक से उचित कार्य–मुक्ति प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना होगा।

viii) अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व.(एनसीएल)/ईडब्ल्यूएस/दिव्यांग प्रमाण–पत्र सेल की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रपत्र के अनुसार और केन्द्र सरकार में रोजगार के लिए यथा–लागू रूप में होना चाहिए। यदि प्रमाण–पत्र अंग्रेजी/हिंदी के अलावा किसी अन्य भाषा में जारी है तो उम्मीदवार के लिए अंग्रेजी या हिंदी में उसकी एक स्व–प्रमाणित अनुवादित प्रति प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा।

ix) उम्मीदवार किसी पूछताछ के लिए सेल की वेबसाइट पर एफएक्यू सैक्शन को देख सकते हैं।

x) उम्मीदवारों को गेट 2024 प्रवेश–पत्र की उनकी प्रति अपने पास रखनी चाहिए, इसके अतिरिक्त गेट 2024 की पंजीकरण संख्या, गेट का स्कोर कार्ड और सेल की प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन स्लिप रखनी चाहिए क्योंकि भावी संदर्भ के लिए उन्हें प्रस्तुत करने के लिए कहा जा सकता है।

xi) विज्ञापित पद संख्या संभावित है। सेल आवश्यकता पड़ने पर कोई अतिरिक्त सूचना जारी किए बिना या कोई कारण बताए बिना विज्ञापित पदों को रद्द/ प्रतिबंधित/ विस्तृत/ संशोधित/बदलाव करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

xii) उम्मीदवार का चयन/कार्य–ग्रहण कंपनी के नियमों के अनुसार चिकित्सा फिटनेस के अधीन होगा।

xiii) इस विज्ञापन के तहत आवेदन करने वाले उम्मीदवारों पर सेल की किसी सहायक कंपनी/संयुक्त उद्यम कंपनियों द्वारा नियुक्ति हेतु विचार किया जा सकता है। ऐसे मामले में उनकी नियुक्ति संबंधि सहायक/संयुक्त कंपनी के नियमों और शर्तों के अनुसार की जाएगी।

xiv) **कदाचार के दोषी पाए गए उम्मीदवारों के विरुद्ध कार्यवाही:** उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे ऐसे कोई विवरण प्रस्तुत न करें जो गलत/त्रुटिपूर्ण/मनगढ़ंत हों और उन्हें आवेदन–पत्र को भरते समय किसी वास्तविक सूचना को छिपाना नहीं चाहिए।

xv) यदि भर्ती के किसी स्तर पर यह पता चलता है कि उम्मीदवार पात्रता मानकों को पूरा नहीं करता/करती है और/या उसने गलत सूचना प्रस्तुत की है या किसी वास्तविक तथ्य (यों) को छिपाया है तो उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी। यदि नियुक्ति के बाद भी इनमें से कोई कमी पाई जाती है तो उसकी सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं।

xvi) अधिकतम आयु सीमा/योग्यता/श्रेणी के संदर्भ में उम्मीदवार की पात्रता पर विज्ञापन में यथा–उल्लिखित ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि के अनुसार विचार किया जाएगा।

xvii) पात्रता, अन्य परीक्षाओं और चयन से संबंधित सभी मामलों में सेल का निर्णय अन्तिम और सभी उम्मीदवारों पर बाध्यकारी होगा। इस संबंध में किसी अभ्यावेदन या पत्राचार को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

xviii) इस प्रक्रिया से संबंधित सभी आगामी घोषणाएं/ब्यौरे समय–समय पर केवल सेल की कैरियर वेबसाइट **www.sail.co.in** या **www.sailcareers.com** पर प्रकाशित/अधिसूचित किए जाएंगे। पारदर्शिता/विषय–वार तथा श्रेणी–वार कट–ऑफ अंक जारी अंतिम सूची की घोषणा के एक माह के बाद प्रकाशित किए जाएंगे।

xix) किसी विवाद के लिए न्यायालय का क्षेत्र दिल्ली होगा।

महत्वपूर्ण तारीखें (अनन्तिम) :

गेट 2024 के माध्यम से सेल एमटीटी हेतु ऑनलाइन पंजीकरण का आरंभ	05.07.2024
गेट 2024 के माध्यम से सेल एमटीटी हेतु ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि	25.07.2024

***किसी भी विसंगति के मामले में विज्ञापन का अंग्रेजी संस्करण विज्ञापन के हिंदी संस्करण पर मान्य होगा।**

स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड
STEEL AUTHORITY OF INDIA LIMITED
हर किसी की ज़िन्दगी से जुड़ा हुआ है सेल

कार्यालय नगर पालिक निगम, इन्दौर

क्रमांक: 1954 **विज्ञापन** दिनांक: 19/07/2024

माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर की W.P. No. याचिका क्रमांक 7275/2019 में पारित आदेश दिनांक 30.01.2024, म.प्र.शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-19/2019/आ.प्र./1 दिनांक 14.02.2024, म.प्र. शासन, नगरीय विकास एवं आवास विभाग के पत्र क्रमांक/676/16017123/2023/18-1 दिनांक 16.02.2023, संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास, म.प्र., भोपाल के पत्र क्रमांक/स्था/एक/201/प्र.शि./2024/3780 भोपाल दिनांक 26.02.2024 तथा मध्यप्रदेश सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन, के पत्र क्रमांक एफ 8-2/2013/आ.प्र./एक, भोपाल दिनांक 04.01.2024 एवं प्रमुख सचिव, म.प्र. शासन, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, भोपाल के पत्र क्रमांक/2461/1607123/2023/18-1 भोपाल दिनांक 15 जुलाई, 2024 तथा अन्य पत्रों में दिये गये निर्देशानुसार विशेष भर्ती अभियान के तहत दिव्यांगजनों के लिए निम्नानुसार नियमित एवं संविदा के आरक्षित पद/पदों की पूर्ति वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से की जाना है। इस हेतु निर्धारित योग्यता एवं आर्हता रखने वाले अभ्यार्थी नीचे दर्शाये गये निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र भर कर **दिनांक 22 जुलाई 2024 से 05 अगस्त 2024 तक कार्यालयीन समय प्रात: 10:30 से 5:30 सांयकाल** तक आवेदन-पत्र प्रेषित करें। निर्धारित समयावधि में आवेदन पत्र प्राप्त न होने की स्थिति में उन पर विचार नहीं किया जायेगा। डाक के माध्यम से विलंब से प्राप्त आवेदन पत्र के लिए नगर निगम, इंदौर उत्तरदायी नहीं होगा। दिव्यांजनों हेतु आरक्षित रिक्त पदों का विवरण, वेतनमान, निर्धारित योग्यता की जानकारी निम्नानुसार है:-

क्र.	पद का नाम	पद की श्रेणी	वेतनमान	दिव्यांगजनों की लिए आरक्षित वर्गवार रिक्तियां				निर्धारित योग्यता
				दृष्टि बाधित और कम दृष्टि	बहरे और कम सुन ने वाले	लोकोमोटर डिसेबिलिटी जिसमें सम्मिलित है, सेरेब्रल पाल्सी, कुष्ठ रोग मुक्त, बौनापन, एसिड अटेक पीडित, मस्कुलर डिस्ट्राफी	ऑटिज्म, बौद्धिक दिव्यांगता, स्पेसिफिक लनग डिसेबिलिटी और मानसिक बीगारी और बहुविकलांगता	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	सहायक ग्रेड-3	तृतीय श्रेणी	5200-20200+1900 Grade Pay	3	3	3	3	12वी कक्षा उत्तीर्ण तथा टंकण कार्य एवं (CPCT) कम्प्यूटर प्रचालन में सामान्य प्रशासन विभाग म.प्र. शासन द्वारा निर्धारित योग्यता
2	लीडिंग फॉयरमेन	तृतीय श्रेणी	5200-20200+2800 Grade Pay	-	-	1	1	12वी कक्षा उत्तीर्ण तथा अग्निशमन में पत्रोपाधि
3	फॉयरमेन	तृतीय श्रेणी	5200-20200+2100 Grade Pay	1	1	2	1	12वी कक्षा उत्तीर्ण तथा मान्यता प्राप्त संस्थान से अग्निशमन डिप्लोमा कोर्स या समतुल्य
4	उपयंत्री	तृतीय श्रेणी	9300-34800+3200 Grade Pay	1	3	-	3	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल/मैकेनिकल/ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में 03 वर्षीय डिप्लोमा
5	समयपाल	तृतीय श्रेणी	5200-20200+1900 Grade Pay	1	1	1	2	12वी कक्षा उत्तीर्ण एवं सिविल इंजीनियरिंग में आई.टी.आई.
6	माली प्रशिक्षित	तृतीय श्रेणी	5200-20200+1900 Grade Pay	1	-	-	1	8वी उत्तीर्ण तथा मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण अथवा पांच वर्ष का अनुभव
7	सहायक राजस्व निरीक्षक	तृतीय श्रेणी	5200-20200+1900 Grade Pay	2	3	4	3	12वी उत्तीर्ण तथा कम्प्यूटर प्रचालन की दक्षता
8	केशियर/ सहायक लेखापाल	तृतीय श्रेणी	5200-20200+2400 Grade Pay	-	-	-	1	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कॉमर्स विषय में स्नातक। कम्प्यूटर प्रचालन का ज्ञान
9	उपस्वच्छता पर्यवेक्षक	तृतीय श्रेणी	5200-20200+1900 Grade Pay	2	3	2	1	12 वी कक्षा उत्तीर्ण
10	सफाई संरक्षक	चतुर्थ श्रेणी	4440-7440+1300 Grade Pay	19	19	19	20	पांचवी कक्षा उत्तीर्ण
11	सहायक अतिक्रमण अधिकारी	तृतीय श्रेणी	9300-34800+3200 Grade Pay	-	-	1	-	मान्यता प्राप्त संस्थान से नगर नियोजन में उपाधि
12	सहायक सामुदायिक अधिकारी	तृतीय श्रेणी	9300-34800+3200 Grade Pay	1	-	-	-	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि एवं समाज शास्त्र में एम.ए. अथवा सामाजिक कार्य में स्नातकोत्तर उपाधि
13	लीडिंग फॉयरमेन (संविदा)	संविदा	वेतन कलेक्टर दर अनुसार	1	2	1	1	12वी कक्षा उत्तीर्ण तथा अग्निशमन में पत्रोपाधि
14	फॉयरमेन (संविदा)	संविदा	वेतन कलेक्टर दर अनुसार	1	5	2	2	12वी कक्षा उत्तीर्ण तथा मान्यता प्राप्त संस्थान से अग्निशमन डिप्लोमा कोर्स या समतुल्य
15	ड्रायवर (संविदा) (हल्के वाहन 'ख' श्रेणी)	संविदा	वेतन कलेक्टर दर अनुसार	1	-	-	-	10वी कक्षा उत्तीर्ण तथा हेवी व्हीकल/लाईट मोटर व्हीकल चलाने की अनुज्ञप्ति धारक हो
16	सफाई संरक्षक (संविदा)	संविदा	वेतन कलेक्टर दर अनुसार	39	40	39	39	पांचवी कक्षा उत्तीर्ण
17	**कुल योग**	**306**		**73**	**80**	**75**	**78**	

मुख्य शर्तें:- (1) आवेदक को मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है। (2) समस्त प्रमाण-पत्रों को सक्षम अधिकारी अथवा स्वयं सत्यापित करने उपरांत प्रमाण पत्रों की प्रति संलग्न प्रेषित की जावें। (3) मध्य प्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय के परिपत्र क्रमांक सी 3-38/16/1/3 भोपाल, दिनांक 04 जुलाई 2019 अनुसार अभ्यार्थी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष, आरक्षित वर्ग-अनु.जा., अनु.जनजाति, अन्य पिछडा वर्ग, शासकीय/ निगम/ मण्डल/ स्वाशासी संस्था के कर्मचारियों/नगर सैनिक/नि:शक्तजन/महिलाओं (अनारक्षित/आरक्षित) आदि के लिए 18 से 45 (अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट) होगी। (4) मध्य प्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश क्रमांक सी-3-8/2016/3-एक भोपाल दिनांक 12 मई 2017 एवं परिपत्र क्रमांक सी 3-38/16/1/3 भोपाल, दिनांक 04 जुलाई 2019 के अनुसार आवेदक का मध्य प्रदेश राज्य के रोजगार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है। (5) आवेदक को वॉक-इन-इंटरव्यू/साक्षात्कार के समय सभी प्रमाण पत्रों की मूल प्रति साथ लाना अनिवार्य है। (6) नि:शक्तता का डिजिटल प्रमाण पत्र संबंधित जिले के शासकीय जिला चिकित्सालय के मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी किया गया ही मान्य होगा। (7) डिजिटल जाति मूल निवासी प्रमाण-पत्र/ जाति प्रमाण-पत्र एवं सक्षम अधिकारी द्वारा जारी किया ही मान्य होगा। (8) वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए आने वाले आवेदकों को किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा। (9) अधूरे, अस्पष्ट एवं अपठनीय आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा। (10) भर्ती से संबंधित जानकारी एवं शर्ते कार्यालयीन समय में निगम/निकाय से प्राप्त की जा सकती है। (11) यह कि जिस आवेदक का विवाह निर्धारित न्यूनतम आयु (पुरूष वर्ग के लिए 21 वर्ष एवं महिला वर्ग के लिए 18 वर्ष) के पूर्व हो गया हो उसे उक्त पदों के लिए आयोग्य माना जायेगा। (12) यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी स्वयं आवेदक की होगी कि वह आवेदित पद के लिये निर्धारित समस्त आर्हताओं और शर्तों को आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि पूर्ण करता है। (13) आवेदन-पत्र में कोई जानकारी अपूर्ण, असत्य या त्रुटिपूर्ण पायी जाती है अथवा वांछित प्रमाण-पत्र संलग्न नही किया जाता है, तो उसके आधार पर आवेदक को पूर्व सूचना दिये बिना उसका आवेदन पत्र किसी भी स्तर पर निरस्त किया जा सकता है। (14) सीधी/बैकालॉग के पदों पर आवेदक राष्ट्रीय पेंशन योजना, 2005 अंतर्गत नियुक्ति होगें। (15) मध्य प्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र दिनांक 30.06.2014 के अनुसार वर्गवार आरक्षण न करते हुए दिव्यांगजनों की श्रेणी के आधार पर आरक्षण किये जाने से विशेष पिछडी जनजातियों (सहारिया/ सहरिया, भारिया एवं बैगा) महिलाओं एवं भूतपूर्व सैनिक श्रेणी के आवेदकों को पृथक से आरक्षण का लाभ प्राप्त नहीं होगा। (16) ऐसे समस्त आवेदन पत्र जो अपूर्ण है एवं विहित प्रारूप में नहीं है वे निरस्त कर दिये जायेंगे। अभिलेखों को कूटरचित किया हो या ऐसे अभिलेख प्रस्तुत किये गये हो जो रूपान्तरित किये गये हो वे भी निरस्त कर दिए जाएंगे। साथ ही ऐसे विवरण दिये गए हो, जिसमें ऐसी तात्विक जानकारी छिपाई गई हो, जो चयन के लिए आवश्यक हो, तो ऐसे आवेदन पत्र भी निरस्त कर दिए जाएंगे। (17) दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पदों के विरुद्ध चयनित होने वाले अभ्यर्थियों का उनके लिये जिला स्तर पर गठित मेडिकल बोर्ड से मेडिकल परीक्षण कराकर यह सुनिश्चित होने के पश्चात ही कि वे वास्तव में विकलांग है यह जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रमाणित किये जाने के उपरांत ही नियुक्ति आदेश जारी किये जायेंगे। (18) यह कि दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पदों के विरुद्ध चयनित होने वाले अभ्यर्थियों के नि:शक्तता का प्रतिशत 40 प्रतिशत या अधिक पाएं जाने पर ही कार्यभार ग्रहण कराया जाएगा। (19) शासन के आदेश के अनुसार, कोई भी अभ्यार्थी जिसके 02 से अधिक जीवत सन्ताने है, जिसने से एक का जन्म 26 जनवरी 2001 को या उसके पश्चात् हुआ है तो ऐसा अभ्यार्थी नियुक्त हेतु पात्र नहीं होगा, लेकिन यदि एक बच्चा जीवित है और बाद के प्रसव में दो या अधिक सन्ताने जन्म लेती है तो उसे अयोग्य नहीं माना जावेगा। (20) मध्य प्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी, 3-13/2019/3/एक भोपाल, दिनांक 12 दिसंबर 2019 के अनुसार सीधी भर्ती के तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों पर चयन होने पर अभ्यार्थी 03 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर नियुक्त होगा। परिवीक्षा अवधि में अभ्यार्थी को प्रथम वर्ष 70 प्रतिशत, द्वितीय वर्ष 80 प्रतिशत एवं तृतीय वर्ष 90 प्रतिशत राशि स्टायपेंड के रूप में दी जायेगी। (21) दिव्यांजनों हेतु चिन्हांकित संविदा के पदों पर भर्ती संबंधी कार्यवाही मध्य प्रदेश नगर पालिका संविदा (अनुबंध तथा सेवा की शर्तें) सेवा, नियम 2021 में विहित प्रावधानुसार की जावेंगी। (22) नियुक्ति से संबंधित सभी अधिकार नियुक्ति प्राधिकारी (आयुक्त, नगर पालिक निगम, इंदौर) के पास सुरक्षित होगें। (23) नियुक्ति के लिए तैयार मेरिट सूची अनुसार आवेदक को वॉक-इन-इन्टरव्यू हेतु पृथक से सूचना दी जावेगी। (24) विज्ञप्ति एवं आवेदन का प्रारुप साप्ताहिक रोजगार निर्माण भोपाल के आगामी संस्करण में प्रकाशित किया गया है मुख्य समाचार-पत्रों एवं नगर पालिक निगम, इंदौर की वेबसाइड www.imcindore.mp.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

(आयुक्त द्वारा आदेशित)

अपर आयुक्त,
नगर पालिक निगम, इंदौर

R-49838/2024

KEWAL SHREE INSTITUTE OF MANAGEMENT

Affiliated to DAVV Indore, Approved by AICTE

URGENT REQUIRED

Principle/Professors/Associate Professors/Assistant Professors and are required as per AICTE Norms for teaching MBA course. The selections shall be done as per University Norms for code 28. Apply within 7 days to the **Kewal Shree Institute of Management** in person or at kewalshreeinstituteindore@gmail.com

Gram Kanad Near Chokhi Dhani Khandwa Road Indore

Contact:- 9826051012

PANKAJ

R-49837/2024

MADHYA PRADESH BUILDING DEVELOPMENT CORPORATION

(An Agency of Govt. of M.P. Public Works Department)
16 - A, CEDMAP Building, Arera Hills, Bhopal (M.P.)-462011
Telephone No. : 0755-4853297, 0755-4853295
E-mail : einc-mpbdc@mp.gov.in, ajay.nagaria@mp.gov.in

NIT No. : 6978/GM/MPBDC/CW/24/NIT-57 **Bhopal, Dated : 16.07.2024**

NOTICE INVITING TENDER

Madhya Pradesh Building Development Corporation invites online tender for the following works and consultancy services:-

1. Construction Work of 400 Bedded District Hospital at Singrauli, District Singrauli (M.P.)- **01 Work - Probable Amount of Construction Work Rs. 13758.76 Lacs**
2. Disposal of Dismantled Material from Campus of CM Rise School Barela, District Jabalpur, MP- **01 Work - Probable Amount of Construction Works Rs. 96,387**
3. Relocation of Cabins in MPBDC Head Office at CEDMAP Building, Arera Hills Bhopal, District Bhopal- **01 Work - Probable Amount of Construction Work Rs. 6.68 Lacs**
4. Demolition of Existing Unserviceable Buildings and Cleaning of Demolished Material from site of Maternity Block (Lady Butler) and Kitchen Block for Construction of CCHB & MCH Building at District Hospital Khandwa, District Khandwa, MP (2nd Call)- **01 Work - Probable Amount of Construction Work Rs. 3,65,700**
5. Empanelment of Consultants and Architects Firm for Architectural, Design and DPR Consultancy Services

Detailed NIT and tender documents can be viewed, downloaded and purchased online only from **24.07.2024 at 18:00 hrs. to 27.08.2024 at 15:30 hrs. (for S.No. 1), 19.07.2024 at 18:00 hrs. to 12.08.2024 at 15:30 hrs. (for S.No. 2, 3 and 4 only) and 26.07.2024 at 18:00 hrs. to 29.08.2024 at 15:30 hrs. (for S.No. 5 only)**. from website **www.mptenders.gov.in**

Registration in MPPWD is required only for S.No. 1 to 4.

PAC can very at the time of uploading of tender document. Any amendment/corrigendum 'if any' will be published on website only, will not be published on newspapers.

M.P. Madhyam/115438/2024 **MANAGING DIRECTOR**

R-49833/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No./8664/22/D-12/MPRRDA/2024 **Bhopal, Date : 16.07.2024**

NOTICE INVITING TENDER No. 1191 (PMGSY-Road-B.W.)

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **www.pmgsytenders.gov.in** as detailed below;

- **Name of Work -** Construction/Up-gradation of Rural Roads under PMGSY including maintenance for Five year after construction

S.No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Shahdol	1	53385000.00
2	Vidisha	1	39393000.00

1. Bid document may be purchase online from **18.07.2024 (17:30 hrs.)** and last date for online bid submission is **02.08.2024 (17:00 hrs.)**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P.M./115429/2024 **CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)**

"मेरी सड़क" एप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-49832/2024

श्रीकृष्ण का जीवन हमें त्याग और जीने की प्रेरणा देता है

भोपाल, भगवान श्रीकृष्ण का सम्पूर्ण जीवन हमें त्याग और जीने की प्रेरणा देता है। उनका जीवन आदर्श से भरा हुआ है। कठिन से कठिन समय में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेकर नई ऊर्जा प्राप्त होती है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित श्रीकृष्ण पाथेय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े अनेक प्रसंग हैं। उन्होंने मानव अवतार में समाज के कल्याण के लिए अनेक कार्य किए। उनके प्रसंगों से हमें समाज कल्याण की शिक्षा मिलती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बनाई गई नई शिक्षा नीति : 2020 में भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े पाठ्यक्रमों को भी सम्मिलित किया गया है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण जानते थे कि जिसने जन्म लिया है, उसकी मृत्यु भी होगी। इसलिए वह हमेशा मुस्कराते रहते थे। उन्हें मृत्यु का कोई भय नहीं था। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में भगवान श्रीकृष्ण की स्मृतियों को जीवित रखने के लिए उनसे जुड़े स्थानों का विकास किया जा रहा है। मध्यप्रदेश की तरह ही राजस्थान, असम, पूर्वोत्तर राज्यों सहित पूरे देश में भगवान कृष्ण की स्मृतियों को अक्षुण्ण बनाए रखने का कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से हमें लोकतंत्र चलाने की भी सीख मिलती है। उनके जीवन को समझने के लिए गहराई तक जाना जरूरी है। उनका जीवन समुंदर की भांति है।

श्रीकृष्ण का जीवन समझदारी और संवेदनशीलता का समुच्चय

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन सहनशीलता, समझदारी और संवेदनशीलता का समुच्चय है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में राज्य सरकार द्वारा जनहित के अनेक कार्य किए जा रहे हैं। गलती करने वालों को दंडित भी किया जा रहा है। समाज के कल्याण के कार्यों में कोई कमी नहीं छोड़ी जा रही है। सरकार के उत्तरदायित्व का संवेदनशीलता से निर्वहन किया जा रहा है।

एमएसएमई इकाइयों का भुगतान केंद्रीयकृत ऑनलाइन प्रणाली से होगा

भोपाल, एमएसएमई श्रेणी की औद्योगिक इकाइयों को प्रोत्साहन राशि वितरण की वर्तमान प्रचलित प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सरलीकृत बनाने के उद्देश्य से समस्त भुगतान केंद्रीयकृत ऑनलाइन भुगतान तथा वितरण प्रणाली के माध्यम से उद्योग संचालनालय स्तर पर किये जाने का निर्णय लिया गया है। उल्लेखनीय है कि एमएसएमई मंत्री श्री चेतन्य कुमार काश्यप ने उक्त आशय के निर्देश दिए थे।

एमएसएमई प्रोत्साहन व्यवसाय निवेश संवर्धन सुविधा प्रदाय योजना में वर्ष 2023-24 में 490 करोड़ का बजट प्रावधान था, जिसे बढ़ाकर वर्ष 2024-25 में 699.20 करोड़ रुपये किया गया है। बजट में विगत वित्त वर्ष की तुलना में 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की गई है। मध्यम श्रेणी की इकाइयों के लिये पहली बार राशि 100 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है।

मध्यप्रदेश में एमएसएमई श्रेणी की इकाइयों के प्रोत्साहन के लिये मध्यप्रदेश एमएसएमई प्रोत्साहन योजना 2021 लागू है, जिसमें सूक्ष्म लघु श्रेणी की इकाइयों के लिए 40 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि का प्रावधान है।

मृतक के परिवार को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंगरौली जिले के ग्राम तेंदुहा पोड़ी में घटी घटना में युवक के निधन पर दु:ख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मृतक के परिजन को शासन की ओर से 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजन को यह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

प्रधानमंत्री के आह्वान पर जनांदोलन बना एक पेड़ माँ के नाम अभियान

इंदौर, देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर प्रारंभ 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान केवल अभियान न रहकर अब पूरे देश में जनांदोलन बन गया है। यह अभियान हमारी माँ और धरती माँ के प्रति हमारी श्रद्धा के भाव का प्रकटीकरण है। आज पूरे देश में हर व्यक्ति अपनी माँ और धरती माँ दोनों के नाम से पौधा लगाकर उन्हें प्रणाम कर रहा है। यह बात केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने इंदौर में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश का इंदौर पहले से ही स्वच्छता, स्वाद, सहयोग, सुशासन और सहभागिता के लिए जाना जाता है। इंदौर एक पेड़ माँ के नाम अभियान में वृहद पौधरोपण के लिए भी देश भर में जाना जाएगा। इंदौर में 24 घंटे में 11 लाख पौधे रोपने का यह विश्व रिकॉर्ड देवी अहिल्याबाई की नगरी इंदौर को नए कीर्तिमान के साथ पूरे विश्व में प्रसिद्ध करेगा।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा जी-20 में वन अर्थ, वन फैमिली और वन फ्यूचर के साथ ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस जैसे कई इनिशिएटिव लिए गए हैं। जिससे यूएन द्वारा प्रधानमंत्री को 'चैंपियन ऑफ अर्थ' का पुरस्कार भी दिया गया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कॉप 28 में ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम को प्रस्तावित किया है। पेट्रोल और डीजल में 20 प्रतिशत एथेनॉल की ब्लेंडिंग को परमिशन दी गई। पूरे देश में वर्ष 2025 तक पेट्रोल और डीजल में 20 प्रतिशत इथेनॉल की ब्लेंडिंग हो जाएगी। बायोमास को बायोफ्यूल बनाए जाने के लिए 12 से ज्यादा रिफाइनरी डाली गई हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने इंदौर के पितृ पर्वत पर मां की स्मृति में पौधारोपण किया

किसान और विकास के मध्य संतुलन

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने के साथ ही मध्यप्रदेश में अधोसंरचना, शिक्षा, आर्थिक स्थिरता आदि क्षेत्रों में तेजी से विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा मध्यप्रदेश में 3 लाख 65 हजार करोड़ राशि का अब तक का सबसे बड़ा बजट पेश किया गया है। जो किसान और विकास दोनों के मध्य संतुलन को दर्शाता है।

एक पेड़ 10 पुत्रों के समान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मालवा में 'डग-डग रोटी पग-पग नीर' की कहावत है। यहां अनगिनत वृक्ष हुआ करते थे, जो काल के प्रवाह में खत्म होते चले गए। मालवा में कई सारी नदियां जैसे - चंबल, शिप्रा, गंभीर और अन्य सात नदियां इंदौर से निकलती हैं। उन्होंने कहा कि एक पेड़ 10 पुत्रों के समान होता है। इस प्रकार से इंदौर में 51 लाख पौधे लगाए जाने का जो रिकॉर्ड बनाया जा रहा है वह अभूतपूर्व है। मालवा की संस्कृति में प्रकृति के साथ मेलजोल बनाकर रखने का रिवाज है। एक पेड़ माँ के नाम अभियान ने बहुत व्यापक रूप ले लिया है। अभियान अंतर्गत इंदौर में 51 लाख, भोपाल में 40 लाख और उज्जैन में 10 लाख पौधे लगाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अपनी ओर से सभी को शुभकामनाएं दीं।

समन्वित प्रयासों की अनूठी मिसाल

केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि इंदौर स्मार्ट सिटी, मेट्रो सिटी, क्लीन सिटी, मॉडर्न एजुकेशन का हब बनने के बाद अब ग्रीन सिटी के नाम से भी जाना जाएगा। जन सहभागिता से ही किसी भी अभियान को सफल बनाया जा सकता है, जो इंदौर ने पुनः कर दिखाया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन से निवास पर सौजन्य भेंट की

मुख्यमंत्री ने ग्रहण किया गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाण-पत्र

इंदौर, गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने मध्यप्रदेश शासन को 24 घंटे की अवधि में सर्वाधिक पौध-रोपण का प्रमाण-पत्र प्रदान किया है। अब यह वर्ल्ड रिकॉर्ड इंदौर के नाम पर है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रेवती रेंज में यह प्रमाण पत्र ग्रहण किया। उत्सवी वातावरण में केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य में बड़ी संख्या में पौध-रोपण कर इंदौर ने यह रिकॉर्ड कायम किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर के सभी नागरिकों, जन-प्रतिनिधियों शासकीय संगठनों और इस पुण्य कार्य में सहभागी बने सभी नागरिकों एवं संस्थाओं को बधाई और साधुवाद दिया है।

प्रदेश में जहां पर श्रीराम-श्रीकृष्ण के चरण पड़े वहां स्थापित होंगे तीर्थ

श्योपुर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्योपुर विजयपुर तहसील में आयोजित भागवत कथा में स्थानीय विधायक और कैबिनेट मंत्री श्री रामनिवास रावत की मांग पर 15 ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों को स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने दो लघु सिंचाई परियोजना को भी स्वीकृति प्रदान की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में भगवान श्रीराम-श्रीकृष्ण के चरण जहाँ-जहाँ पड़े हैं, उस भूमि पर तीर्थ स्थापित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सनातन धर्म को मानने वाले लोग हैं। हमारी सरकार धर्म के अनुसार ही सारे काम करती है। हम धर्म के मार्ग पर ही चलेंगे। भगवान श्रीराम-श्रीकृष्ण के इस पावन भूमि पर जहां-जहां चरण पग पड़े हैं हम उन सभी पदचिह्नों वाले स्थलों पर

तीर्थ बनाएंगे। श्री कृष्ण जहां-जहां गये, उन स्थलों के साथ ही मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की पावन भूमि चित्रकूट और राम पथगमन के समस्त स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री कृष्ण ने अपने जीवन में जन्म के पूर्व से लेकर अपने जीवन तक जो आदर्श स्थापित किया है, वह हमारे लिए मार्गदर्शक है।

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में सैद्धांतिक के साथ मिलेगा व्यवहारिक ज्ञान - श्रीमती गौर

भोपाल, पिछडा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने भोपाल के शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय का प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के रूप में शुभारंभ करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से विद्यार्थियों को सैद्धांतिक के साथ व्यवहारिक ज्ञान भी मिलेगा।

राज्यमंत्री कहा कि प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस की शुरुआत होने का दिन शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक दिन है। युवाओं को रोज़गारोन्मुखी पाठ्यक्रम से जुड़कर अपने भविष्य को संवारने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के समय की लार्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति में व्यापक बदलाव कर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2020 में नई शिक्षा नीति को लागू किया। युवाओं के भविष्य को संवारने वाली शिक्षा नीति शुरू की। श्रीमती गौर ने कहा कि हमीदिया कॉलेज का भोपाल जिले के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के रूप में चयन होना गौरव की बात है। हमीदिया कॉलेज भोपाल से विभिन क्षेत्र में प्रदेश और देश का नाम रोशन करने वाली हस्तियों ने शिक्षा प्राप्त की है। हमीदिया कॉलेज का इतिहास गौरवशाली है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना का होगा विस्तार - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना की समीक्षा की

भोपाल, मध्यप्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों को देश के प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों के साथ ही मध्यप्रदेश स्थित प्रमुख धार्मिक स्थलों के भ्रमण करवाये जाने को दृष्टिगत रखते हुए मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना का विस्तार किया जाए। इसके लिए धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग आवश्यक अध्ययन कर कार्य-योजना तैयार करे। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तीर्थदर्शन योजना की समीक्षा बैठक में कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश के स्थानों की यात्रा से जहां बुजुर्ग यात्रियों को अपने ही प्रदेश के प्रसिद्ध स्थान देखने और देव दर्शन का अवसर मिलेगा वहीं प्रदेश की अर्थव्यवस्था की दृष्टि से भी यह महत्वपूर्ण होगा। प्रदेश की भौगोलिक रचना के कारण नागरिक अनेक तीर्थ स्थान देख नहीं पाते और अपने ही प्रदेश की विशेषताओं से अनजान रहते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा वर्ग को भी प्रदेश की पुरा-संपदा और अन्य महत्वपूर्ण स्थलों से परिचित करवाने के लिए अन्य विभाग भी पहल करें। ज्ञान-विज्ञान के केंद्रों, ऐतिहासिक महत्व के स्थानों, प्राकृतिक सुंदरता के स्थानों और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थानों तक युवाओं को ले जाने से उनके ज्ञान में वृद्धि होगी। जनजातीय विकास विभाग द्वारा प्रत्येक जिले से मेरिट एवं अन्य आधार पर विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें प्रदेश के महत्वपूर्ण स्थानों का भ्रमण करवाया जाए।

जनजातीय कलाकारों की सांस्कृतिक यात्रा करें आयोजित

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के जनजातीय बहुल क्षेत्रों में अनेक लोक गायक, संगीतकार और कलाकार निवास करते हैं। इन्हें प्रदेश के विभिन्न स्थानों के भ्रमण के लिए आमंत्रित किया जाए। वे मंचीय प्रस्तुति के लिये अपनी यात्रा, पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ करें। इससे विभिन्न देव स्थानों के भ्रमण का लाभ भी उन्हें मिलेगा। ऐसे स्थानों पर आने वाले देश- विदेश के पर्यटकों और श्रद्धालुओं तक कलाकारों की कला भी पहुंचेगी।

निरंतर करें सुविधाओं में वृद्धि

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के प्रमुख तीर्थ स्थानों के साथ ही अन्य देव स्थलों पर भी विभिन्न सुविधाओं का विकास आवश्यक है। देव स्थल परिसर सुविधायुक्त हों, इसके लिए विभिन्न संबंधित विभाग सक्रिय रहें। मुख्यमंत्री ने राम राजा की नगरी ओरछा, शारदा माता के स्थान मैहर, बड़ा महादेव मंदिर, चौरागढ़ महादेव और जटाशंकर, पचमढ़ी पर व्यवस्थाएं बेहतर करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक लोकों के निर्माण के संबंध में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। बैठक में धार्मिक न्यास, धर्मस्व मंत्री श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी वर्चुअली शामिल हुए। बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव श्री संजय कुमार शुक्ला एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

आदर्श ग्रामों के विकास और नए सेवा क्षेत्रों में करें कार्य

भोपाल, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, सामाजिक संगठनों के सहयोग से आदर्श ग्रामों के विकास, कृषि, पशुपालन, पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में नवीन प्रकल्पों को क्रियान्वित करें। अंतर्राज्यीय परियोजनाओं के प्रदेश से संबंधित क्षेत्र में आमजन के बीच जागरूकता के निर्माण और आदर्श ग्रामों के विकास के कार्य भी प्राथमिकता से किए जाएं। यह निर्देश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने परिषद के शासी निकाय की बैठक में गतिविधियों की जानकारी लेकर दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परिषद द्वारा अब तक संचालित गतिविधियां सराहनीय हैं। परिषद द्वारा आदर्श ग्रामों के विकास के लिए पंचायतों को प्रोत्साहित करने का कार्य निरंतर किया जाए। हेरीटेज एवं रूरल टूरिज्म के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाने और ग्रामों में जन सहयोग जुटाने का कार्य किया जाए। इसी तरह किसानों के बीच जाकर जीरो बजट पर खेती, पशुओं की नस्ल सुधार, गांव के मसले गांव में ही हल किए जाने के साथ ही, जिन ग्रामों में कोई विवाद नहीं है उन ग्राम पंचायतों को सम्मानित करने का कार्य भी करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जन अभियान परिषद जन सेवा के अछूते क्षेत्रों में भी कार्य की पहल करे। उदाहरण के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में सर्पदंश की घटनाओं को देखते हुए पंचायत स्तर पर ऐसे विशेषज्ञ प्रशिक्षित किए जाएं जो सर्प की प्रजातियां पहचानने, उन्हें पकड़ने और वन क्षेत्र में उन्हें छोड़ने के दायित्व को पूरा करें। सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से जन-जागरूकता बढ़ाने का कार्य निरंतर चलना चाहिए।

पाठ्यक्रम पुस्तिकाओं का किया गया विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा और पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने विभिन्न पाठ्यक्रम पुस्तिकाओं का संयुक्त रूप से विमोचन किया। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के तहत महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट की ओर से समाज कार्य स्नातक पाठ्यक्रम (बीएसडब्ल्यू) प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम का विमोचन किया गया। विभिन्न आठ पुस्तिकाओं में समाज कार्य का परिचय, पर्यावरण अध्ययन, हिंदी भाषा, प्रवेश विवरणिका, अंग्रेजी भाषा और भारतीय संस्कृति, समाज कार्य एवं अन्य अवधारणाएं, योग एवं ध्यान, विकास की अवधारणा एवं क्रियान्वयन शामिल हैं। इसके साथ ही समाज कार्य परास्नातक पाठ्यक्रम (एमएसडब्ल्यू) औद्योगिक संगठनों में समाज कार्य, मानव संसाधन प्रबंधन, हिंदी भाषा और संस्कृति, सामुदायिक संगठन एवं सामाजिक क्रिया पुस्तकों का विमोचन भी किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह से मुलाकात की

महिलाओं का स्वास्थ्य सशक्त समाज की समृद्धि और विकास का आधार

भोपाल, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि महिलाएँ परिवार और समाज की आधारशिला हैं। उनका स्वास्थ्य परिवार की आर्थिक और सामाजिक स्थिरता के लिए आवश्यक है। महिलाओं का स्वास्थ्य समाज की समृद्धि और विकास का आधार है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जहांनुमा पैलेस भोपाल में फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटीज ऑफ इंडिया (फ़ॉग्सी) द्वारा 'बेसिक टू एडवांस्ड-वोमेंस हेल्थ मैटर्स' विषय पर आधारित नेशनल कांफ्रेंस को संबोधित किया।

श्री शुक्ल ने कहा कि हमें मिलकर यह सुनिश्चित करना है कि हर महिला को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हों। सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है और हमने इस दिशा में कई महत्वपूर्ण योजनाएं और कार्यक्रम शुरू किए हैं।

मुख्यमंत्री ने इंदौर संभाग में हुए कार्यों को सराहा

इंदौर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत इंदौर संभाग में हुए कार्यों और उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस अभियान में इंदौर संभाग में हुए नवाचार अद्भुत हैं। इन कार्यों से पर्यावरण संरक्षण एवं जल संवर्धन में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने इंदौर संभाग में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत हुए कार्यों और उपलब्धियों पर केन्द्रित पुस्तिका का विमोचन किया।

मध्यप्रदेश के नए प्रयोग को गुजरात सरकार भी अपनाएगी

भोपाल, गुजरात के जल संसाधन मंत्री श्री कुंवर जी भाई मोहन भाई बावलिया ने प्रदेश के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट से उनके निवास पहुंचकर मुलाकात की। मंत्रीद्वय ने दोनों राज्यों की सिंचाई परियोजनाओं और आपसी सहयोग पर विस्तार से चर्चा की।

श्री कुंवर जी भाई बावलिया ने कहा कि सिंचाई के क्षेत्र में मध्यप्रदेश नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। यहां की मोहनपुरा-कुंडालिया और केन-बेतवा लिंक परियोजनाओं का न केवल भारत में अपितु विश्व की सिंचाई परियोजना में महत्वपूर्ण स्थान है। मैं यहां मध्यप्रदेश की मोहनपुरा-कुंडालिया प्रेशराइज्ड पाइप सूक्ष्म सिंचाई परियोजना और अन्य परियोजनाएं देखने आया हूं। सिंचाई के क्षेत्र में मध्यप्रदेश में

किए जा रहे नित नए प्रयोगों को गुजरात सरकार भी अपनाएगी। इस अवसर पर श्री सिलावट ने बताया की प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में सिंचाई क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी शीघ्र ही केन बेतवा लिंक परियोजना का भूमिपूजन करने के लिए मध्यप्रदेश आने वाले हैं। यह परियोजना प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र की तस्वीर बदल देगी।

मोहनपुरा-कुंडालिया परियोजना से तीन लाख हेक्टेयर क्षेत्र में होगी सिंचाई

राजगढ़, कौशल विकास और रोज़गार मंत्री श्री गौतम टेटवाल के साथ गुजरात सरकार के जल संसाधन मंत्री श्री कुंवर जी भाई मोहन भाई बावलिया ने राजगढ़ जिले के मोहनपुरा-कुंडालिया सिंचाई परियोजना का अवलोकन किया। मोहनपुरा-कुंडालिया परियोजनाओं से लगभग 3 लाख हेक्टेयर जमीन सिंचित होगी। दोनों प्रदेश के मंत्रियों ने मोहनपुरा डैम के समीप कृषिधाम का भी अवलोकन किया। स्थानीय किसानों एवं अधिकारियों से चर्चा कर योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। श्री बावलिया ने 'एक पेड़ माँ के नाम अभियान' के तहत मोहनपुरा पंप हाउस परिसर में पौधरोपण भी किया। मोहनपुरा-कुंडालिया डैम की दोनों परियोजनाओं में 7 पम्प हाउस से सिंचाई की व्यवस्था की गई है। दोनों डैम में लगभग 26 हजार किलोमीटर की पाइप लाइन बिछाई गई है। अंडरग्राउण्ड पाइप से किसानों के खेतों तक कनेक्शन दिये गये हैं। इसमें किसान कम पानी से अधिक सिंचाई कर पा रहे हैं। गुजरात के जल संसाधन मंत्री श्री बावलिया ने झझाड़पुर गाँव पहुँचकर प्रेशराइज्ड पाइप प्रणाली का अवलोकन किया। उन्होंने बताया कि कुंडालिया डैम के अवलोकन के बाद जानकर अच्छा लगा कि कम पानी में किस प्रकार से अधिक से अधिक सिंचाई की जा सकती है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

अध्ययन के लिए आयु की सीमा जरूरी नहीं - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पढ़ने के लिए आयु की सीमा नहीं होती। पढ़ना सबसे महत्वपूर्ण है। जिंदगी के इम्तिहान में यह आवश्यक है कि जो भी कार्य या दायित्व मिले उसे पूरा करें। अच्छे कार्य का अनुसरण दुनिया भी करेगी। जीवन में पांच गुरु होते हैं। माता, पिता, शिक्षक, आध्यात्मिक गुरु के अलावा दर्पण अर्थात आइना भी हमारे गुरु की तरह होता है। दर्पण हमें वास्तविकता का आभास कराता रहता है। हमारे मन में उठ रहे सवालों के उत्तर भी देता है। यह बात मुख्यमंत्री मोहन डॉ. यादव ने स्वर्ण शारदा स्कॉलरशिप कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी संभागों की प्रतिभाशाली बेटियों का सम्मान किया। मुख्यमंत्री ने अपने गुरु श्री गोपाल शर्मा और केमिस्ट्री शिक्षक श्री रमाकांत नागर का सम्मान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुजन ने जीवन में दिशा दिखाई। गुरु के प्रति विद्यार्थी को सदैव कृतज्ञ रहना चाहिए। गुरु पूर्णिमा के तीन दिन पूर्व अपने गुरुओं को सम्मानित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

डॉ. यादव ने कहा कि देश में अनेक विद्यार्थी अध्ययन के साथ किसी कार्य या रोजगार के साथ जुड़े होते हैं। पढ़ने की ललक हो तो जीवन में कोई बाधा नहीं आती। मुख्यमंत्री ने स्वयं के अध्ययन काल का उल्लेख करते हुए कहा कि स्नातक पाठ्यक्रम के दौरान स्थानीय निकाय में दायित्व मिलने के बाद भी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम पूरा करने का कार्य उन्होंने किया है।

आईटीआई ऑन व्हील बनायेगा विद्यार्थियों को कौशल सम्पन्न

भोपाल, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने विश्व युवा कौशल दिवस पर आईटीआई गोविन्दपुरा में आईटीआई ऑन व्हील को रवाना किया। यह वाहन दूरस्थ एवं वंचित वर्ग के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों, ग्राम चौपाल, हाट-बाजार एवं स्थानीय स्कूलों में पहुंचकर आईटीआई का प्रचार-प्रसार करेगा।

श्री गौतम टेटवाल विश्व युवा कौशल दिवस पर संभागीय आईटीआई गोविन्दपुरा में आयोजित विभिन्न गतिविधियों में शामिल हुये और छात्र-छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने देश के विकास में आईटीआई के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रशिक्षित युवा विभिन्न ट्रेड्स में निपुण होकर न केवल अपने परिवार, बल्कि देश के विकास में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्व युवा कौशल दिवस उनकी उपलब्धियों का उत्सव मनाने का अवसर है। इस दिन सभी शासकीय आईटीआई के छात्र-छात्रों ने पौध-रोपण एवं स्वच्छता कार्यक्रम चलाकर इसे और अधिक प्रासंगिक बना दिया है। सभी छात्र-छात्राओं ने प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया है। इससे विद्यार्थियों में जिम्मेदारी और संवेदनशीलता भी बढ़ेगी।

श्री टेटवाल ने इस अवसर पर एमपी स्किल्स वर्ल्ड ई-पुस्तिका का विमोचन किया और यूएन वूमन और यूएनएफपीए कार्यक्रम में लाभान्वित अभ्यर्थियों से चर्चा की। ई-पुस्तिका के माध्यम से कौशल विकास के नवाचार एवं विभिन्न आयामों को डिजिटल माध्यम से उपलब्ध कराया गया है। इससे अधिक से अधिक विद्यार्थियों को लाभ होगा।

बैकलॉग, कैरीफारवर्ड पदों की पूर्ति के लिए विशेष भर्ती अभियान की समय सीमा में वृद्धि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक सम्पन्न हुई

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। मंत्रिपरिषद द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्गों तथा निःशक्तजनों के बैकलॉग, कैरीफारवर्ड पदों की पूर्ति के लिए विशेष भर्ती अभियान की समय-सीमा में 01 जुलाई 2024 से 30 जून, 2025 तक एक वर्ष की वृद्धि की गई। बैकलॉग के 17 हजार पद में से 7 हजार पद भरे जा चुके हैं। अभी 10 हजार पद शेष हैं जो भरे जायेंगे।

मध्यप्रदेश क्लाउड पॉलिसी का अनुमोदन

मंत्रिपरिषद द्वारा विभागों को सुविधाजनक तरीके से क्लाउड सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए मध्यप्रदेश क्लाउड पॉलिसी-2024 का अनुमोदन किया। इस निर्णय से म.प्र. राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम (एमपीएसईडीसी) के माध्यम से केंद्रीयकृत रूप से विभागों को क्लाउड सेवाएं उपलब्ध कराई जायेंगी एवं क्लाउड सेवाओं के भुगतान के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को बजट उपलब्ध कराया जाएगा।

अल्पकालीन फसल ऋण की ड्यू डेट बढ़ाने का अनुमोदन

मंत्रिपरिषद द्वारा वर्ष 2023-24 की खरीफ 2023 सीजन में वितरित अल्पकालीन फसल ऋण की ड्यू डेट बढ़ाने का अनुमोदन किया गया है। निर्णय अनुसार खरीफ 2023 सीजन के लिए निर्धारित ड्यू डेट 28 मार्च, 2024 को बढ़ाकर 30 अप्रैल, 2024 किया गया था। साथ ही समर्थन मूल्य पर विभिन्न फसलों का विक्रय दिनांक 30 अप्रैल, 2024 तक करने वाले ऐसे किसान जिन्हें उनके उपज विक्रय राशि का भुगतान प्राप्त नहीं हुआ तथा उपार्जन की अंतिम तिथि तक फसलों का विक्रय करने वाले शेष किसानों के लिए खरीफ 2023 सीजन की निर्धारित ड्यू डेट 30 अप्रैल, 2024 से बढ़ाकर 31 मई, 2024 का अनुमोदन किया गया।

महंगाई राहत की दर में वृद्धि

मंत्रिपरिषद ने शासकीय सेवकों एवं पेंशनरों को सातवें वेतनमान में देय महंगाई भत्ता तथा राहत की दर में 01 जुलाई, 2023 (भुगतान माह अगस्त, 2023) से सातवें वेतनमान में 4 प्रतिशत की वृद्धि की जाकर 46 प्रतिशत करने एवं राज्य शासन के छठवें वेतनमान में कार्यरत शासकीय सेवकों तथा राज्य शासन के उपक्रमों, निगमों, मण्डलों तथा अनुदान प्राप्त संस्थाओं के राज्य शासन में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत चौथे एवं पांचवें वेतनमान में अनुपातिक आधार पर महंगाई भत्ते में वृद्धि का आदेश तथा राज्य के पेंशनरों को देय महंगाई राहत में वृद्धि के लिए मुख्यमंत्री के आदेश का अनुसमर्थन किया।

इंदौर स्थित सिरपुर वेटलैंड

मंत्रिपरिषद द्वारा अमृत धरोहर योजना अतंर्गत इंदौर स्थित सिरपुर वेटलैंड, रामसर साइट के संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए लागत राशि 61 करोड़ 95 लाख 70 हजार रुपये की 40 प्रतिशत राशि राष्ट्रीय जलीय स्रोत संरक्षण कार्यक्रम (एन.पी.सी.ए.) अंतर्गत राज्य शासन द्वारा वहन करने 'संबंधी सहमति के साथ प्रस्ताव केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को प्रेषित किये जाने का निर्णय लिया गया है।

निकायों में विशेष छूट शिविर का आयोजन

भोपाल, नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों में विशेष छूट शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विशेष छूट के तहत प्रॉपर्टी टैक्स, जलकर और स्वच्छ भारत कर से संबंधित मामले निपटाए गए और आपसी सहमति से कर वसूली की गई। प्रदेश स्तर पर आयोजित शिविर में समस्त नगर निगमों ने कुल लगभग 56 करोड़ रुपये की राशि एकत्र की, वहीं नगर पालिकाओं ने कुल 2.5 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अर्जित की और समस्त नगर परिषदों में कुल 2 करोड़ रुपये की राशि एकत्र की गई।

पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने अटल गृह ज्योति योजना में दी 138 करोड़ की सब्सिडी

भोपाल, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देशानुसार शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली अटल गृह ज्योति योजना का मालवा निमाड़ क्षेत्र में प्रभावी और पारदर्शिता के साथ क्रियान्वयन किया जा रहा है। पिछले एक माह के दौरान पश्चिम मध्यप्रदेश में 27 लाख से ज्यादा घरेलू उपभोक्ताओं को करीब 138 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी गई है।

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अमित तोमर ने बताया कि सबसे ज्यादा सब्सिडी इंदौर जिले के उपभोक्ताओं को 15 करोड़ रुपये प्रदान की गई है। धार जिले के उपभोक्ताओं को 14 करोड़, उज्जैन एवं खरगोन जिले के उपभोक्ताओं को 12-12 करोड़, रतलाम जिले में 10.40 करोड़, देवास जिले में 10 करोड़ रुपये की सब्सिडी पिछले एक माह में घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं को दी गई है। प्रबंध निदेशक ने बताया कि दैनिक 5 यूनिट अधिकतम खपत एवं माह में 150 यूनिट तक खपत वाले उपभोक्ता इस योजना की पात्रता रखते हैं। इन्हें प्रथम सौ यूनिट तक बिजली 100 रुपये में प्रदान की जाती है। शेष 50 यूनिट का बिल मौजूदा टैरिफ की दर से तैयार होता है।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में कारीगरों को प्रशिक्षण देकर उनके उत्पादों की भी करेंगे मार्केटिंग

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विगत 17 सितम्बर 2023 को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना प्रारंभ की गई। इस योजना में अपने हाथों और औजारों से काम करने वाले कारीगरों एवं शिल्पकारों को हर प्रकार की सहायता दी जाएगी। इस योजना में 18 प्रकार के परंपरागत व्यवसायों जैसे बढ़ई, नाव निर्माता, कवच निर्माता, लोहार, हथौड़ा और टूल किट निर्माता, ताला बनाने वाले, सुनार, कुम्हार, मूर्तिकार (मूर्तिकार व पत्थर तराशने वाले), पत्थर तोड़ने वाले, मोची (चर्मकार)/जूते बनाने वाले, राज-मिस्त्री, टोकरी/चटाई/झाड़ू निर्माता/कॉयर बुनकर, गुड़िया और खिलौने निर्माता (पारम्परिक), नाई, माला निर्माता, धोबी, दर्जी और मछली पकड़ने के जाल बनाने वाले कारीगरों को शामिल किया गया है।

इस योजना में पीएम विश्वकर्मा प्रमाण-पत्र एवं आईडी कार्ड के जरिये कारीगरों और शिल्पकारों का पात्रता पंजीयन किया जाएगा। इन पात्र कारीगरों को 5 से 7 दिनों का बुनियादी प्रशिक्षण और 15 दिन या इससे अधिक दिन का उन्नत प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही प्रशिक्षण के दौरान 500 रुपये प्रतिदिन की दर से स्टाइपेंड भी दी जाएगी। इसके अलावा बुनियादी कौशल प्रशिक्षण की शुरुआत में ई-वाउचर के रूप में 15 हजार रुपये तक का टूलकिट प्रोत्साहन भी दिया जाएगा। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग 18 प्रकार के परम्परागत कामों में लगे कारीगरों एवं शिल्पकारों को विधिवत प्रशिक्षण देगा और इनके उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने के लिये मार्केटिंग की जिम्मेदारी भी निभायेगा।

कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री श्री दिलीप जायसवाल ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग से जुड़े दायित्वों के संबंध में बैठक की। बैठक में उन्होंने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की लक्ष्य पूर्ति पर तेजी से काम करने के निर्देश दिये।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

रोज़गार और निर्माण

प्रदेश के शहडोल, गुना, झाबुआ, खंडवा, छतरपुर एवं पिपरिया में एजेंसी नियुक्त करना है।

एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालीन समय में संपर्क करें

0755-2760006

प्रमुख आकर्षण

- कॅरियर की खबरें
- सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय खबरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम

40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011

फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006

www.mpmadhyam.in

madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें

प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

बोधना शिवनंदन

इंग्लैंड की सबसे युवा शतरंज खिलाड़ी बनीं

इंग्लैंड में भारतीय मूल की नौ वर्षीय बालिका बोधना

शिवनंदन ने इतिहास रच दिया है। वह किसी भी खेल में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई हैं। बोधना हंगरी के बुडापेस्ट में आयोजित होने वाले शतरंज ओलंपियाड के लिए इंग्लैंड की पांच सदस्यीय महिला टीम में शामिल की गई हैं। इंग्लैंड की टीम में शामिल अन्य महिला खिलाड़ी 20 से 40 वर्ष की आयु की हैं। शतरंज ओलंपियाड इस वर्ष 11 से 22 सितंबर तक होगा।

पूजा नैंसी

फ्रांस के विशेष सम्मान से हुईं सम्मानित

सिंगापुर में भारतीय मूल की लेखिका पूजा नैंसी को सिंगापुर

और फ्रांस के बीच सांस्कृतिक सहयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए फ्रांस के संस्कृति मंत्रालय द्वारा नाइट्स ऑफ द ऑर्डर ऑफ आर्ट्स एंड लेटर्स सम्मान से सम्मानित किया गया है। पूजा को यह पुरस्कार सिंगापुर के इवान हेंग के साथ दिया गया है। सिंगापुर में फ्रांस के राजदूत मिन्ह दी तांग ने सिंगापुर के मंत्री एडविन टोंग की उपस्थिति में यह पुरस्कार प्रदान किया। यह फ्रांस का सर्वोच्च संस्कृति पुरस्कार है जो कला, साहित्य या संस्कृति के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया जाता है।

लेमिन यामल

यूरो कप में गोल करने वाले सबसे युवा फुटबॉलर बने

स्पेन के युवा फुटबॉलर लेमिन यामल ने यूरो कप-2024

में इतिहास रच दिया है। यामल यूरो कप के सेमीफाइनल में मेजबान जर्मनी के खिलाफ गोल कर यूरो कप के इतिहास में गोल करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। यामल ने यह कारनामा 16 वर्ष 362 दिन की उम्र में किया। पहली बार यूरो कप खेल रहे यामल ने सेमीफाइनल मैच में 1-0 से पिछड़ रही अपनी टीम को 21वें मिनट में शानदार गोल कर बराबरी पर ला दिया। इस शानदार प्रदर्शन के लिए यामल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

डॉ. बी.एन. गंगाधर

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के प्रमुख बने

चिकित्सा आकलन एवं साख बोर्ड के अध्यक्ष

डॉ. बी.एन. गंगाधर को राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) का प्रमुख नियुक्त किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने उनकी नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं। उनकी नियुक्ति चार वर्ष या अगले आदेश तक के लिए की गई है। डॉ. गंगाधर के स्थान पर डॉ. संजय बहरई को चिकित्सा आकलन एवं साख बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया है।

संजना ठाकुर की

लघु कथा ने जीता कॉमनवेल्थ पुरस्कार

भारतीय लेखिका संजना ठाकुर ने अपनी कहानी

'ऐश्वर्या राय' के लिए वर्ष 2024 का कॉमनवेल्थ लघु कथा पुरस्कार जीता है। संजना ने दुनियाभर के 7359 प्रतिभागियों को पछाड़कर यह पुरस्कार जीता है। संजना को पुरस्कार स्वरूप पांच लाख 27 हजार 938 रुपये की राशि मिली। पुरस्कार जीतने के बाद संजना ने कहा कि इस अविश्वसनीय पुरस्कार जीतने के बाद मैं सम्मानित महसूस कर रही हूं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रमंडल लघु कथा पुरस्कार प्रतिवर्ष सर्वश्रेष्ठ अप्रकाशित लघु कथा के लिए दिया जाता है।

न्यायमूर्ति गुरमीत सिंह संधावालिया

मध्यप्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बने

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति गुरमीत

सिंह संधावालिया को मध्यप्रदेश हाई कोर्ट का नया मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया है। न्यायमूर्ति संधावालिया इससे पहले पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश थे। भारत के प्रधान न्यायाधीश डी.वाय. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने उनके नाम की सिफारिश की, कॉलेजियम ने मध्यप्रदेश सहित कुल आठ हाई कोर्ट में नए मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए हैं। फरवरी 2014 में न्यायमूर्ति संधावालिया को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बनाया गया था।

निकुंज श्रीवास्तव

विश्व बैंक में वरिष्ठ सलाहकार नियुक्त

मध्यप्रदेश कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी

निकुंज श्रीवास्तव विश्व बैंक में वरिष्ठ सलाहकार नियुक्त किए गए हैं। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय ने आदेश जारी कर बताया कि केंद्रीय कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने तीन वर्ष की अवधि के लिए अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में स्थित विश्व बैंक के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर के वरिष्ठ सलाहकार के पद पर निकुंज श्रीवास्तव की नियुक्ति को मंजूरी प्रदान की है। उन्हें गुजरात कैडर के आईएएस अधिकारी राजीव टोपनो के स्थान पर नियुक्त किया गया है। मध्यप्रदेश सरकार में प्रमुख सचिव पद पर कार्यरत निकुंज श्रीवास्तव तीन महीने बाद अमेरिका में नई पदस्थापना के लिए रिलीव होंगे।

सैम मोस्टिन

ऑस्ट्रेलिया की दूसरी महिला गर्वनर जनरल नियुक्त

ऑस्ट्रेलिया में सैम मोस्टिन को गर्वनर जनरल नियुक्त

किया गया है। ऑस्ट्रेलिया के 123 वर्षों के इतिहास में दूसरी बार किसी महिला को गर्वनर जनरल बनाया गया है। वे देश की 28वीं गर्वनर जनरल बन गई हैं। उनसे पहले क्वेंटिन ब्राइस वर्ष 2014 से 2018 तक इस पद पर रह चुकी हैं। ब्रिटेन में वर्ष 2022 में राजा चार्ल्स तृतीय का कार्यकाल शुरू होने के बाद ऑस्ट्रेलिया में यह पहली राजनीतिक नियुक्ति है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की लेबर पार्टी की सरकार देश में ब्रिटिश क्राउन के स्थान पर ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रपति को राष्ट्र प्रमुख के तौर पर नियुक्त करना चाहती है। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलिया का गवर्नर जनरल ब्रिटेन के शासक का प्रतिनिधित्व करता है और राष्ट्र प्रमुख होता है।

गार्बाइन मुगुरुजा

डब्ल्यूटीए फाइनल्स की नई टूर्नामेंट निदेशक होंगी

स्पेन की पूर्व महिला टेनिस खिलाड़ी गार्बाइन मुगुरुजा

सऊदी अरब में आयोजित होने वाले डब्ल्यूटीए फाइनल्स 2024-26 की टूर्नामेंट निदेशक होंगी। यह टूर्नामेंट विश्व की शीर्ष आठ महिला एकल खिलाड़ियों और शीर्ष आठ महिला युगल टीमों के बीच खेला जाता है। इस बार यह टूर्नामेंट सऊदी अरब में दो से नौ नवंबर के बीच खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट के आयोजन का जिम्मा गार्बाइन मुगुरुजा के पास होगा। उल्लेखनीय है कि मुगुरुजा ने कुछ महीने पहले ही टेनिस से संन्यास लिया है। उन्होंने वर्ष 2016 फ्रेंच ओपन और वर्ष 2017 में विम्बलडन खिताब जीता है।

जापान ने

बीस वर्ष बाद जारी किए नए करेंसी नोट

जापान में दो दशक के बाद नए करेंसी नोट जारी किए

गए हैं। इनमें 10 हजार, 5 हजार और एक हजार येन के नए नोट शामिल हैं। इन नोटों को जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा ने जारी किया है। इन नोट में जालसाजी से निपटने के लिए 3डी होलोग्राम तकनीक का उपयोग किया गया है। नए नोट के साथ पहले से जारी मुद्रा भी वैध रहेगी। प्रधानमंत्री किशिदा ने कहा कि उम्मीद है कि लोगों को नए नोट पसंद आयेंगे और वे जापानी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायक होंगे। उन्होंने कहा कि नागरिकों को नए नोट मिलने में कुछ समय लग सकता है। पहले ये नोट बैंकों और वित्तीय संस्थाओं को दिए जायेंगे।

गैब्रिएल एटल

फ्रांस के प्रधानमंत्री पद से दिया इस्तीफा

फ्रांस में सम्पन्न हुए राष्ट्रपति चुनाव में न्यू पॉपुलर फ्रंट

की जीत के बाद प्रधानमंत्री गैब्रिएल एटल ने अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। वामपंथी झुकाव वाला गठबंधन न्यू पॉपुलर फ्रंट चुनाव में सबसे ज्यादा सीट जीतने के बावजूद बहुमत से दूर रह गया। चुनाव में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की मध्यमार्गी पार्टी तीसरे स्थान पर रही। संसदीय चुनाव के बाद फ्रांस में त्रिशंकु संसद की स्थिति बन गई। इससे देश में राजनैतिक अस्थिरता का खतरा भी पैदा हो गया है। हालांकि राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रधानमंत्री ग्रैब्रिएल एटल से कुछ दिनों तक कार्यभार संभालते रहने को कहा है।

प्रकाश पादुकोण

भारतीय बैडमिंटन टीम के मेंटॉर बने

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने पूर्व महान

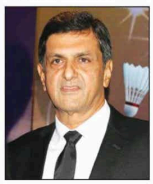

बैडमिंटन खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण को पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय बैडमिंटन टीम का मेंटॉर नियुक्त किया है। वह पेरिस ओलंपिक में 15 सदस्यीय भारतीय बैडमिंटन टीम के साथ यात्रा करेंगे। भारतीय दल में 7 खिलाड़ी और आठ सहयोगी स्टाफ है, जिनमें कोच और फीजियो भी शामिल हैं। प्रकाश ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप जीतने वाले पहले भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। पेरिस ओलंपिक में बैडमिंटन की स्पर्धाएं 27 जुलाई से 5 अगस्त होंगी। ओलंपिक खेलों में भारत ने बैडमिंटन में अबतक एक रजत और दो कांस्य पदक जीते हैं।

गगन नारंग

ओलंपिक में भारतीय दल के प्रमुख बने

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने पूर्व भारतीय

निशानेबाज गगन नारंग को भारतीय दल का प्रमुख (शेफ डी मिशन) नियुक्त किया है। गगन अब पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल को लीड करेंगे। गगन को एमसी मैरी कॉम की जगह भारतीय दल का प्रमुख बनाया गया है। गगन नारंग ने वर्ष 2004, 2008, 2012 और 2016 के ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने वर्ष 2012 के लंदन ओलंपिक में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था।

स्मृति शेष

फिल्म अभिनेत्री स्मृति बिश्वास का निधन

हिन्दी, मराठी और बांग्ला फिल्मों की दिग्गज

अभिनेत्री स्मृति बिश्वास का 100 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए बताया कि उन्होंने नासिक स्थित अपने निवास पर अंतिम सांस ली। उन्होंने 10 वर्ष की उम्र में बांग्ला फिल्म 'संध्या' से फिल्म जगत में कदम रखा था। स्मृति ने वर्ष 1930 से लेकर 1960 के दशक तक कई बेहतरीन फिल्मों में अभिनय किया, इनमें 'नेक दिल', 'अपराजिता' और 'मॉडर्न गर्ल' शामिल हैं।

सबसे उम्रदराज ग्रैंड स्लैम चैम्पियन विक सेक्सास का निधन

विम्बलडन विजेता और टेनिस हॉल ऑफ फेम

में शामिल अमेरिका के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी विक सेक्सास का 100 वर्ष की आयु में निधन हो गया। इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम ने उनके निधन की पुष्टि की। सेक्सास सबसे उम्रदराज ग्रैंडस्लैम चैम्पियन थे। उन्होंने रिकॉर्ड 28 बार यूएस ओपन में हिस्सा लिया है। सेक्सास ने वर्ष 1953 में विम्बलडन और वर्ष 1954 में यूएस ओपन का खिताब जीता था। इसके अलावा उन्होंने पुरुष युगल वर्ग में पांच और मिश्रित युगल वर्ग में आठ ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं। उन्हें वर्ष 1971 में टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया था।

अमेरिकी फिल्म निर्माता जॉन लैंडोउ का निधन

अमेरिका के दिग्गज फिल्म निर्माता और ऑस्कर

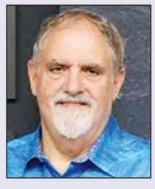

पुरस्कार विजेता जॉन लैंडोउ का निधन हो गया। वह 63 वर्ष के थे। लैंडोउ ने फिल्म निर्देशक जेम्स कैमरन के साथ मिलकर टाइटैनिक और अवतार जैसी बेहतरीन फिल्मों का निर्माण किया है। कैमरन और लैंडोउ की जोड़ी की फिल्मों ने 11 ऑस्कर पुरस्कार जीते हैं। इस जोड़ी ने अब तक रिलीज हुई सबसे ज्यादा कमाई करने वाली टॉप-4 में से 3 फिल्मों का निर्माण किया है। इनमें टाइटैनिक, अवतार और अवतार - द वे ऑफ वॉटर शामिल हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 4929/27/2024/चयन इंदौर, दिनांक : 9 जुलाई 2024

राज्य वन सेवा परीक्षा-2022

चयन-सूची (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

पदनाम - परियोजना क्षेत्रपाल

आयोग के विज्ञापन क्रमांक **12/2022 दिनांक 30.12.2022** एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में म.प्र. शासन, **वन विभाग** के तहत मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम लि. अंतर्गत विज्ञापित **पद - परियोजना क्षेत्रपाल** के कुल 15 पद (अनारक्षित-04, अ.जा.-02, अ.ज.जा.-03, अ.पि.वर्ग-04, ई.डब्ल्यू.एस.-02) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए **राज्य वन सेवा परीक्षा-2022** अंतर्गत **प्रारंभिक परीक्षा** के उपरांत **राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा-2022 दिनांक 10.12.2023 को** आयोजित की गई। आयोग द्वारा **राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा-2022** का परीक्षा परिणाम **दिनांक 29.01.2024** को घोषित किया गया। उक्त परीक्षा में अर्ह आवेदकों के साक्षात्कार **02.07.2024** को आयोजित किए गए हैं।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में म.प्र. शासन, वन विभाग के अंतर्गत, मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम लि. के पत्र क्रमांक/वविनि/प्रशा./2022/3507 दिनांक 09.12.2022 के माध्यम से प्राप्त रिक्ति विवरण अनुसार आयोग द्वारा जारी शुद्धिपत्र क्रमांक 01.12.2022 दिनांक 19.06.2023 के बिन्दु क्रमांक 02 में वर्णित तालिका अनुसार उपरोक्त विज्ञापन क्रमांक 12/2022 दिनांक 30.12.2021 के अंतर्गत विज्ञापित कुल पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत मुख्य भाग हेतु पुनरीक्षित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। उक्त शुद्धि पत्र दिनांक 19.06.2023 में उल्लेखित टीप के परिप्रेक्ष्य में प्रावधिक भाग का चयन परिणाम अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण के संबंध में प्रचलित न्यायालयीन प्रकरण के अंतिम न्यायिक निर्णय के पश्चात घोषित किया जाएगा।

3. राज्य शासन के उक्त पत्र दिनांक 29.09.2022 के संदर्भ में आयोग द्वारा घोषित मुख्य परीक्षा परिणाम दिनांक 29.01.2024 के पैरा 04 के बिन्दु क्रमांक 02 में उल्लेखित बिन्दु के परिपालन में साक्षात्कार में सम्मिलित अभ्यर्थियों द्वारा भरे गए अभिवचन पत्र के अनुसार मुख्य भाग-87 प्रतिशत एवं प्रावधिक भाग-13 प्रतिशत में अर्ह अभ्यर्थी अपने-अपने भाग में बने रहेंगे। चयन के किसी भी स्तर पर ये एक दूसरे के अंतर परिवर्तन (इंटरचेंज) हेतु दावा नहीं कर सकेंगे।

4. अतएव, मुख्य परीक्षा परीक्षा + साक्षात्कार में प्राप्त प्राप्तांकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :–

परियोजना क्षेत्रपाल

पद विवरण तालिका (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	4	2	3	2	2	**13**

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1.	100123	ANKUR GUPTA	M	UNR	EWS
2.	100249	UBHAY SINGH PARIHAR	M	EWS	EWS
3.	100170	RAJVEER SHRIVAS	M	UNR	OBC
4.	100243	RAMA KANT GUPTA	M	UNR	EWS
5.	100034	SANJEET YADAV	M	OBC	OBC
6.	100278	SATYAM KUMAR TRIPATHI	M	EWS	EWS
7.	100074	BALJEET SINGH	M	OBC	OBC
8.	100292	PARUL AGRAWAL	F	UNR	UNR
9.	100219	SURAJ ALHAPURIYA	M	SC	SC
10.	100256	PRABHANSHU PAWAR	M	SC	SC
11.	100218	VIJAYSINGH SOLANKI	M	ST	ST
12.	100295	GABBU PARMAK	M	ST	ST
13.	100163	PANKAJ CHOUHAN	M	ST	ST

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1.	100010	PANKAJ KUMAR BASEDIYA	M	EWS
2.	100223	VINAY KUMAR PANDEY	M	EWS
3.	100178	SATYAM VERMA	M	OBC
4.	100174	SRAJAN SONI	M	OBC
5.	100260	KANIKA GUPTA	F	EWS
6.	100210	SAMAY JAIN	M	EWS
7.	100158	NIRMAL CHOUHAN	M	SC
8.	100258	ANKITA	F	SC

टीप :–

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हो। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किए जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
2. घोषित चयन परिणाम माननीय उच्चतम न्यायालय में दायर याचिका क्रमांक एस.एल.पी. 12398/2023, मान. उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी. 5901/2019, याचिका क्रमांक 25181/2019,याचिका क्रमांक 1967/2023 एवं अन्य समान याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा। इसी प्रकार ई.डब्ल्यू. एस. वर्ग के अभ्यर्थियों के चयन की अभ्यर्थिता विज्ञापन के परिशिष्ट-एक में वर्णित कंडिका चार में उल्लेखित याचिका क्रमांक 2108/2022 के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगी।
3. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

सचिव

जी-13459/49831/2024 म.प्र. लोक सेवा आयोग, इंदौर

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ई-मेल - ce.tender.wrdmp@gmail.com, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 1076/2023-24/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ भोपाल, दिनांक : 07.07.2024

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 30.07.2024** को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2024_WRD_355261	**टर्न की पद्धति पर :–** बण्डा वृहद सिंचाई परियोजना के डूब प्रभावित 10 मार्ग (स्टेट हाईवे एवं अन्य मार्ग), 05 नग ब्रिज (प्रोटेक्शन कार्य सहित), 05 नग पाइप कल्वर्ट, 07 नग स्लैब कल्वर्ट का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	सागर	4670.36
2.	2024_WRD_355263	राजघाट बांयी तट मुख्य नहर की आर.डी. 28005 मी. एवं लोअर ओर बांध के डाउन स्ट्रीम में ओर नदी पर केनाल साईफन का निर्माण कार्य।	शिवपुरी	3411.00

जी-13422/49830/2024 मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्रों में प्रशिक्षण हेतु प्रवेश परीक्षा (ANMTST) 2024 के आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं

आवेदन पत्र भरने की तिथि 24.07.2024 से 07.08.2024 तक | **ऑनलाइन परीक्षा पद्धति समय सारणी** | **आवेदन पत्र में संशोधन करने की तिथि 24.07.2024 से 12.08.2024 तक**

परीक्षा दिनांक	परीक्षा की पाली	अभ्यर्थियों के लिए रिपोर्टिंग समय	उत्तर अंकित का समय
28 एवं 29 अगस्त 2024	प्रथम	प्रात: 07:00 से प्रात: 08:00 बजे तक	प्रात: 09:00 से 11:00 बजे तक (02 घंटे)
	द्वितीय	दोपहर 12:00 से दोपहर 01:00 बजे तक	दोपहर 02:00 से 04:00 बजे तक (02 घंटे)

परीक्षा शहर :- भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सागर, सतना, रतलाम एवं रीवा

आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया एवं महत्वपूर्ण निर्देश :-

1. परीक्षा की विस्तृत नियमपुस्तिका मण्डल की वेबसाइट **www.esb.mp.gov.in** उपलब्ध रहेगी, जिसमें उल्लेखित समस्त नियमों/जानकारी का अध्ययन करके ही आवेदन पत्र भरा जावे।
2. वेबसाइट **www.esb.mponline.gov.in** के माध्यम से आवेदन पत्र भरा जा सकता है।
3. **परीक्षा शुल्क***

अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिए	**रु. 400/-**
अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/दिव्यांग एवं ई.डब्ल्यू.एस. अभ्यर्थियों के लिए (केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासियों के लिए)	**रु. 200/-**
ऑनलाइन आवेदन- कियोस्क के माध्यम से ऑनलाइन भरने वाले अभ्यर्थियों हेतु एम.पी. ऑनलाइन का पोर्टल शुल्क	**रु. 60/-**
अतिरिक्त रजिस्टर्ड सिटिजन यूजर के माध्यम से लागिन कर फार्म भरने पर पोर्टल शुल्क	**रु. 20/-**

विशेष निर्देश -

1. अभ्यर्थी का आधार पंजीयन अनिवार्य है।
2. मण्डल द्वारा आयोजित परीक्षाओं में मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के रूप में अभ्यर्थी मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, पासपोर्ट, में से कोई एक को चयनित कर सकता है। यू.आई.डी.ए.आई. (UIDAI) के द्वारा सत्यपित (Verify) होने पर ही ई-आधार मान्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के अभाव में परीक्षार्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित किया जाएगा।
3. अभ्यर्थी को नियम पुस्तिका में विनिश्चित मूल परिचय पत्र के अतिरिक्त अपना आधार कार्ड/ई - आधार कार्ड की छायाप्रति/ आधार नंबर/आधार VID की जानकारी लाना अनिवार्य है।
4. परीक्षा में प्रवेश के समय एवं परीक्षा के दौरान बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है। अत: जिन अभ्यर्थियों का आधार नंबर लॉक हैं वह परीक्षा दिनांक को परीक्षा केंद्र पर उपस्थिति के पूर्व आधार अनलॉक करवाना सुनिश्चित करें।
5. परीक्षार्थियों को परीक्षा में रिपोर्टिंग समय तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी। इसके पश्चात विलम्ब से आने पर अभ्यर्थियों की प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
6. परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस यथा मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, लॉग टेबल्स, डिजीटल घड़ी, नकल पर्चा एवं sun glasses (धूप का चश्मा) आदि का उपयोग पूर्णत: वर्जित है।
7. ऑनलाइन आवेदन-पत्र क्रमांक के द्वारा ही ऑनलाइन परीक्षा हेतु अभ्यर्थी अपना प्रवेश-पत्र प्राप्त कर सकते हैं। अत: आवेदन-पत्र क्रमांक आवश्यक रूप से संभाल कर रखें, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी।
8. परीक्षा केंद्र पर आवेदक को काला बाल प्वाइंट पेन तथा परीक्षा हॉल में प्रवेश हेतु मण्डल वेबसाइट से डाउनलोड किये गये प्रवेश-पत्र साथ लाना अनिवार्य है।
9. किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात् परीक्षा समाप्ति तक परीक्षा कक्ष छोडने की अनुमति नही होगी।
10. आवेदन-पत्र भरते समय उम्मीदवारों के किसी भी प्रमाण पत्र का परीक्षण मण्डल द्वारा नही किया जाकर नियुक्ति प्रकिया के दौरान सम्बंधित विभाग द्वारा किया जाता है। अत: कम्प्यूटर आधारित (Online) परीक्षा में उम्मीदवारों की पात्रता (Eligibility) पूर्णत: प्रावधिक (Provisional) होगी।

विशेष नोट : मण्डल अपनी सुविधानुसार परीक्षा तिथि/परीक्षा पाली/शहरों/केन्द्रों एवं अन्य बिन्दुओं में परिवर्तन कर सकता है।

विज्ञापन क्र. 29/2024 **संचालक**

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल

'चयन भवन' मेन रोड नं. - 1, चिनार पार्क (ईस्ट) भोपाल - 462011

Fax : +91-755-2550498, Website : www.esb.mp.gov.in

म.प्र. माध्यम/115468/2024 R-49836/2024

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, डी-5/2, एम.आय.जी., महाश्वेता नगर, इस्कॉन मंदिर के सामने, उज्जैन (म.प्र.)

Email : mpphcl_ujjain@yahoo.in, फोन नं. : 0734-2527715, मोबा. 9406808103

क्र. 879-885/पय/मप्रपुआअविनि/24/उज्जैन दिनांक : 18.7.24

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 07/2024-25

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, संभाग उज्जैन के अंतर्गत निविदा क्रमांक 07/2024-25 दिनांक 18.07.2024 के अंतर्गत बाह्य विद्युतीकरण कार्य 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल भवन सोनकच्छ जिला देवास एवं निविदा क्रमांक 08/2024-25 दिनांक 18.07.2024 के अंतर्गत सी.एम. राइज़ स्कूल जालसेवा उज्जैन में ध्वस्तीकरण योग्य भवन का ध्वस्तीकरण कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2024_MPPHC_358259, 2024_MPPHC_358465 आमंत्रित की गई है।

निविदा प्रपत्र ऑनलाइन **दिनांक 02.08.2024 17.00 बजे तक** प्रस्तुत किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : **https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/115458/2024 R-49835/2024 **परियोजना यंत्री**

कृषि क्षेत्र में कॅरियर : विभिन्न विकल्प, जरूरी योग्यता और संभावनाएं

कृषि वैज्ञानिक

कृषि वैज्ञानिक के रूप में कॅरियर बनाना एक सम्मानजनक और चुनौतीपूर्ण विकल्प है। कृषि वैज्ञानिक, समाज और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। कृषि वैज्ञानिक फसल उत्पादन, पौध संरक्षण, मृदा विज्ञान और कृषि जैव प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान करते हैं। इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए संबंधित विषय में उच्च शिक्षित होना जरूरी है।

कृषि वैज्ञानिक के लिए जरूरी स्किल

- **अनुसंधान कौशल** : वैज्ञानिक अनुसंधान पद्धतियों को समझना और उपयोग करना।
- **विश्लेषणात्मक कौशल :** डेटा का विश्लेषण और व्याख्या करना।
- **तकनीकी ज्ञान :** कृषि उपकरणों और तकनीकों का ज्ञान।
- **समस्या-समाधान :** कृषि से संबंधित समस्याओं का समाधान खोजना।
- **कम्युनिकेशन स्किल** : शोध पत्र, रिपोर्ट और प्रस्तुति देने की क्षमता।

कृषि इंजीनियर

कृषि इंजीनियर के रूप में कॅरियर बनाना एक और उत्कृष्ट विकल्प है। कृषि इंजीनियर आधुनिक कृषि के लिए जरूरी तकनीकी समाधान प्रदान करते हैं। कृषि इंजीनियरिंग कृषि उत्पादन की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, कुशल और टिकाऊ बनाने में अपना योगदान देते हैं। कृषि इंजीनियर बनने के लिए कृषि इंजीनियरिंग में स्नातक होना जरूरी है।

कृषि इंजीनियर के लिए जरूरी स्किल

- **तकनीकी कौशल :** कृषि मशीनरी और उपकरणों का डिजाइन और रखरखाव करना।
- **अनुसंधान और विकास :** नई तकनीकों और प्रणालियों का विकास करना।
- **समस्या-समाधान :** कृषि उत्पादन में आने वाली तकनीकी समस्याओं का समाधान करना।
- **प्रोजेक्ट प्रबंधन :** परियोजनाओं की योजना बनाना और निष्पादन करना।
- **संचार कौशल :** तकनीकी जानकारी को स्पष्ट और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना।

कृषि अधिकारी

कृषि अधिकारी के रूप में कॅरियर बनाना एक प्रतिष्ठित और महत्वपूर्ण भूमिका है। यह किसानों को मार्गदर्शन देने, कृषि योजनाओं के कार्यान्वयन और कृषि सुधार में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। कृषि विज्ञान, बागवानी, कृषि इंजीनियरिंग, पशुपालन, आदि में स्नातक डिग्री, या अन्य संबंधित डिग्री या डिप्लोमा लेकर सरकार द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से आप सरकारी विभागों में कृषि अधिकारी बन सकते हैं।

कृषि अधिकारी के लिए जरूरी स्किल

- **तकनीकी ज्ञान :** कृषि के विभिन्न पहलुओं का ज्ञान, जैसे फसल उत्पादन, मृदा स्वास्थ्य, सिंचाई तकनीकें आदि।
- **संचार कौशल :** किसानों और अन्य हितधारकों के साथ प्रभावी संवाद करने की कला।
- **प्रबंधन कौशल :** परियोजनाओं और योजनाओं का प्रबंधन करना।
- **समस्या-समाधान :** कृषि समस्याओं का विश्लेषण और समाधान ढूंढना।
- **परामर्श और प्रशिक्षण :** किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों और विधियों के बारे में प्रशिक्षण देना।

फार्म मैनेजर

फार्म मैनेजर के रूप में आपको फार्म के संचालन और प्रबंधन की जिम्मेदारियां संभालनी होती है। फार्म मैनेजर कृषि उत्पादन, श्रमिक प्रबंधन, और व्यावसायिक संचालन को संभालता है। कृषि विज्ञान, बागवानी, कृषि व्यवसाय प्रबंधन या संबंधित क्षेत्र में डिग्री या डिप्लोमा लेकर इस क्षेत्र में कॅरियर बनाया जा सकता है।

फार्म मैनेजर के लिए जरूरी स्किल

- **तकनीकी ज्ञान :** फसल उत्पादन, पशुपालन और कृषि मशीनरी का ज्ञान हो।
- **प्रबंधन कौशल :** श्रमिकों का प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन और संसाधनों का कुशल उपयोग करना।
- **संचार कौशल :** किसानों, श्रमिकों और ग्राहकों के साथ प्रभावी संवाद करना।
- **समस्या-समाधान :** कृषि उत्पादन में आने वाली समस्याओं का समाधान करना।
- **अनुकूलन क्षमता :** मौसम और बाजार की परिस्थितियों और नई तकनीकों के अनुसार बदलती परिस्थितियों के हिसाब से अनुकूलन क्षमता हो।

मृदा वैज्ञानिक

मृदा वैज्ञानिक कृषि उत्पादकता बढ़ाने, पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के सतत प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे मृदा के गुणों का अध्ययन करते हैं और उसकी उर्वरता, संरचना और स्वास्थ्य में सुधार के उपाय सुझाते हैं। कृषि विज्ञान, मृदा विज्ञान, बागवानी या संबंधित क्षेत्र में उच्च शिक्षा लेकर इस क्षेत्र में कॅरियर बनाया जा सकता है।

मृदा वैज्ञानिक के लिए जरूरी स्किल

- **वैज्ञानिक ज्ञान :** मृदा के रासायनिक, भौतिक और जैविक गुणों का ज्ञान।
- **अनुसंधान कौशल :** अनुसंधान परियोजनाओं की योजना और क्रियान्वयन करना।
- **विश्लेषणात्मक कौशल :** मृदा नमूनों का विश्लेषण और डेटा की व्याख्या करना।
- **समस्या-समाधान :** मृदा से संबंधित समस्याओं का समाधान ढूंढना।
- **संचार कौशल :** वैज्ञानिक निष्कर्षों और सिफारिशों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करना।

कृषि नीति विश्लेषक

कृषि नीति विश्लेषक सरकार, गैर-सरकारी संगठनों और निजी संस्थानों के लिए कृषि नीतियों का विश्लेषण, विकास और मूल्यांकन करते हैं। वे नीतिगत निर्णयों के प्रभाव का आकलन करते हैं और कृषि क्षेत्र की समस्याओं का समाधान सुझाते हैं। कृषि विज्ञान, अर्थशास्त्र, सार्वजनिक नीति, ग्रामीण विकास या संबंधित क्षेत्र में डिग्री और उच्च शिक्षा हासिल करके इस क्षेत्र में अच्छा कॅरियर बनाया जा सकता है।

कृषि नीति विश्लेषक के लिए जरूरी स्किल

- **नीति विश्लेषण :** नीतियों का विश्लेषण और मूल्यांकन करने की क्षमता।
- **आर्थिक विश्लेषण :** कृषि नीतियों का आर्थिक प्रभाव समझना और उसका विश्लेषण करना।
- **अनुसंधान कौशल :** डेटा संग्रह, शोध अध्ययन और रिपोर्ट तैयार करना।
- **संचार कौशल :** नीतिगत सिफारिशों को स्पष्ट और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना।
- **समस्या-समाधान :** कृषि क्षेत्र की समस्याओं का समाधान सुझाना।
- **सांख्यिकी और विश्लेषणात्मक उपकरण :** सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर और विश्लेषणात्मक उपकरणों का उपयोग करना।

कहां मिलेगा रोज़गार?

कृषि या इससे संबंधित डिग्री, डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स करने के बाद विद्यार्थी अपनी योग्यता, क्षमता, ज्ञान और अनुभव के आधार पर निम्न संस्थानों में रोज़गार प्राप्त कर अपने कॅरियर को गति दे सकते हैं।

- **शोध संस्थान :** भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, विभिन्न कृषि विश्वविद्यालय, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान आदि।
- **सरकारी विभाग :** कृषि विभाग, सिंचाई विभाग, मृदा और जल संरक्षण विभाग, पर्यावरण विभाग, बागवानी विभाग आदि।
- **निजी क्षेत्र :** कृषि मशीनरी निर्माता कंपनियां, सिंचाई प्रणाली कंपनियां, फसल प्रसंस्करण उद्योग, कृषि रसायन कंपनियां, बीज कंपनियां, जैव प्रौद्योगिकी कंपनियां आदि।
- **शैक्षिक संस्थान :** विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों और कॉलेजों आदि में।
- **अंतर्राष्ट्रीय संगठनों :** अंतर्राष्ट्रीय मृदा विज्ञान संघ, संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन आदि।
- **बैंकिंग और वित्तीय संस्थान :** नाबार्ड और अन्य बैंकों में।
- **गैर-सरकारी संगठन (NGOs) :** ग्रामीण विकास और कृषि सुधार में कार्यरत विभिन्न NGOs में।

कृषि या संबंधित क्षेत्र में कॅरियर कैसे बनाएं?

- **कक्षा दसवीं के बाद :** कृषि क्षेत्र में अच्छा कॅरियर बनाने के लिए कक्षा दसवीं के बाद से ही कृषि विषय को चुनना बेहतर होगा।
- **उच्च शिक्षा प्राप्त करें :** कृषि या संबंधित क्षेत्र में डिग्री, डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स करें। देश और प्रदेश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालय जैसे जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय आदि में प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से विभिन्न कोर्स में प्रवेश दिया जाता है।

- निशा त्यागी
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं और सम-सामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं)

कारगिल विजय : भारत माता के माथे पर शौर्य का टीका

युद्ध किसी समस्या का हल नहीं होता है लेकिन जब बात देश की अस्मिता, सुरक्षा और संप्रभुता पर आ जाए तो एकमात्र विकल्प युद्ध शेष रह जाता है। 25 वर्ष पहले भारत के चिर-परिचित दुश्मन पाकिस्तान ने दोनों देशों को युद्ध के मुहाने पर ला खड़ा किया। दो माह की लम्बी लड़ाई के बाद भारत युद्ध में विजय की रणभेरी बजाने में कामयाब रहा। भारतीय नौजवानों ने अपने खून से भारत माता के माथे पर शौर्य का टीका लगाकर उसके मान में वृद्धि की। इस कारगिल युद्ध, जिसे ऑपरेशन विजय के नाम से भी जाना जाता है। 26 जुलाई, 1999 को भारत ने कारगिल युद्ध में विजय हासिल की थी। इस दिन को हर वर्ष विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। करीब दो महीने तक चला कारगिल युद्ध भारतीय सेना के साहस और जाँबाजी का ऐसा उदाहरण है जिस पर हर भारतीय देशवासी को गर्व होना चाहिए। तकरीबन 18 हजार फीट की ऊंचाई पर कारगिल में लड़ी गई इस जंग में देश ने लगभग 527 वीर योद्धाओं को खोया था वहीं 1300 से ज्यादा घायल हुए थे। युद्ध में हजारों पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और सैकड़ों पाकिस्तानी सैनिक जंग छोड़ के भाग गए।

कारगिल युद्ध भारत और पाकिस्तान के बीच मई और जुलाई 1999 के बीच कश्मीर के कारगिल जिले में हुआ था। पाकिस्तान की सेना और कश्मीरी उग्रवादियों ने भारत और पाकिस्तान के बीच की नियंत्रण रेखा पार करके भारत की ज़मीन पर कब्ज़ा करने की कोशिश की। भारतीय सेना और वायुसेना ने पाकिस्तान के कब्ज़े वाली जगहों पर हमला किया और धीरे-धीरे पाकिस्तान को सीमा पार वापिस जाने को मजबूर किया। यह युद्ध ऊंचाई वाले इलाके पर हुआ और दोनों देशों की सेनाओं को लड़ने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। परमाणु हथियार बनाने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ यह पहला सशस्त्र संघर्ष था।

पाकिस्तान की सेना और कश्मीरी उग्रवादियों ने षड़यंत्र करके भारत की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की थी। हालांकि इंडियन आर्मी के बहादुर जवानों ने न सिर्फ पाकिस्तान को इस लड़ाई में धूल चटाई, बल्कि शौर्य की एक ऐसी मिसाल पेश की जो इतिहास के पन्नों में अपनी जगह बना गई। इस युद्ध की शुरुआत 3 मई 1999 को ही हो गई थी जब पाकिस्तान ने कारगिल की ऊंची पहाड़ियों पर 5 हजार से भी ज्यादा सैनिकों के साथ घुसपैठ कर कब्जा जमा लिया था। भारत सरकार को जब घुसपैठ की जानकारी मिली तब पाकिस्तानी सैनिकों को खदेड़ने के लिए ऑपरेशन विजय चलाया गया। पाकिस्तान ने दावा किया था कि इस लड़ाई में लड़ने वाले सभी कश्मीरी उग्रवादी हैं, लेकिन युद्ध में बरामद हुए दस्तावेजों और पाकिस्तानी नेताओं के बयानों से साबित हुआ कि पाकिस्तान की सेना प्रत्यक्ष रूप में इस युद्ध में शामिल थी।

8 मई, 1999 को पाकिस्तान की 6 नॉर्दर्न लाइट इंफैंट्री के कैप्टन इफ्तेखार और लांस हवलदार अब्दुल हकीम 12 सैनिकों के साथ कारगिल की आजम चौकी पर कब्जा जमाए बैठे हुए थे। उन्होंने देखा कि कुछ भारतीय चरवाहे कुछ दूरी पर अपने मवेशियों को चरा रहे थे। पाकिस्तानी सैनिकों ने आपस में इन चरवाहों को बंदी बनाने को लेकर चर्चा की, लेकिन जब उन्हें लगा कि ऐसा करने की सूरत में चरवाहे उनका राशन खा जाएंगे, तो उन्होंने उन्हें वहां से जाने दिया। कुछ देर बाद ये चरवाहे भारतीय सेना के 6-7 जवानों के साथ वहां वापस लौटे और पाकिस्तान के नापाक इरादों की पोल खुल गई।

पाकिस्तान का मकसद यही था कि भारत की सुदूर उत्तर की टिप पर सियाचिन ग्लेशियर की लाइफ लाइन को किसी तरह काट कर उस पर नियंत्रण किया जाए। पाकिस्तानी सैनिक उन पहाड़ियों पर आना चाहते थे जहां से वे लद्दाख की ओर जाने वाली रसद ले जाने वाले काफिलों की आवाजाही को रोक दें और भारत को मजबूर हो कर सियाचिन छोड़ना पड़े। दरअसल, मुशर्रफ को यह बात बहुत बुरी लगी थी कि भारत ने 1984 में सियाचिन पर कब्जा कर लिया था। उस समय वह पाकिस्तान की कमांडो फोर्स में मेजर हुआ करते थे। उन्होंने कई बार उस जगह को खाली करवाने की कोशिश की थी लेकिन कामयाब नहीं हो पाए।

कारगिल की लड़ाई शुरू में भारत के लिए काफी मुश्किल साबित हो रही थी, लेकिन बोफोर्स और एयर फोर्स की एंट्री ने पूरी तस्वीर ही बदल दी। बोफोर्स तोपों के हमले तो इतने भयानक और सटीक थे कि उन्होंने पाकिस्तानी चौकियों को पूरी तरह तबाह कर दिया था। पाकिस्तानी सैनिक बिना किसी रसद के लड़ रहे थे और भारतीय सैनिकों की दिलेरी के आगे उनकी एक नहीं चल पा रही थी। वहीं, कारगिल में वायु सेना की सबसे बड़ी भूमिका मनोवैज्ञानिक थी क्योंकि पाकिस्तानी सैनिकों को जैसे ही ऊपर से भारतीय जेटों की आवाज सुनाई पड़ती, वे बुरी तरह घबरा जाते थे और इधर उधर भागने लगते थे।

भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के खिलाफ मिग-27 और मिग-29 का भी इस्तेमाल किया। इसके बाद जहाँ भी पाकिस्तान ने कब्जा किया था वहाँ बम गिराए गए। इसके अलावा मिग-29 की सहायता से पाकिस्तान के कई ठिकानों पर आर-77 मिसाइलों से हमला किया गया।

कारगिल युद्ध से सीख लेकर मजबूत हुई सेना

कारगिल की लड़ाई से सीख लेकर भारत ने सीमा पर सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए। सरकार ने एक तरफ जहां रक्षा बजट को और बढ़ाया, वहीं सेना की क्षमता बढ़ाने पर भी काम शुरू हुआ। जंग के दौरान कई तरह की अनियमितताएं भी सामने आई थीं जिन्हें दूर करने के प्रयास हुए। साथ ही सीमा पर लगातार निगरानी की व्यवस्था की गई। कारगिल की लड़ाई ने भारत को वक्त पर कुछ ऐसे सबक दिए जो सीखने बेहद जरूरी थे। अपनी गलतियों से सीख लेकर भारत ने लगातार सुधार जारी रखा और आज इस स्थिति में पहुंच गया है कि एक साथ दो मोर्चों पर बड़ी आसानी से दुश्मनों को संभाल सकता है।

कारगिल युद्ध इतिहास के पन्नों में पाकिस्तान की पराजय और भारत की विजय के रूप में दर्ज है। भारत से दुश्मनी मोल लेने वाले अन्य देशों ने इसके पहले भी पराजय का मुँह देखा है और पाकिस्तान को 25 वर्ष पहले भी पराजय का मुंह ताकना पड़ा था। भारत की नीति शांति की रही है, लेकिन बात जब देश पर आती है तो वह आने वाले समय में ऐसी कई कारगिल विजय हासिल करने के लिए तैयार है। भारत माता के माथे पर शौर्य और विजय का टीका लगाकर हमारे वीर जवान संदेश देते हैं कि हमसे जो टकराएगा, मिट्टी में मिल जाएगा।

- प्रो. मनोज कुमार
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं शोध पत्रिका समागम के संपादक हैं)

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बीबीनगर

पद का नाम - चिकित्सा भौतिक विज्ञानी (रेडियोथेरेपी, नाभिकीय औषधि), नैदानिक मनोवैज्ञानिक (मनोचिकित्सा), बाल मनोवैज्ञानिक (बाल चिकित्सा), वरिष्ठ आईटी सलाहकार, प्रणाली विश्लेषक, सलाहकार (लेखा परीक्षा), सलाहकार (खरीद)
पदों की संख्या - 08
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 27 जुलाई, 2024
वेबसाइट - https://aiimsbibinagar.edu.in/

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पद का नाम - अपर महाप्रबंधक/संयुक्त महाप्रबंधक (सिविल) अनुबंध के आधार पर
पदों की संख्या - 04
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 26 जुलाई, 2024
वेबसाइट - https://mrvc.indianrailways.gov.in/?lang=1

केनरा बैंक

पद का नाम - मुख्य अर्थशास्त्री (संविदा के आधार पर)
पदों की संख्या - 01
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 28 जुलाई, 2024
वेबसाइट - https://canarabank.com/

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़

पद का नाम - सहायक प्रोफेसर (मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, प्राकृतिक भाषा संसाधन, कंप्यूटर विजन, विग डेटा विश्लेषिकी, सुरक्षा में एआई, कृषि में एआई, स्वास्थ्य देखभाल में एआई, रोबोटिक्स एवं स्वशासी प्रणालियां, मानव कंप्यूटर समेकन, बहु-मॉडल लर्निंग
पदों की संख्या - उल्लेखित नहीं
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 31 जुलाई, 2024
वेबसाइट - https://www.iitrpr.ac.in/

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान

पद का नाम - प्रधान डिजाइनर, प्रधान तकनीकी अनुदेशक, वरिष्ठ तकनीकी अनुदेशक, संकाय, उप कुलसचिव, प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ सहायक पुस्तकाध्यक्ष, वरिष्ठ अधीक्षक, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, अधीक्षक, वरिष्ठ सहायक, वरिष्ठ पुस्तकालय सहायक, वरिष्ठ सहायक, सहायक, सह-वरि.तकनीकी अनुदेशक, सह-वरि.डिजाइन अनुदेशक, डिजाइन अनुदेशक, तकनीकी अनुदेशक, वरिष्ठ अभियन्ता, सहायक अभियन्ता, पर्यवेक्षक, तकनीकी सहायक।
पदों की संख्या - 38
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 26 जुलाई, 2024
वेबसाइट - https://www.nid.ac.in/

एडमिशन अलर्ट

राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधान शाला

पाठ्यक्रम का नाम - सांस्कृतिक संपत्ति संरक्षण में छह माह का प्रमाण पत्र प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
योग्यता - सेवारत उम्मीदवार के लिए - संग्रहालय, पुरालेख, वाचनालय और अन्य सरकारी/गैर सरकारी संस्थानों में कार्यरत कैमिस्ट, संरक्षक, नवीकरण करने वाले।
फ्रेशर के लिए - स्नातक स्तर पर विषय के रूप में रसायन विज्ञान के साथ विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री या सूक्ष्म कला में स्नातकोत्तर डिग्री या कला संरक्षण में स्नातकोत्तर डिग्री या पुरातत्व विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री या संग्रहालय विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री या पुरातत्व विज्ञान और संग्रहालय विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा।
अंतिम तिथि - 30 जुलाई, 2024
ईमेल और पता - प्रशिक्षण समन्वयक को trgnrlc@gmail.com पर ईमेल करके आवेदन पत्र प्राप्त किया जा सकता है। इसी मेल आईडी या प्रशिक्षण समन्वयक, एनआरएलसी प्रशिक्षण संस्थान, सहारा राज्य रोड, सेक्टर जी, जानकीपुरम, लखनऊ-226021 पर आवेदन भेज सकते हैं।

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट

पाठ्यक्रम का नाम - स्नातकोत्तर (एम.एस.डब्ल्यू, एम,एफ.ए, एम.लिब.आई.एससी.), एमए (हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, राजनीति विज्ञान, इतिहास, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, शिक्षा, खेल मनोविज्ञान), एम.एस.सी. (प्राणी विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, सुदूर संवेदन एवं जीआईएस, पर्यावरण विज्ञान, भौतिकी, अनुप्रयुक्त भूविज्ञान, गणित, रसायन विज्ञान, औद्योगिक रसायन विज्ञान), बीएससी, बीसीए, डीसीए, पीजीडीसीए, एम.कॉम, एमए (ग्रामीण विकास), एमबीए (कृषि व्यवसाय प्रबंधन, ग्रामीण प्रबंधन), बीबीए, बी.कॉम., एम.वोक. (कृषि संचालन एवं प्रबंधन, खुदरा प्रबंधन एवं सूचना प्रौद्योगिकी), बी.वोक. (कृषि संचालन एवं प्रबंधन, खाद्य प्रसंस्करण एवं प्रौद्योगिकी खुदरा प्रबंधन एवं सूचना प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा एवं सूचना प्रौद्योगिकी, बीटेक (सिविल इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रौद्योगिकी, कृषि इंजीनियरिंग) आदि पाठ्यक्रम।
योग्यता - पाठ्यक्रमानुसार
अंतिम तिथि - 31 जुलाई 2024
वेबसाइट - https://gramodayachitrakoot.ac.in/

एमएसएमई उपकरण रूम, हैदराबाद

पाठ्यक्रम का नाम - मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग (मैकेनिकल सीएडी/सीएएम, टूल डिजाइन, डिजाइन फॉर मैन्युफैक्चर, मेकाट्रॉनिक्स)
योग्यता - पाठ्यक्रमानुसार
अंतिम तिथि - 31 जुलाई, 2024
वेबसाइट - https://www.citdindia.org/

प्रतियोगिता और पुरस्कार

जेएम सेठिया मेरिट स्कॉलरशिप स्कीम 2024

किनके लिये - इसके लिए कक्षा 9वीं से 12वीं तक, ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन और प्रोफेशनल कोर्सेज में नामांकित छात्र आवेदन कर सकते हैं।
योग्यता - 9वीं से ग्रेजुएशन तक पढ़ाई कर रहे उम्मीदवारों के पिछली कक्षा में 75% अंक होने चाहिए। पोस्ट ग्रेजुएशन और प्रोफेशनल कोर्स के विद्यार्थियों के लिए पिछली कक्षा में 60% अंक आवश्यक हैं।
क्या मिलेगा - चयनित उम्मीदवारों को प्रतिवर्ष 12,000 रुपए तक का आर्थिक प्रोत्साहन दिया जाएगा।
अंतिम तिथि - 31 जुलाई, 2024
वेबसाइट - https://www.jmstrust.com/activities.html

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दिवस | 27 जुलाई

शान्ति और सुरक्षा के लिये तैनात - सीआरपीएफ

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सेन्ट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स) भारत के केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में आकार में सबसे बड़ा है। यह पुलिस बल भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अन्तर्गत काम करता है। सीआरपीएफ की प्राथमिक भूमिका पुलिस कार्रवाई में राज्य अथवा संघ शासित प्रदेशों की सहायता करना, कानून-व्यवस्था की स्थिति को बनाये रखना और आतंकवाद निरोधक कार्रवाई करना है। देश की शान्ति और सुरक्षा के लिये हमेशा तैनात रहने वाला यह एक महत्वपूर्ण पुलिस बल है। यह एक क्राउन प्रतिनिधि पुलिस बल है और इस स्वरूप में यह 27 जुलाई 1939 को अस्तित्व में आया था। भारत की स्वतंत्रता के बाद 28 दिसंबर 1949 को सीआरपीएफ अधिनियम के लागू होने पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल बन गया।

246 बटालियन और विभिन्न प्रतिष्ठानों में कार्यरत इकाइयों के साथ, सीआरपीएफ को भारत का सबसे बड़ा अर्धसैनिक बल माना जाता है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के प्रतीक चिह्न को दो राष्ट्रीय ध्वज के साथ सम्पन्नता की प्रतीक गेहूं की दो बालियों और उनके मध्य शौर्य के प्रतीक अशोक चक्र के साथ निरुपित किया गया है। सीआरपीएफ का आदर्श वाक्य - "सेवा और निष्ठा" है। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का मुख्यालय नई दिल्ली में है। गृह मंत्रालय के अधीन इस बल के नीतिगत निर्णय संवैधानिक शक्तियों के अधीन गृह मंत्री श्री अमित शाह लेते हैं। प्रशासनिक स्तर पर कार्यपालिका शक्तियों का निर्वहन श्री अनीश दयाल सिंह, महानिदेशक, सीआरपीएफ करते हैं। अपनी विलक्षण कर्तव्य परायणता के कारण बल ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

देश के पहले गृह मंत्री ने तय की सीआरपीएफ की भूमिका

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, भारत का प्रमुख केंद्रीय पुलिस बल है। यह सबसे पुराना केंद्रीय अर्द्धसैनिक बल है, जिसे अब केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के रूप में जाना जाता है। आन्तरिक सुरक्षा के मद्देनजर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की स्थापना की गई थी। इसे साल 1939 में क्राउन रिप्रजेंटेटिव पुलिस के रूप में गठित किया गया था। आजादी के बाद 28 दिसंबर, 1949 को संसद के एक अधिनियम के तहत इस बल को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल नाम दिया गया। तत्कालीन गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश की बदलती जरूरतों के अनुसार, इस बल के लिए एक बहुआयामी भूमिका की कल्पना की थी। देश की सीमाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी भारतीय सेना के कन्धों पर है, लेकिन देश की आन्तरिक सुरक्षा का जिम्मा सीआरपीएफ के पास है और इस बल की यह भूमिका भी देश के पहले गृह मंत्री ने ही तय की थी। जरूरत पड़ने पर सीआरपीएफ ने देश की सीमाओं पर भी सेना के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर कई अहम् लड़ाइयों में अपना योगदान दिया है। बात चाहे पाकिस्तानी घुसपैठियों की हो या फिर चीन के हमले की, उसे नाकाम कर हर बार सीआरपीएफ ने अपनी वीरता और शौर्य से दुश्मनों को हार का स्वाद चखाया है। भारत के एकीकरण में जब बाधा आई थी तब सीआरपीएफ ने भी अपनी भूमिका को पूरी मजबूती के साथ निभाया था। इसी प्रकार लद्दाख में 1959 में चीनी हमले को सीआरपीएफ ने नाकाम किया था। किसी भी आक्रमण में सेना के साथ शौर्य प्रदर्शन में सीआरपीएफ की महती और निर्णायक भूमिका रही है।

भारतीय सेना की सहायता में सदैव तत्पर - सीआरपीएफ

देश की आजादी के बाद भारत को एक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सीआरपीएफ ने वीरता दिखाते हुए जूनागढ़, काठियावाड़ जैसी रियासतों को भारत में शामिल कराया क्योंकि इन राज्यों ने भारत में शामिल होने से इनकार कर दिया था। इसके अलावा कच्छ, राजस्थान और सिंध सीमाओं में घुसपैठ और सीमा पार अपराधों की जाँच के लिए इसकी टुकड़ियों को भेजा गया था। साथ ही सीआरपीएफ के जवानों ने पाकिस्तानी घुसपैठियों के हमलों को भी नाकाम किया था। इसके बाद सीआरपीएफ को जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तानी सीमा पर तैनात किया गया। सीआरपीएफ ने 21 अक्टूबर 1959 को चीनी हमले को भी नाकाम किया था। हालांकि, इस दौरान दस जवानों ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया था। उनकी याद में हर साल 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 1962 के चीनी आक्रमण के दौरान एक बार फिर सीआरपीएफ ने अपनी बहादुरी की मिसाल पेश की। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सेना को सहायता प्रदान की। इस आक्रमण के दौरान सीआरपीएफ के आठ जवान शहीद हुए थे। वहीं, 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्ध में भी सीआरपीएफ ने भारतीय सेना के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर संघर्ष किया था। भारतीय सेना की सहायता को हमेशा तत्पर रहने वाला यह बल अपने शौर्य के कारण भी जाना जाता है। सीआरपीएफ को जब भी कोई चुनौती भरी भूमिका सौंपी गई इस बल ने उस भूमिका को अपनी पूरी क्षमता से निभाया। इस बल की प्रशिक्षण व्यवस्था की श्रेष्ठता के कारण वैश्विक स्तर पर उसकी सराहना की जाती है।

नक्सली चुनौती पर भारी सीआरपीएफ

नक्सल विद्रोहियों द्वारा उत्पन्न चुनौतियों के लिए गृह मंत्रालय की पहल पर सीआरपीएफ ने कोबरा (दृढ़ कार्रवाई के लिए कमांडो बटालियन) की स्थापना भी की है। इन इकाइयों को शुरू में नक्सल विद्रोहियों का मुकाबला करने के लिए तत्काल तैनात किया गया था। वर्ष 2009 में दो बटालियन के साथ इसकी शुरुआत की थी, इसके बाद दो साल में आठ और बटालियन का गठन किया गया। कोबरा बटालियन को हर तरह के बीहड़ इलाकों में विद्रोहियों के खिलाफ ऑपरेशन के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। अत्यधिक कुशल कर्मियों को सीआरपीएफ से चुना जाता है और उन्हें कठोर शारीरिक सहनशक्ति के साथ प्रशिक्षित किया जाता है और अन्य गतिविधियों के अलावा ऑपरेशन की योजना और निष्पादन, जीपीएस और मानचित्र पढ़ना, खुफिया जानकारी एकत्र करना और फास्ट-रोपिंग सिखाई जाती है। अत्यधिक कुशल कर्मियों को विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित और विशेषज्ञ बनाया जाता है, जिसमें गुरिल्ला युद्ध, विस्फोटक ट्रैकिंग और बम निपटान, फील्ड इंजीनियरिंग, उत्तरजीविता और जंगल युद्ध शामिल हैं। अपनी स्थापना के बाद से, कोबरा इकाइयों ने कई नक्सलियों को मार गिराने और सैंकड़ों को पकड़ने में सफलता पाई है। उन्होंने हथियारों और विस्फोटकों के साथ भारी मात्रा में गोला-बारूद भी बरामद किया है।

विदेशी धरती पर भी होता है सीआरपीएफ का यशगान

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने विदेशी धरती पर भी हमेशा अपनी बहादुरी दिखाई है। सीआरपीएफ की तेरह कम्पनियों को आतंकवादियों से लड़ने के लिए भारतीय शान्ति सेना के साथ श्रीलंका में भी भेजा गया था। इसमें महिलाओं की टुकड़ी भी शामिल थी। सीआरपीएफ को संयुक्त राष्ट्र शान्ति सेना के एक अंग के रूप में हैती, नामीबिया, सोमालिया और मालदीव भी भेजा गया था। मणिपुर और पंजाब में भी इस बल ने अहम भूमिका निभाई थी। सत्तर के दशक में जब उग्रवादियों ने त्रिपुरा और मणिपुर में शान्ति को भंग किया था, उस दौरान सीआरपीएफ के जवानों की तैनाती की गई थी। साथ ही अस्सी के दशक में पंजाब में बढ़ती आतंकी घटनाओं को देखते हुए वहाँ भी सीआरपीएफ को तैनात किया गया था। आतंकवादियों द्वारा 13 दिसम्बर 2001 को भारतीय संसद पर किए गए हमले को भी सीआरपीएफ के बहादुर जवानों ने नाकाम कर दिया था। सीआरपीएफ और आतंकवादियों के बीच तीस मिनट तक चली गोलीबारी में पांचों आतंकियों को मार गिराया गया था। शौर्य और वीरता के प्रतीक इस पुलिस बल को आमने-सामने की लड़ाई के लिये सैन्य प्रशिक्षण तो दिया ही जाता है सीआरपीएफ के जवान आतंकवादियों से मुठभेड़ के लिये कमाण्डो के तौर पर भी प्रशिक्षित होते हैं। सीआरपीएफ अस्त्र-शस्त्र संचालन की विधा में भी सदैव अद्यतन रहते हैं ताकि वे आधुनिक अस्त्र-शस्त्र से लैस दुश्मन का डटकर मुकाबला कर सकें।

अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से लैस है सीआरपीएफ

नक्सल प्रभावित इलाकों में अपने बल को बढ़ाने के लिए और नक्सलियों के खिलाफ कारगर कार्रवाई को अंजाम देने के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल अब ड्रोन, एआई और यूएवी (मानवरहित हवाई व्होहीकल) प्रौद्योगिकी से लैस हो रहा है। मानव रहित ड्रोन- 'माइक्रो यूएवी ए-410' भी अब सीआरपीएफ को उपलब्ध हो गया है। यह यूएवी-आई-वीटू का उन्नत संस्करण है। हथियार और बैटरी के साथ इसका वजन लगभग छह किलो होता है। आस्टेरिया एयरोस्पेस के तैयार किए गए 'मेड इन इंडिया' ड्रोन को भी सीआरपीएफ के बेड़े में शामिल कर लिया गया है। एक 'माइक्रो यूएवी ए-410' की अनुमानित कीमत बारह से पंद्रह लाख रुपये है। सीआरपीएफ नेत्र-वी2 का इस्तेमाल नक्सली प्रभावित इलाकों में बागी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई के लिए कई सालों से कर रहा है। यह ड्रोन कई मौकों पर निगरानी, सैन्य-परीक्षण और रेस्क्यू ऑपरेशंस में बहुत कारगर साबित हुआ है। माइक्रो यूएवी A-410' पैंतीस किलोमीटर प्रति घण्टे की रफ्तार से उड़ सकता है और लगभग एक घण्टे तक 600 मीटर की ऊंचाई पर लगातार उड़ान भर सकता है। इसमें दिन और रात के लिए दो कैमरे (डुअल कैमरा सिस्टम) लगे हुए हैं। दिन वाले कैमरे का रिजॉल्यूशन 1,280 गुणा 720 पिक्सल है। थर्मल इमेजिंग कैपेसिटी से लैस नाइट कैमरे का रिजॉल्यूशन 640 गुणा 480 पिक्सल है। इसकी लैंडिंग और टेक-ऑफ बहुत सरल है।

- राजा दुबे
(लेखक, जनसंपर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं।)

हमारा जिला-मंदसौर

पुरातात्विक और ऐतिहासिक समृद्धि की नगरी मंदसौर

मध्यप्रदेश विविधता से समृद्ध है। प्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता है, क्षमता है और दक्षता है। यहां का प्रत्येक जिला अपना इतिहास, कला, संस्कृति, परंपरा, उपज और अन्य क्षेत्रीय विशेषताएं लिए हुए है। ''रोज़गार और निर्माण'' के हमारा जिला स्तम्भ में हम मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आपको परिचित करवा रहे हैं। इस अंक में प्रस्तुत है मंदसौर जिले का परिचय-

जिला एक नजर में

क्षेत्र : 9,971 वर्ग किलोमीटर
जनसंख्या : 1,339,832
(वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर)
भाषा : हिंदी
गांव : 955

मंदसौर जिला मध्यप्रदेश के दो जिलों के बीच स्थित है। इसके उत्तर-पश्चिम में नीमच और दक्षिण में रतलाम जिला है। यह राजस्थान के प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, कोटा, झालावाड़ जिलों से भी घिरा हुआ है।

मंदसौर जिला उज्जैन संभाग में शामिल है। जिले का मुख्यालय मंदसौर शहर है। पुरातात्विक और ऐतिहासिक विरासत से समृद्ध मंदसौर को शिवना तट पर स्थित पशुपतिनाथ मंदिर विश्व प्रसिद्ध बनाता है। इस मंदिर की मूर्ति नेपाल में स्थित पशुपतिनाथ मंदिर की मूर्ति के समानांतर है।

यहां की आम भाषा मालवी (राजस्थानी और मिश्रित हिंदी) है। यह जिला दुनिया भर में अफीम के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है। स्लेट पेंसिल उद्योग जिले का मुख्य उद्योग है।

क्षेत्र और जनसंख्या

यह जिला मध्यप्रदेश का एक औसत आकार वाला जिला है। लगभग 142 किलोमीटर उत्तर से दक्षिण तक फैला हुआ है और 124 किलोमीटर पूर्व से पश्चिम तक फैला हुआ है। कुल क्षेत्रफल 5521 वर्ग किलोमीटर है।

जिले का नाम, जिला मुख्यालय शहर, मंदसौर के नाम से पड़ा है। यह माना जाता है कि यह नाम मरहसौर से विकसित हुआ था, जो मरह और सौर (या दसौर), जो गांव के दो कस्बों से मिलकर बना था। इस शहर को प्राचीन काल में दशपुर के नाम से भी जाना जाता था।

जिले को चार उपसंभागों और आठ तहसीलों में विभाजित किया गया है। उपसंभाग मुख्यालय मंदसौर, मल्हारगढ़, सीतामऊ और गरोठ में हैं। जबकि मंदसौर, मल्हारगढ़, गरोठ, शामगढ़, दलोदा, भानपुरा, सुवासरा और सीतामऊ जिले की आठ तहसीलें हैं।

जलवायु

इस जिले की जलवायु आमतौर पर दक्षिण-पश्चिम मानसून को छोड़कर शुष्क है। वर्ष को तीन मौसमों में विभाजित किया जा सकता है। ठंड का मौसम दिसंबर से फरवरी तक होता है। इसके बाद मार्च से जून के मध्य तक गर्म मौसम होता है। इसके बाद दक्षिण पश्चिम मानसून का मौसम शुरू होता है और सितंबर के मध्य तक जारी रहता है।

जिले में फरवरी के बाद तापमान में तेजी से वृद्धि होती है। मई आमतौर पर सबसे गर्म महीना होता है जिसका औसत दैनिक तापमान अधिकतम लगभग 39.80 डिग्री सेल्सियस से अधिक तक होता है। दिन के तापमान और गर्मी में चलने वाली हवाओं में अत्यधिक गर्म होता है। इस मौसम के दौरान बेचैनी बढ़ जाती है। गर्मी में जून के मानसून की शुरुआत से पहले दिन का तापमान अक्सर 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला जाता है। जनवरी का महीना सबसे ठंडा होता है जिसका औसत दैनिक तापमान अधिकतम 35 डिग्री सेल्सियस होता है और औसत दैनिक न्यूनतम 9 डिग्री सेल्सियस तक हो जाता है। हर वर्ष तापमान में बदलाव भी होता है।

उत्पादन

महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पाद

महिलाओं के द्वारा मसाले, अचार बड़ी, पापड़, हर्बल साबुन, दीप, अगरबत्ती, वस्त्र निर्माण, पंचगव्य उत्पाद, मीनाकारी, बागे (भगवान के कपड़े), लाख शिल्प, लच्छा, दोना-पत्तल तथा अन्य उत्पाद तैयार किए जाते हैं।

स्लेट पेंसिल

स्लेट पेंसिल उद्योग मंदसौर जिले का मुख्य उद्योग है। सम्पूर्ण भारत में नेचुरल स्लेट पेंसिल का उत्पादन और सप्लाई मंदसौर स्लेट पेंसिल कार्पोरेशन द्वारा की जाती है।

कला संस्कृति

मंदसौर जिला मध्यप्रदेश के मालवा क्षेत्र में स्थित है। यहां गुजराती और राजस्थानी संस्कृति का प्रभाव है। लंबे समय तक इस क्षेत्र में मराठों का शासन रहा है इसलिए मराठी संस्कृति की झलक भी दिखाई देती है। परम्पराओं और संस्कृति से समृद्ध यहां के लोगों में आपसी सामंजस्य और अपनत्व का भाव है। यही अपनापन यहां के शिल्प में भी दिखाई देता है। यहां के पत्थर शिल्प का अनुपम उदाहरण हिंगलाजगढ़ का किला है। यह जिला रेशम बुनाई के लिए विश्व विख्यात है। यहां रंगाई के लिए प्राकृतिक वनस्पति रंगों का उपयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त यहां ब्लॉक प्रिंटिंग, चमड़े के उत्पाद, आभूषण और बाँस शिल्प का कार्य भी किया जाता है।

प्रसिद्ध नृत्य

यहां के लोकनृत्यों में लोक संगीत का प्रभाव है। यहाँ लावणी नृत्य प्रचलित है। यहां की जनजातियों में विशेषकर भीलों के अपने लोकगीत हैं। उन्हीं गीतों पर लोकनृत्य प्रस्तुत किये जाते हैं। राजा भोज और बिजोरी की किंवदंतियां, कंजर की कहानियां लोकगीत के विषयों में शमिल हैं। यहां की लोकप्रिय नृत्य शैली स्वांग है।

पार्श्वनाथ मंदिर

मंदसौर से 16 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है पार्श्वनाथ मंदिर। इस तीर्थस्थल की स्थापना राजा संप्रति ने की थी। यहां भगवान पार्श्वनाथ की काले रंग की प्रतिमा पद्मासन मुद्रा में विराजमान है। मूर्ति के पास बाघ की आकृति आकर्षक है। श्री पार्श्वनाथ श्वेतांबर जैन तीर्थ नामक ट्रस्ट इस मंदिर को संचालित करता है।

कुकड़ेश्वर

जैन तीर्थस्थल के रूप में विख्यात यह पवित्र गांव मंदसौर से 86 किलोमीटर की

दूरी पर है। यहां के मंदिर राज्य के सबसे प्राचीनतम मंदिरों में से एक माने जाते हैं। श्री कुकादेशर तीर्थ यहां का 1050 साल पुराना जैन मंदिर है। मध्यप्रदेश का नीमच जिला इस स्थान से करीब 52 किलोमीटर दूर है।

भानपुरा

भानपुरा मंदसौर से 127 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां राज्य करने वाले राजा भानु भील के नाम पर इस स्थान का नाम भानपुरा पड़ा। यहां मुख्य दर्शनीय स्थल संग्रहालय है। इस संग्रहालय में अनेक दुर्लभ वस्तुओं का संग्रह देखा जा सकता है। इस मंदिर में उमा महेश्वर, कार्तिकेय, विष्णु और नंदी की आकर्षक तस्वीरें प्रमुख आकर्षण का केन्द्र हैं।

परासली

मंदसौर जिले का यह गांव मंदसौर से 90 किलोमीटर दूरी पर है। जैनतीर्थ केन्द्र के रूप में विख्यात इस गांव में राज्य के कुछ लोकप्रिय मंदिर देखे जा सकते हैं। श्री पारासली तीर्थ और श्री नागेश्वर तीर्थ यहां के प्रसिद्ध दर्शनीय स्थल हैं।

गांधी सागर बांध

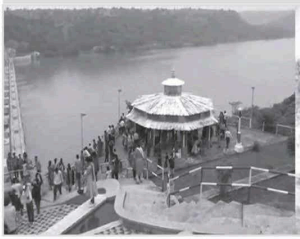

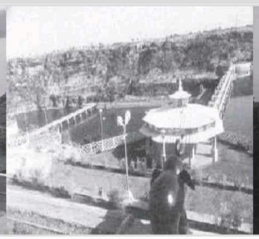

गांधी सागर बांध जिला मुख्यालय से 168 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। बांध का निर्माण चंबल नदी पर किया गया है। इसकी शुरुआत 1954 में की गई थी। बिजली स्टेशन में 1957 में काम शुरू किया गया था, जबकि बिजली उत्पादन और इसका वितरण नवंबर, 1960 में हुआ। गांधी सागर बांध और पावर स्टेशन के निर्माण पर कुल खर्च लगभग रुपये 18 करोड़ 40 लाख हुआ।

गांधी सागर पावर स्टेशन 65 मीटर लंबा और 56 फीट चौड़ा है। पावर स्टेशन में 23 मेगावॉट क्षमता की पांच टरवाइन हैं, इस प्रकार कुल स्थापित क्षमता 115 मेगा वाट है।

गांधी सागर पावर स्टेशन अब पूरे जिले में बिजली की आपूर्ति करता है। जिले में बिजली की जरूरतों को पूरा करने के अलावा, इस बिजली घर से बिजली मध्य प्रदेश और राजस्थान राज्य में सप्लाई की जाती है।

धर्म राजेश्वर

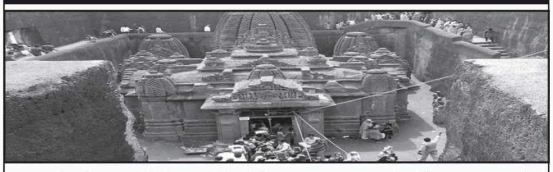

धर्म राजेश्वर मंदसौर से 106 किलोमीटर पर शामगढ़ तहसील में चंदवासा ग्राम के निकट स्थित है। यहां बौद्ध गुफाएं भी स्थित हैं। यह मंदिर एक विशाल पहाड़ के अंदर एक ही चट्टान को काटकर अजंता की गुफाओं की शैली में बना है। यह गुफाएं उत्तरी नागरिक शैली में बनी हुई हैं। यह मंदिर एक ही चट्टान को काटकर बनाया गया है।

उत्सव

पशुपतिनाथजी का मेला

हर वर्ष नवम्बर माह में श्री पशुपतिनाथ के मंदिर प्रांगण में मेला आयोजित किया जाता है।

पशुपतिनाथ जी की शाही सवारी

शाही सवारी सावन महीने के अंतिम सोमवार को निकाली जाती है। इस दौरान शहरवासी भगवान पशुपतिनाथ जी के दर्शन करते हैं।

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक समसामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

पशुपतिनाथ मंदिर

मंदसौर का मुख्य आकर्षण भगवान पशुपतिनाथ मंदिर है। पशुपतिनाथ भगवान शिव का पर्यायवाची नाम है। मंदिर की कलात्मक भव्य मूर्ति का निर्माण चमकते हुए गहरे तांबे के उग्र चट्टान-खंड में हुआ है। मंदिर शिवना नदी के तट पर स्थित है।

इसका वजन 4600 किलोग्राम है। वक्रता में ऊंचाई 7.25 फीट और सीधी में 11.25 फीट है। इसके 8 सिर हैं जो मूर्ति को दो भागों में विभाजित करते हैं। पहला भाग 4 शीर्ष पर और दूसरा भाग 4 शीर्ष तल में। शीर्ष 4 सिर स्पष्ट, परिष्कृत और पूर्ण हैं तो नीचे के 4 सिर परिष्कृत नहीं हैं।

इस मंदिर के चारों दिशाओं में चार दरवाजे हैं लेकिन प्रवेश द्वार पश्चिम में स्थित है। मूर्ति के जो सिर पश्चिम में स्थित हैं, भगवान शिव की भयावह छवि प्रस्तुत कर रहे हैं।

इस सिर के श्रृंगार में तीन रास्प (नख) दिखाई देते हैं जो जहरीले सांपों के गोले के आकार के बालों में होते हैं, तीसरी आंख उभरी हुई प्रतीत होती है। केंद्र में उलझे हुए बाल सांपों से घिरे हैं जो सर्वनाश करने वाले ओंकार का प्रतीक हैं।

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र. 1, भदभदा रोड, भोपाल
क्र./885/तशा/प.यं./2024 **दिनांक : 11.07.2024**

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा भोपाल एवं गुना जिले में मरम्मत कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा क्रमांक 2024_MPPHC_ 357396_1, 2024_MPPHC_357744_1, 2024_MPPHC_ 357745_1 **दिनांक 26.07.2024 समय अपरान्ह 17:00 बजे तक** खरीदी जा सकती है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/115445/2024 R-49834/2024 **परियोजना यंत्री**

भारत ने जीता वर्ल्ड चैम्पियंस ऑफ लीजेंड टूर्नामेंट

बर्मिंघम, भारत ने पाकिस्तान को हराकर वर्ल्ड चैम्पियंस ऑफ लीजेंड टूर्नामेंट जीत लिया है। इस टूर्नामेंट में पूर्व क्रिकेटरों ने हिस्सा लिया था। टूर्नामेंट के फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराया। मैच में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 6 विकेट खोकर 156 रन बनाये। पाकिस्तान के लिए शोएब मलिक ने सबसे ज्यादा 41 रनों की पारी खेली, वहीं कामरान अकमल (24) और शोहेब मकसूद (21) ने भी उपयोगी पारियां खेली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। भारत के 2 विकेट महज 38 रन के स्कोर पर गिर गए। इसके बाद अंबाती रायडु (50) और गुरकीरत सिंह मान (34) ने पारी को संभाला। अंतिम ओवरों में यूसुफ पठान ने 16 गेंदों में 30 रन की आक्रामक पारी खेलकर भारत को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। आखिरी ओवर की पहली गेंद पर इरफान पठान ने चौका लगाकर भारत को 5 विकेट से जीत दिलाई।

भारत-जिम्बाब्वे ट्वेंटी-20 सीरीज

भारत ने 4-1 से जीती ट्वेंटी-20 सीरीज

हरारे, युवा खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे को हराकर ट्वेंटी-20 सीरीज जीत ली है। भारतीय टीम ने पांच मैचों की यह सीरीज 4-1 से जीती है। सीरीज के पांचवें और आखिरी मैच में भारत ने जिम्बाब्वे को 42 रन से हराया।

मैच में जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। ओपनिंग बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने पारी की पहली दो गेंदों में दो छक्के लगाकर आक्रामक तेवर दिखाए, लेकिन चौथी गेंद पर सिकंदर रज़ा ने उन्हें आउट कर दिया। यशस्वी के बाद शुभमन गिल (13) और अभिषेक शर्मा (14) भी जल्द आउट हो गए। इसके बाद संजू सैमसन और रियान पराग ने पारी को संभाला और चौथे विकेट के लिए 65 रनों की साझेदारी की। संजू ने 58 रनों की बेहतरीन पारी खेली। पराग (22) के आउट होने के बाद शिवम दुबे (26) ने संजू का साथ निभाया, जिसकी बदौलत भारतीय टीम निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट खोकर 167 रन बनाने में सफल रही।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम की शुरुआत ही खराब रही। तेज गेंदबाज मुकेश कुमार ने वेस्ली मधेविरे और ब्रायन बेनेट को जल्द पवेलियन भेज दिया। इसके बाद ताडिवानाशे मारूमनी (27) और डियोन मायर्स (34) ने पारी को संभाला, लेकिन इन दोनों बल्लेबाजों के आउट होने के बाद जिम्बाब्वे की पारी लड़खड़ा गई। निचले क्रम में फराज अकरम (27) ने आक्रामक पारी खेली, लेकिन टीम को लक्ष्य के नजदीक पहुंचाने में यह पारी नाकाफी रही। भारत के लिए मुकेश कुमार ने सबसे ज्यादा 4, शिवम दुबे ने 2 तथा तुषार देशपांडे, वॉशिंगटन सुंदर और अभिषेक शर्मा ने 1-1 विकेट लिया।

- यशस्वी जायसवाल अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पहली दो गेंदों पर दो छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं।
- पहली गेंद नो बॉल थी, जिस वजह से भारत ने एक गेंद पर 13 रन बनाने का रिकॉर्ड भी बनाया।
- इससे पहले यह रिकॉर्ड पाकिस्तान के नाम था।
- पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ पहली गेंद पर 10 रन बनाये थे, इनमें 9 रन अतिरिक्त थे।

बीसीसीआई ने जिम्बाब्वे दौरे पर सीनियर खिलाड़ियों को आराम और युवा खिलाड़ियों को मौका दिया था। इस सीरीज में भारत की ओर से 5 खिलाड़ियों ने डेब्यू किया, इनमें अभिषेक शर्मा, रियान पराग, ध्रुव जूरेल, साई सुदर्शन और तुषार देशपांडे शामिल हैं। युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को टीम का कप्तान बनाया गया था, गिल ने बल्लेबाजी के साथ-साथ कप्तानी में भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 5 मैचों में सबसे ज्यादा 170 रन बनाये हैं।

शतरंज ओलंपियाड के लिए भारतीय टीम हुई घोषित

नई दिल्ली, अखिल भारतीय शतरंज महासंघ ने इस वर्ष 10 से 22 सितंबर तक हंगरी में आयोजित होने वाले शतरंज ओलंपियाड के लिए पांच सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। भारतीय दल में डी. गुकेश, आर. प्रगानंदा, अर्जुन एरिगेसी, विदित गुजराती और हरिकृष्णा पेंटाला को जगह मिली है। वहीं महिला टीम में हरिका द्रोणवल्ली, वैशाली रमेशबाबू, दिव्या देशमुख, वंतिका अग्रवाल और तानिया सचदेव को शामिल किया गया है।

जेम्स एंडरसन ने पूरे किए 700 टेस्ट विकेट

लंदन, इंग्लैंड के दिग्गज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने टेस्ट क्रिकेट में नया कीर्तिमान रच दिया है। एंडरसन टेस्ट क्रिकेट में 700 विकेट लेने वाले दुनिया के पहले तेज गेंदबाज बन गए हैं। एंडरसन ने यह कारनामा अपने आखिरी टेस्ट मैच में किया। एंडरसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए पहले टेस्ट मैच में एलिक अथानजे को आउट कर अपना 700वां टेस्ट विकेट हासिल किया। एंडरसन टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में तीसरे स्थान पर हैं। टेस्ट क्रिकेट में एंडरसन से ज्यादा विकेट शेन वॉर्न (708) और मुथैया मुरलीधरन (800) के है। शेन वॉर्न और मुरलीधरन दोनों स्पिनर हैं, जबकि एंडरसन तेज गेंदबाज हैं।

पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लेगा 117 खिलाड़ियों का भारतीय दल

नई दिल्ली, खेल मंत्रालय ने 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए भारतीय दल की घोषणा कर दी है। भारतीय दल में 117 खिलाड़ियों को जगह मिली है। खेल मंत्रालय के अनुसार इन खिलाड़ियों का साथ देने के लिए 140 सदस्यीय सपोर्ट स्टाफ और अन्य अधिकारी भी पेरिस जायेंगे।

खेल मंत्रालय ने बताया कि खिलाड़ियों की सूची में सबसे ज्यादा 29 खिलाड़ी एथेलेटिक्स के हैं, इनमें 18 पुरुष और 11 महिला खिलाड़ी हैं। इसके बाद निशानेबाजी में 21, हॉकी में 19, टेबल टेनिस में 8, बैडमिंटन में 7, कुश्ती में 6, तीरंदाजी में 6, मुक्केबाजी में 6, गोल्फ में 4, टेनिस में 3 तैराकी और सेलिंग में 2-2 खिलाड़ी अपना दम दिखायेंगे। वहीं घुड़सवारी, जूडो, रोइंग और भारत्तोलन में 1-1 खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में जाएंगे।

सात्विक और चिराग को ओलंपिक में मिला आसान ड्रॉ

नई दिल्ली, पेरिस ओलंपिक के लिए बैडमिंटन में पुरुष युगल वर्ग का ड्रॉ घोषित किया गया है। भारत की स्टार बैडमिंटन जोड़ी सात्विक साईंराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को ओलंपिक में आसाना ड्रॉ मिला है। ओलंपिक में सात्विक और चिराग की जोड़ी को तीसरी वरीयता दी गई है। भारतीय जोड़ी को ग्रुप-सी में रखा गया है। इस ग्रुप में भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया, जर्मनी और फ्रांस की जोड़ी से कड़ी टक्कर मिलेगी। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने पिछले कुछ वर्षों में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई खिताब जीते हैं। इस जोड़ी ने थॉमस कप में भारत को जीत दिलाई थी।

सनथ जयसूर्या बने श्रीलंका के अंतरिम कोच

कोलंबो, श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सनथ जयसूर्या को श्रीलंकाई क्रिकेट टीम का अंतरिम कोच

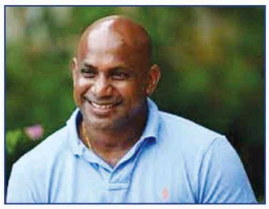

नियुक्त किया है। बोर्ड ने कहा कि अगले कुछ महीनों तक स्थाई समाधान मिलने तक जयसूर्या टीम का मार्गदर्शन करने के लिए उपयुक्त व्यक्ति हैं। जयसूर्या इस महीने के अंत में भारत के खिलाफ खेली जाने वाली 3-3 मैचों की वन-डे और ट्वेंटी-20 सीरीज से पहले श्रीलंकाई टीम के साथ जुड़ जायेंगे। जयसूर्या को क्रिस सिल्वरवुड की जगह टीम का अंतरिम कोच बनाया गया है। सिल्वरवुड ने आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

कार्लोस अलकराज ने जीता विम्बलडन का खिताब

लंदन, स्पेन के युवा टेनिस स्टार कार्लोस अलकराज ने टेनिस की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में से एक विम्बलडन का खिताब जीत लिया है। टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में अलकराज ने सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को लगातार सेटों में 6-2, 6-2,7-6 से हराया।

अलकराज ने सेमीफाइनल में डेनिल मेदवेदेव को हराकर फाइनल में जगह बनाई, वहीं लारेंजो मुसेटी को हराकर जोकोविच फाइनल में पहुंचे। प्रशंसकों को फाइनल में दोनों खिलाड़ियों से कड़े मुकाबले की उम्मीद थी, लेकिन 24 बार ग्रैंडस्लैम टाइटल जीतने के रिकॉर्ड अपने नाम रखने वाले 37 वर्षीय जोकोविच युवा खिलाड़ी के सामने संघर्ष करते हुए नजर आये। मैच के पहले और दूसरे सेट में अलकराज ने आसानी से जीत दर्ज की, लेकिन तीसरे खेल में जोकोविच ने जबरदस्त टक्कर दी। अलकराज ने कड़े मुकाबले में यह सेट 7-6 से जीता।

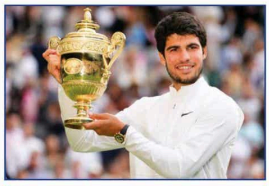

महिला वर्ग में क्रेजिकोवा बनीं विजेता

विम्बलडन में महिला एकल वर्ग का खिताब चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजिकोवा ने जीता। क्रेजिकोवा ने फाइनल में इटली की जैस्मीन पाओलिनी को 6-2, 2-6, 6-4 से हराया। दोनों खिलाड़ी पहली बार विम्बलडन के फाइनल में पहुंची थी। फाइनल में क्रेजिकोवा ने पहला सेट जीता, वहीं पाओलिनी ने दूसरा सेट जीता जिससे तीसरा सेट निर्णायक हो गया। तीसरे सेट में क्रेजिकोवा ने 6-4 से जीत दर्ज की।

यूरो कप स्पेन चौथी बार बना यूरोपियन चैम्पियन

बर्लिन, स्पेन ने एक बार फिर यूरोपियन फुटबॉल में अपनी बादशाहत साबित करते हुए यूरो कप का खिताब जीता है। स्पेन ने 12 वर्ष बाद यह खिताब जीता है। स्पेन ने चौथी बार यह प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया है। यूरो कप के फाइनल में स्पेन ने इंग्लैंड को 2-1 से हराया। इंग्लैंड लगातार दूसरी बार यूरो कप के फाइनल में पहुंचा था और दोनों ही बार उसे हार का सामना करना पड़ा।

पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाले स्पेनिश टीम ने फाइनल में भी दमदार खेल दिखाया। मैच के पहले हाफ में दोनों ही टीमें गोल नहीं कर सकीं और पहला हाफ गोलरहित रहा। दूसरे हाफ में स्पेन ने अपनी रणनीति में बदलाव किया और आक्रामक खेल दिखाया। मैच के 47वें मिनट में स्पेन को गोल करने का मौका मिला, स्पेन के 22

वर्षीय विंगर निको विलियम्स इस अवसर को गोल में बदलने में सफल रहे और स्पेन को 1-0 की बढ़त दिलाई।

मैच में पिछड़ने के बाद इंग्लैंड ने भी वापसी के प्रयास किए। मैच के 73वें मिनट में कोल पामर ने गोल कर इंग्लैंड को मैच में बराबरी पर ला दिया। एक समय ऐसा लग रहा था कि मैच अतिरिक्त समय में जाएगा, लेकिन स्पेन के मिकेल ओयरजाबाल ने 86वें मिनट में गोल कर इंग्लैंड का पहली बार यूरो कप जीतने का सपना तोड़ दिया। स्पेन ने 2-1 की स्कोर लाइन के साथ खिताब अपने नाम किया।

- स्पेन ने यूरो कप-2024 में बेहतरीन प्रदर्शन किया और 7 में से 7 मैच जीते हैं।
- स्पेन ने इससे पहले वर्ष 1964, 2008 और 2012 में भी यह खिताब जीता है।
- स्पेन ने 4, जर्मनी ने 3 तथा इटली और फ्रांस ने 2-2 बार जीता है यूरो कप।
- रूस, चेक गणराज्य, पुर्तगाल, स्लोवाकिया, नीदरलैंड्स, डेनमार्क और ग्रीस 1-1 बार बने हैं विजेता।
- स्पेन ने वर्ष 2010 में फीफा फुटबॉल विश्वकप भी जीता है।

कोपा अमेरिका कप अर्जेंटीना ने जीता खिताब

मियामी, स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम कोपा अमेरिका कप की चैम्पियन बन गई है। टूर्नामेंट के फाइनल में अर्जेंटीना ने कोलंबिया को 1-0 से हराया। इस जीत के साथ अर्जेंटीना सबसे ज्यादा बार कोपा अमेरिका कप जीतने वाला देश बन गया है, वहीं मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना का पिछले तीन वर्षों में यह तीसरा खिताब है।

फाइनल मैच में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मैच में अर्जेंटीना को जीत का दावेदार माना जा रहा था, लेकिन कोलंबिया की टीम ने दमदार प्रदर्शन किया। मेसी के नेतृत्व में अर्जेंटीना की टीम ने गोल करने के लिए कई प्रयास किए लेकिन वे कोलंबियाई रक्षापंक्ति को भेद नहीं सके। निर्धारित समय तक दोनों ही टीमें गोल करने में असफल रहीं, जिसके

बाद मैच अतिरिक्त समय में गया। अतिरिक्त समय (112वें मिनट) में लॉटेरो मार्टिनेज ने गोल कर अर्जेंटीना को जीत दिलाई।

- अर्जेंटीना ने रिकॉर्ड 16वीं बार कोपा अमेरिका कप जीता है।
- उरूग्वे 15, ब्राजील 9 तथा पेरागवे, चिली एवं पेरू 2-2 और कोलंबिया तथा बोलिविया 1-1 बार बने हैं चैम्पियन।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

भारत में शून्य-उत्सर्जन ट्रक अपनाने गियरशिफ्ट चैलेंज हुआ शुरू

नीति आयोग ने आईआईएम बैंगलोर, स्मार्ट फ्रेट सेंटर इंडिया, कैलस्टार्ट, ड्राइव-टू-जीरो और डब्ल्यूआरआई इंडिया के सहयोग से ई-फास्ट इंडिया पहल के हिस्से के रूप में नीति गियरशिफ्ट चैलेंज की शुरुआत की घोषणा की। इस अग्रणी हैकथॉन का उद्देश्य भारत में शून्य-उत्सर्जन ट्रकों (जेडईटी) को अपनाने के लिए अभिनव व्यवसाय मॉडल को बढ़ावा देना है जो देश की महत्वपूर्ण आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करता है। गियर शिफ्ट चैलेंज छात्रों, परिवहन सेवा से जुड़े लोगों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं को ऐसे अभिनव व्यवसाय मॉडल विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करता है जो बिजली चलित ट्रकों को अपनाने में वित्तीय, तकनीकी और परिचालन चुनौतियों का समाधान करते हों। हैकथॉन दो चरणों में होगा।

उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ वैश्विक आतंकवाद निरोधक परिषद द्वारा आयोजित सम्मेलन में सम्मिलित हुए

भारत सबसे बड़ी डिजिटल सोसाइटियों में से एक है यहां प्रौद्योगिकी आम आदमी के बीच लोकप्रिय शब्द है

उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में वैश्विक आतंकवाद निरोधक परिषद (जीसीटीसी) द्वारा आयोजित तीसरे साइबर सुरक्षा सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित किया। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने साइबर अपराध के शिकार लोगों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, को कानूनी सहायता प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी डिजिटल सोसाइटियों में से एक के रूप में भारत की प्रमुख स्थिति पर प्रकाश डालते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत में 820 मिलियन से अधिक सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं और इसने 500 मिलियन से अधिक व्यक्तियों के लिए बैंकिंग समावेशन हासिल किया है। उन्होंने इस तथ्य की ओर भी ध्यान आकर्षित किया कि वर्ष 2023 तक वैश्विक डिजिटल लेन-देन में देश की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत होगी। प्रौद्योगिकी की पहुंच सुनिश्चित करने में भारत की उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया, भारत में सेवा वितरण में प्रौद्योगिकी के बड़े पैमाने पर उपयोग को देखकर दंग है, निःसन्देह गांव स्तर तक भी। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी आम आदमी के बीच एक प्रचलित शब्द बन रहा है, वह अपने लेन-देन को डिजिटल होने का आनंद लेता है।

उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ साइबर सुरक्षा सम्मेलन के समापन सत्र में शामिल हुए

सक्रिय उपायों की आवश्यकता पर भी जोर

बाधाकारी प्रौद्योगिकियों की अपार संभावनाओं की चर्चा करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ऐसी प्रौद्योगिकी का न केवल अर्थव्यवस्था, व्यवसाय या व्यक्तिगत उत्पादकता पर बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी प्रभाव पड़ सकता है। यह कहते हुए कि इन उभरती प्रौद्योगिकियों से उत्पन्न चुनौतियों को अवसरों में बदला जाना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने उनकी सकारात्मक क्षमता का दोहन करने के लिए प्रणालियों को अद्यतन करने का आह्वान किया। उन्होंने देश के लाभ के लिए इन प्रगतियों को एकीकृत करने के लिए सक्रिय उपायों की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

तकनीकी क्षमता पर निर्भर करती है

आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति पर प्रकाश डालते हुए उपराष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि युद्ध पारंपरिक सीमाओं को पार कर गया है, जो भूमि, अंतरिक्ष और समुद्र से आगे बढ़कर नए तकनीकी क्षेत्रों में फैल गया है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि उन्नत प्रौद्योगिकियों के संदर्भ में किसी राष्ट्र की तैयारी उसकी वैश्विक क्षमता और रणनीतिक ताकत को परिभाषित करने में महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने यह भी बताया कि नरम कूटनीतिक शक्ति तेजी से किसी राष्ट्र की तकनीकी क्षमता पर निर्भर करती है।

एक महत्वपूर्ण प्रगति का संकेत देती है

भारत की डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सरकार के सक्रिय उपायों पर प्रकाश डालते हुए उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति, भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम की स्थापना और सूचना प्रौद्योगिकी कानून 2000 को अपडेट करने सहित महत्वपूर्ण पहलों के कार्यान्वयन का उल्लेख किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि ये पहल, बढ़ी हुई सार्वजनिक-निजी भागीदारी के साथ, देश के डिजिटल बुनियादी ढांचे की सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण प्रगति का संकेत देती हैं।

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की आत्मा और किसान प्राण हैं - श्री चौहान

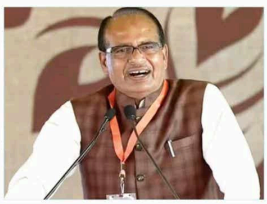

नई दिल्ली के डॉ. सी. सुब्रमण्यम ऑडिटोरियम में 96वें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) स्थापना एवं प्रौद्योगिकी दिवस 2024 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य रूप से उपस्थित हुए। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हमारे देश में सीमांत किसान हैं। छोटे किसान के लिए हमें मॉडल फॉर्म बनाने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की आत्मा है और किसान उसकी रीढ़ है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य रखा है। किसान एवं खेती प्रधानमंत्री जी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कृषि विविधिकरण कर देंगे तो किसानों की खेती में आय बढ़ाना संभव है। आज हम इसी संकल्प के साथ काम कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने वैज्ञानिकों से कहा कि हम 4 साल के लक्ष्य निर्धारित करें और 4 साल के बाद हम कहें कि हमने यह लक्ष्य पूरे किये। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को 2047 तक विकसित बनाने का जो संकल्प लिया है इसमें कृषि और कृषि संबंधित क्षेत्र ही महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि आईसीएआर ने 6 हजार किस्में दी हैं। इनमें से कितनी किस्में लैब से लैंड तक पहुंची हैं। किसान और वैज्ञानिक कितना जुड़ा है हमें इस पर काम करना है। जब तक विज्ञान का व्यवहारिक उपयोग नहीं होगा तो किसान को फायदा नहीं होगा।

नेट-जीरो का लक्ष्य हासिल करने के लिए तैयार भारत ई-मोबिलिटी आरएंडडी रोडमैप पर रिपोर्ट हुई जारी

भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय कुमार सूद ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन एनेक्सी में "भारत के लिए ई-मोबिलिटी आरएंडडी रोडमैप" रिपोर्ट जारी की। आरएंडडी रोडमैप वैश्विक ऑटोमोटिव क्षेत्र की विस्तृत क्षितिज स्कैनिंग और भविष्य की अत्याधुनिक तकनीकी आवश्यकताओं की पहचान करने के बाद तैयार किया गया है। यह अनुसंधान परियोजनाओं को चार महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वर्गीकृत करता है: ऊर्जा भंडारण सेल, ईवी एग्रीगेट्स, सामग्री और रिसाइकिल, चार्जिंग और ईंधन भरना, और साथ ही अगले पांच वर्षों में आत्मनिर्भर बनकर वैश्विक नेतृत्व प्राप्त करने के लिए रास्ता बताता है। स्पष्ट मार्ग प्रदान करता है। इस अवसर पर प्रो. सूद ने कहा कि भारत का लक्ष्य 2030 तक उत्सर्जन तीव्रता में 45 प्रतिशत की कमी और 2047 तक ऊर्जा स्वतंत्रता प्राप्त करना है ताकि 2070 तक शुद्ध-शून्य प्रतिबद्धता

प्राप्त की जा सके। इस दृष्टिकोण के एक महत्वपूर्ण हिस्से के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को व्यापक रूप से अपनाना, स्वदेशी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों का निर्माण और चार्जिंग बुनियादी ढांचे के लिए नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन करना आवश्यक होगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में ई-मोबिलिटी वैल्यू चेन आयात पर बहुत अधिक निर्भर करती है। प्रो. सूद ने ई-मोबिलिटी वैल्यू चेन के भीतर आयात पर हमारी निर्भरता को कम करने और ऑटोमोटिव क्षेत्र में घरेलू अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

समग्र मार्गदर्शन में किया तैयार

पीएसए कार्यालय की सलाहकार डॉ. प्रीति बंजल ने ऑटोमोटिव क्षेत्र में एक मजबूत अनुसंधान एवं विकास इकोसिस्टम बनाने की दिशा में कार्यालय के महत्वपूर्ण प्रयासों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि अगस्त 2022 में पीएसए कार्यालय ने 'ई-मोबिलिटी पर परामर्श समूह (सीजीईएम)' का गठन किया था, जो भारत में प्रचलित जीवाश्म ईंधन आधारित परिवहन क्षेत्र से इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर तेजी से बढ़ने के लिए तकनीकी रोडमैप, अध्ययन, दस्तावेज तैयार करने के लिए सरकार, शिक्षाविदों और उद्योगों के विशेषज्ञों का एक पैनल है। रोडमैप दस्तावेज़ एआरएआई द्वारा सीजीईएम के समग्र मार्गदर्शन में तैयार किया गया है। प्रो. कार्तिक आत्मनाथन ने भारत के लिए ई-मोबिलिटी आरएंडडी रोडमैप का सारांश प्रस्तुत किया।

भारत के जी20 टास्क फोर्स की रिपोर्ट हुई जारी

आर्थिक परिवर्तन, वित्तीय समावेश और विकास के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना पर भारत के जी20 टास्क फोर्स' द्वारा नई दिल्ली में अंतिम 'डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना पर भारत के जी20 टास्क फोर्स की रिपोर्ट' जारी की गई। टास्क फोर्स का नेतृत्व सह-अध्यक्षों में भारत के जी20 शेरपा श्री अमिताभ कांत और इंफोसिस के सह-संस्थापक और अध्यक्ष तथा यूआईडीएआई (आधार) के संस्थापक अध्यक्ष श्री नंदन नीलेकणि ने किया। इस टास्क फोर्स के काम के कारण भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) की परिभाषा और रूपरेखा को स्वीकार किया गया था और इसे ब्राजील और दक्षिण

अफ्रीकी अध्यक्षता के दौरान कार्यान्वयन के लिए आगे बढ़ाया जाएगा।

अभूतपूर्व पड़ाव प्राप्त किया है

भारत के जी20 शेरपा श्री अमिताभ कांत ने कहा कि भारत ने डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना में एक अभूतपूर्व पड़ाव प्राप्त किया है। हमने नौ वर्षों में वह हासिल किया जो डीपीआई के बिना 50 वर्षों में होता। उन्होंने कहा कि भारत में यूपीआई का उपयोग रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं से लेकर बड़े शॉपिंग मॉल तक सभी स्तरों पर किया जाता है, जिसमें वैश्विक स्तर पर डिजिटल लेनदेन का प्रतिशत सबसे अधिक है, जो लगभग 46 प्रतिशत हिस्सा है।

श्री नंदन नीलेकणि ने कहा कि दुनिया की सरकारें और व्यवसाय तेजी से महसूस कर रहे हैं कि यदि वे वास्तव में सतत विकास लक्ष्यों और समावेशी विकास जैसे सामाजिक लक्ष्यों को प्राप्त करना चाहते हैं, तो ऐसा करने के लिए उनके पास अंतर्निहित डीपीआई होना चाहिए। डीपीआई में नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने और शासन को बदलने की शक्ति है।

बौद्धिक विकास को बढ़ावा देने भारतीय नौसेना ने शुरू किया थिंक 2024 क्विज

भारतीय नौसेना ने अपने प्रमुख कार्यक्रम थिंक 2024 - भारतीय नौसेना क्विज़ के शुभारंभ की घोषणा की है। यह एक विशिष्ट राष्ट्रीय स्तर की क्विज़ प्रतियोगिता है। यह आयोजन बौद्धिक विकास को बढ़ावा देने और युवा मस्तिष्क को प्रेरित करने का एक विशिष्ट अवसर प्रदान करने के साथ-साथ ही हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देता है। पहले दो संस्करणों यानी थिंक-22 और जी-20 थिंक की शानदार सफलता ने भारतीय नौसेना को यह पहल जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया है। इस वर्ष थिंक 2024 का विषय 'विकसित भारत' है, जो भारत सरकार के स्वतंत्रता के 100 वर्ष होने के उपलक्ष्य में वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलने के दृष्टिकोण के अनुरूप है। यह प्रतियोगिता छात्रों की सामान्य जागरूकता के परीक्षण की अवधारणा को आगे बढ़ाती है। यह युवा मस्तिष्कों को ज्ञानवान बनाने और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए छात्रों में जागरूकता फैलाने वाला एक मंच है। इस प्रतियोगिता में देश के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के सभी छात्र भाग ले सकते हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- संदीप यादव, मुद्रक- संदीप यादव द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।